शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसआईटी प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए तैयार : गृहमंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 31 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-151

पीएम मोदी ने पंजाब में लोकसभा चुनाव-2024 की आखिरी रैली को किया संबोधित

चुनावों में भाजपा की जीत की हैट्रिक लगेगी, कांग्रेस-आपा भ्रष्ट हैं

- आज हर भारतीय विकसित भारत के सपने के साथ एकरूप हो गया
- इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा
- जब देश में दमदार सरकार होती है, तो विदेशी सरकारें भी हमारा दम देखती हैं
- आपातकाल लगाने वाले और सिख विरोधी दंगे कराने वाले संविधान की रक्षा की रट लगा रहे

होशियारपुर (पंजाब), 30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक सभा चुनाव में सत्तारुढ गबंधन की पुन: जीत का विश्वास जताते हुए गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), संविधान और भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं, 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा।

श्री मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल में संविधान का गला घोटा था और जिन लोगों ने 1984 में सिख विरोधी दंगे कराए थे, वे आज संविधान की रक्षा की रट लगा रहे हैं । प्रधानमंत्री यहां भाजपा द्वारा आयोजित चुनाव रैली फतह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दावा किया लोक सभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत की हैट्रिक (लगातार तीसरी जीत) लगने जा रही है। श्री मोदी ने कहा, आज देश में आकांक्षाएं नई हैं, आज देश में उम्मीदें नई हैं, आज देश में आत्मविश्वास नया है। दशकों बाद ऐसा समय आया है, पूर्ण बहुमत वाली केंद्र सरकार हैट्रिक लगाने जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह है विकसित भारत का सपना। उन्होंने कहा कि आज हर भारतीय विकसित भारत के सपने के साथ एकरूप हो गया है ▶9पर

पीएम मोदी ने भगवती अम्मन मंदिर में किया दर्शन-पूजन

एक जून की शाम तक ध्यान साधना करेंगे

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चुनावी व्यस्तताओं के बाद तमिलनाडु के कन्याकुमारी में ध्यान-साधना करने पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने कन्याकुमारी पहुंचने के बाद भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी आज विवेकानंद मेमोरियल के ध्यान मंडपम में आज शाम से 1 जून की शाम तक ध्यान करेंगे। पीएम मोदी उसी स्थान पर दिन-रात ध्यान करेंगे, जहां कई दशकों पहले स्वामी विवेकानंद ने ध्यान किया था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी।

उनके प्रवास के लिये सुरक्षा के भारी इंतजाम किये गये हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार के अंत में आध्यात्मिक यात्राओं के लिए जाने जाते हैं। पांच साल पहले लोकसभा चुनाव 2019 का प्रचार समाप्त होने के बाद पीएम मोदी ने केदारनाथ का दौरा किया था। 2014 में उन्होंने महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े स्थल प्रतापगढ़ का दौरा किया था। गौरतलब है कि 543 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव 19 अप्रैल से शुरू हुए हैं। ▶9पर

पाकिस्तान में निष्पक्ष नजरिया उभर रहा है : विदेश मंत्रालय

- नवाज ने कहा था- हमने लाहौर समझौता तोड़ा, इसके चलते 1999 में करगिल युद्ध हुआ
- पीओके भारत का अभिन्न अंग है, बंकर एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण पर जताया कड़ा विरोध
- राफा में विस्थापन शिविर में नागरिक जीवन की दिल दहला देने वाली क्षति गहरी चिंता का विषय

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने लाहौर घो-षणापत्र पर पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने कहा, मौजूदा हालात से साफ है कि पाकिस्तान में भी एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए कहा था कि भारत के साथ युद्ध गलती थी और उनके देश ने लाहौर घो-षणापत्र का उल्लंघन किया था।

साथ ही भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीअ-ोके) में नियंत्रण रेखा के पार चीनी सेना की मदद से बंकर एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण का कड़ा विरोध करते हुए गुरुवार को कहा कि पूरा पीओके भारत का अभिन्न अंग है और यह कदम हमारी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में नियंत्रण रेखा के पार चीनी सेना की मदद से बंकर एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के बारे में प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा, पीओके पर हम अपनी स्थिति पर कायम हैं। पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का हिस्सा हैं, भारत का अभिन्न अंग हैं। वे अभिन्न अंग थे। वे भारत का अभिन्न अंग हैं और वे भारत का अभिन्न अंग बने रहेंगे। हम इसके पक्ष में नहीं हैं। यह हमारी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा कारगिल युद्ध की जिम्मेदारी लिये जाने का जिक्र करने पर प्रवक्ता ने कहा, आपको इस मुद्दे पर हमारी राय मालूम है। हम देख रहें हैं कि पाकिस्तान में भी, वास्तविकता पर आधारित नज़रिया सामने आ रहा है। बंगलादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार के कोलकाता के पास हत्या किये जाने के बारे में पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां समन्वय कर रही हैं और मामले में आवश्यक सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। जांच में सरकार बंगलादेश पक्ष को आवश्यक सहयोग दे रही है।

अमेरिका में रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश की जांच के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जांच के लिए समिति गठित हो चुकी है और जांच जारी है। इस से अधिक और कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसी मामले में आरोपी निखिल गुप्ता के प्रत्यर्पण मामले पर उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि चेक गणराज्य की संवैधानिक अदालत ने निखिल गुप्ता के प्रत्यर्पण की स्वीकार्यता पर संबंधित अदालतों के पहले के फैसलों को बरकरार रखा है। हमें इसके बाद की कार्रवाई के किसी फैसले के बारे में जानकारी नहीं है। ▶9पर

जम्मू में बस खाई में गिरी, 22 तीर्थयात्रियों की मौत, 64 घायल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जताया दु:ख

जम्मू, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में शिव खोरी दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस गुरुवार को शहर के बाहरी इलाके अखनूर में कालीधार के पास गहरी खाई में गिर गयी, जिससे 22 लोगों की मौत हो गयी और 54 अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश पंजीकरण संख्या वाली एक बस आज अपराह्न जम्मू से शिव खोरी तीर्थस्थल की ओर जा रही थी। यह जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौकी चौरा-कालीधार के पास अखनूर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। उन्होंने बताया कि चालक मोड़ पर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस खाई में लुढ़क गयी। सूचना मिलते ही पुलिस, स्थानीय लोग और स्वास्थ्य विभाग की टीम तुरंत हरकत में आयी और मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू कर दिया। सूत्रों ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, 22 लोगों की मौत हो गयी है और 64 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अखनूर, चौकी चौरा और जम्मू जीएमसी अस्पतालों में भेजा जा गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उत्तरप्रदेश के हाथरस की यह बस हरियाणा के ▶9पर

अग्निबाण एसओआरटीईडी-01 का सफल प्रक्षेपण

इसमें दुनिया का पहला 3डी प्रिंटेड इंज

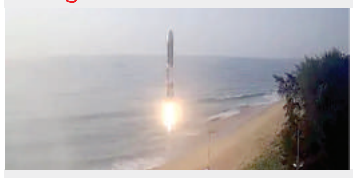

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया है कि स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने श्रीहरिकोटा स्थित अपने लॉन्च पैड से अग्निबाण (सबऑर्बिटल टेक डिमॉन्स्ट्रेटर) एसओआरटीईडी-01 मिशन को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया है। इसरो ने प्रक्षेपण को एक प्रमुख मील का पत्थर करार देते हुए अग्निकुल कॉसमॉस को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, अग्निबाण एसओअ-ारटीईडी-01 मिशन के प्रक्षेपण पैड से सफल प्रक्षेपण के लिए अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई। यह इंजन परीक्षण अग्निकुल के अपने डेटा अधिग्रहण प्रणालियों और उड़ान कंप्यूटरों द्वारा संचालित है, जो 100 प्रतिशत इन-हाउस डिजाइन किए गए थे। ▶9पर

एसएंडपी की रिपोर्ट को भाजपा ने बताया केंद्र सरकार की सफलता

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अच्छा संकेत देने के बाद भाजपा ने इसे केंद्र सरकार की नीतियों की सफलता करार दिया है। इसके साथ ही विपक्ष को आड़े हाथों लिया है। बता दें कि 10 वर्षों के अंतराल के बाद एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत के परिदृश्य को स्थिर से सकारात्मक किया है। एसएंडपी ने यह भी कहा है कि आने वाले दो से तीन वर्षों में भारत की साख को बढ़ाया जा सकता है।

भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम का कहना है कि बीते दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए निर्णयों की वजह से ऐसा संभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की नीतियों पर सफलता की मुहर है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि वैश्विक एजेंसियों को पीएम मोदी के विकसित भारत का संकल्प समझ में आने लगा है। सैयद जफर इस्लाम के अनुसार केंद्र सरकार की नीतियों और निर्णयों ने देश को आगे बढ़ाने का काम किया है।

भाजपा प्रवक्ता ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा 'विपक्षी दलों को यह नहीं दिखेगा क्योंकि उनकी आंखों में पट्टी बंधी है। भले ही राहुल गांधी और विपक्ष के नेताओं ने आंखों पर पट्टी बंधी है लेकिन वैश्विक एजेसियों के साथ ऐसा नहीं है।वैश्विक एजेंसियों को साफ तौर पर भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति दिख रही है। इसलिए उन्होंने भारत के परिदृश्य को सकारात्मक करार दिया है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता भी पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का विकास देख रही है। सैयद जफर इस्लाम ने दावा किया है कि इस बार लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने सुनिश्चित कर लिया है कि भाजपा को बहुमत के साथ जीत दिलानी है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

मनोरंजन कंपनी की 290 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। नोएडा सेक्टर 18 के मशहूर ग्रेट इंडिया पैलेस (जीआईपी) मॉल समेत पर मनोरंजन सेवाएं देने वाली कंपनी पर कानूनी शिकंजा कसा गया है। जीआईपी मॉल के कुछ हिस्से को अटैच किया गया है। ईडी ने इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड (आईआरएल की होल्डिंग कंपनी) से संबंधित 290 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। इसके दायरे में जीआईपी मॉल भी आया है।

एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड के तहत आने वाला नोएडा का जीआईपी मॉल करीब 3,93,737.28 स्कायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग मॉल में घूमने और शॉपिंग करने पहुंचते हैं। ऐसे में ईडी की यह कार्रवाई किसी झटके से कम नहीं है। ईडी का शिकंजा रोहिणी के एडवेंचर आइलैंड पर भी कसा है। ▶9पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,885.60
-617.30 -0.83% ↓
एनएसई :22,488.65
-216.05 (-0.95%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,620/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 96,060/- (प्रति किलोग्राम)

लोक सभा के सातवें एवं अंतिम चरण का चुनाव प्रचार थमा

आठ राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश चंड़ीगढ़ सहित 57 संसदीय सीटों के लिये शनिवार को होगा मतदान

पीएम मोदी, कंगना रनौत, अनुराग ठाकुर, रवि किशन, रवि शंकर प्रसाद सहित कई दिग्गजों की किस्मत का होगा फैसला

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भीषण गर्मी और राजनीतिक दलों के एक-दूसरे के खिलाफ तीखे बयानों से भरा अठारहवीं लोक सभा चुनाव के लिये करीब दो महीने तक चला चुनाव प्रचार का सिलसिला गुरुवार शाम छह बजे थम गया। इन चुनावों में सातवें एवं अंतिम चरण में आठ राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश चंड़ीगढ़ सहित 57 संसदीय सीटों के लिये मतदान शनिवार को होगा। इसके साथ ही उसी दिन ओडिशा विधानसभा के चौथे और अंतिम चरण में 42 सीटों के लिये मतदान कराया जायेगा। नियमों के तहत इन सीटों पर सार्वजनिक प्रचार अभियान मतदान समाप्त होने के 48 घंटे पहले आज शाम छह बजे शाम छह बजे थम गया। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। इस चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत, अनुराग ठाकुर, रवि किशन, रवि शंकर प्रसाद, संजय टंडन, कांग्रेस के अखिलेश प्रताप सिंह, अजय राय, तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और भोजपुरी कलाकार पवन सिंह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद होगा।

प्रचार अभियान में भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने कांग्रेस और अन्य दलों के इंडिया समूह पर परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार को लेकर आक्रमण किया। विपक्ष ने भाजपा नीत सरकार पर चुनावी बाँड में भ्रष्टाचार, धार्मिक विभाजन की राजनीति और विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों के इस्तेमाल के साथ-साथ संविधान को बदलने का मंसूबा रखने के आरोप लगाये।

सातवें चरण के आम चुनाव के लिये सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी इंडिया समूह के स्टार प्रचारकों के अलावा उनके घटक दल के नेताओं ने अपने उम्मीदवारों के लिये सार्वजनिक सभाओं और रोड-शो आदि के माध्यम से जम कर प्रचार किया। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिये चुनाव आयोग की व्यवस्था के अनुसार सार्वजनिक प्रचार अभियान मतदान की अवधि समाप्त होने के 48 घंटे पहले बंद कर दिया जाता है। इसके बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक निजी स्तर पर संपर्क कर मतदाताओं का समर्थन जुटा सकते हैं।

सातवें चरण में 57 लोकसभा सीटों पर 904 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस चरण में केन्द्रशासित प्रदेश चंड़ीगढ की एक सीट के लिये मतदान कराया जायेगा। इसके अलावा ओडिशा विधानसभा की कुल 147 सीटों के चुनाव के अंतिम चरण में 42 सीटों पर मुकाबला सत्तारूढ बीजू जनता दल (बीजद), भाजपा और कांग्रेस के बीच है। राज्य विधानसभा के चुनाव के पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 13 मई को 28 और 20 मई को 35 और 25 मई को 42 सीटों पर वोट डाले गये थे।

सातवें एवं अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर 144, पंजाब की 13 सीटों पर 328, पश्चिम बंगाल की नौ सीटों के लिये 124, बिहार की आठ सीटों पर 134, ओडिशा की छह सीटों पर 66, हिमाचल प्रदेश की चार सीटों पर 37, झारखंड की तीन सीटों पर 52 और केन्द्रशासित प्रदेश चंड़ीगढ की एक सीट पर 19 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 23^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

वाल्मिकी विकास निगम घोटाला मामले में पूरी कैबिनेट शामिल : आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विपक्ष के नेता आर.अशोक ने गुरुवार को कहा कि वाल्मिकी विकास निगम के 187 करोड़ घोटाला मामले में पूरी कैबिनेट शामिल है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने चुनावी भाषण में कहा था कि उनकी सरकार आने पर वह महिलाओं के बैंक खातों में टकाटक पैसे डालेंगे। इस पर अमल करने वाले कांग्रेस पार्टी के सभी मंत्रियों ने कहा कि उन्होंने टक-टक-टक की तरह पैसा ट्रांसफर किया। गत 4 तारीख को

25 करोड़ ट्रांसफर किया गया, 6 तारीख को 25 करोड़ ट्रांसफर किया गया, 21 तारीख को 44 करोड़ ट्रांसफर किया गया। फिर 50 करोड़ ट्रांसफर किया गया। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि इतनी रकम कांग्रेस ने अपने लूट के खाते में डाली है। उन्होंने इसे सार्वभौमिक भ्रष्टाचार बताते हुए इसकी आलोचना की। 187 करोड़ एक मंत्री नहीं निगल सकता। ये कोई छोटी रकम नहीं है। इतनी रकम में वह, उनके बच्चे, पोते-पोतियां और बच्चे खुशी से रह सकते हैं। जैसा कि राहुल गांधी ने कहा दलितों का 25 हजार करोड़ रुपये कहा गया। मुझे नहीं पता कि यह किसके पास गया। मुझे नहीं पता कि इसका उपयोग किस लिए किया जाता है। लेकिन आज अधिकारी टका-टका की तरह मर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज बुआई के बीज की कीमत 70 प्रतिशत बढ़ गई है। अगर कांग्रेस को राम दिख जाएं तो ऐसा नहीं होगा। उन्होंने उस निगम के नाम पर हुए 187 करोड़ के भ्रष्टाचार को कांग्रेस की एक साल की उपलब्धि बताया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के.राममूर्ति, पूर्व मेयर पद्मनाभ रेड्डी मौजूद थे।

वाल्मिकी विकास निगम घोटाला मामला

दर्ज एफआईआर में मंत्री का नाम नहीं: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने गुरुवार को कहा कि वाल्मिकी विकास निगम के अधीक्षक चंद्रशेखर ने डेथ नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। इस मामले को 4 दिन हो गए हैं। हालाँकि, एफआईआर में मंत्री का नाम नहीं है। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में भ्रष्टाचार की धाराएं शामिल नहीं की गई हैं। हालांकि एससी और एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सरकार सही कारण जानने के बजाय इस पर पर्दा डालने की कोशिश कर कर रही है। उस डेथ

नोट में मंत्री के मौखिक निर्देश के बाद ट्रांसफर की बात लिखी गई है और क्या सबूत चाहिए? क्या बड़ों की शक्ति के बिना इतना बड़ा कांड हो सकता है? एमडी पद्मनाभ, अकाउंटेंट परशुराम, बैंक अधिकारी स्मिता के भी नाम बताएं हैं। इसके साथ ही एन नागराज के नाम का भी जिक्र है, तो एन नागराज कौन हैं? एन नागराज और मंत्री के बीच क्या रिश्ता है? एन नागराज और मुख्यमंत्री के बीच क्या संबंध है? एन नागराज और उपमुख्यमंत्री के बीच क्या संबंध है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक सिंडिकेट के रूप में घोटाला है। आईटी कंपनी को मनी ट्रांसफर की जानकारी मिली। वह किसकी कंपनी है? सरकारी पैसा आईटी कंपनियों के पास कैसे गया? क्या निगम ने स्वयं आईटी कंपनी में निवेश किया था? क्या ऐसा कोई निवेश अवसर है? इन सबको भी बाहर आना है। सीटी रवि ने मांग की कि हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जजों के नेतृत्व में व्यापक जांच कराई जाए। इस मौके पर प्रदेश मीडिया समिति के संयोजक करुणाकर खासले, सदस्य विजेंद्र डी.टी समेत अन्य मौजूद थे।

पुलिस सदैव जनसहयोग के लिए आगे: पुलिस आयुक्त

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए हुब्बल्ली धारवाड़ महानगर पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने केशवपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक विशेष नागरिक सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त सुकुमार ने कहा केशवपुर पुलिस थाना क्षेत्र में 2 लाख से ज्यादा आबादी आती है और पुलिस स्टेशन में मात्र 71 स्टाफ उपलब्ध है। हम खाकी वर्दी में आपकी सेवा में उपस्थित है। लेकिन आप बिना खाकी के पुलिस है और आप हमे सदैव सहयोग प्रदान करते है। सुकुमार ने बच्चों के बारे में परिजनों से कहा वे भी अपने बच्चों की संगत और चाल चलन पर पूरा ध्यान रखें। साथ ही 18 वर्ष से कम के नाबालिग बच्चों को गाड़ी नहीं देकर ट्रैफिक नियमों का पालन करने में सहयोग करें। जिससे दुर्घंटानों में कमी आये। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए चेनम्मा दल का गठन किया गया है, जिसके अंतर्गत किसी भी प्रकार की सहयोग के लिए महिलाएं चेनम्मा दल से सम्पर्क कर सहयोग प्राप्त कर सकती है। सुकुमार ने क्षेत्र के सभी निवासियों से निवेदन किया कि आप अपने घर पर सीसीटीवी कैमरा लगवाते है तो मुख्य द्वार से रोड की तरफ भी लगाएं ताकि पुलिस को अपराध रोकने में सहयोग मिले। इस अवसर पर समाजसेवी श्री सिध्दारुढ मठ ट्रस्ट कमेटी के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सिंघी, मल्लेशप्पा हेबसुर, सहायक पुलिस आयुक्त शिवप्रकाश नायक, पुलिस इंस्पेक्टर केशवपुर के एस हट्टी, ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर डिसूजा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इस दौरान नागरिकों ने भी कानून व्यवस्था के लिए अपने सुझाव दिए।

कैसे स्वस्थ रहें पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर द्वारा साध्वी सिद्धप्रभा जी एवं साध्वी उदितयशाजी के सानिध्य में कैसे स्वस्थ रहे कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वी वृंद के नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से कार्यशाला प्रारंभ हुई। मंडल की बहनों द्वारा सुमधुर मंगलाचरण किया गया।

अध्यक्ष सुमन पटावरी ने आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया। साध्वी आस्थाप्रभा जी ने भावनात्मक एवं शारीरिक स्वास्थ्य की महत्ता समझाते हुए कहा कि प्रत्येक विचारों का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। इसलिए सदा सकारात्मक सोचे, दुख में सुख निकाले। निंदा, ईर्ष्यालु प्रवृत्ति से दूर रहे। साथ ही दोनों स्वर की उपयोगिता बताई। साध्वी उदितयशा जी ने जागरूकता, संकल्प एवं प्रयोग के द्वारा अच्छे स्वास्थ्य के बारे में बताया। खाना बनाते व खाते समय भावों के प्रभाव के बारे में समझाया। आभार एवं संचालन मंत्री पदमा मेहर ने व्यक्त किया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी द्वारा मंगल पाठ से कार्यशाला संपन्न हुई।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा नि:शुल्क जॉब पोर्टल की शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री ब्यावर संघ के तत्वावधान में श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा अपने व्यावसायिक और सामाजिक दायित्वों के तहत समाज के अनुभवी, फ्रेशर्स, इन्टर्न्स, युवाओं, बालिकाओं और महिलाओं के लिए जॉब पोर्टल के द्वारा जॉब दिलाने की शुरुआत की गई।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें कोई भी व्यक्ति अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रजिस्ट्रेशन करके किसी को भी जॉब प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही किसी को भी जॉब की आवश्यकता है तो भी जॉब प्राप्त करने के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि यह सुविधा पूर्णतया नि:शुल्क श्री ब्यावर संघ

युवा शाखा द्वारा जॉब्स के अच्छे अवसरों को तलाश रहे युवाओं और युवतियों के लिए प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रम के संयोजक महावीर गुगलिया ने बताया कि प्रति सप्ताह जॉब देने वालों और जॉब चाहने वालों की लिस्ट जारी की जाएगी, जिसमें से सूटेबल उम्मीदवार को फोन करके इन्टरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। साथ ही इच्छुक लोग भी अपने सूटेबल जॉब के लिए कॉल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के संयोजक ललित डाकलिया, कुलदीप छाजेड़, महावीर गुगलिया, कुनाल मरलेचा, सुशील बाफना, सुनील भण्डारी, प्रतीक गादिया, मनीष बाफना और आशीष भन्साली होंगे।

पीडीओ और बिल कलेक्टर रिश्वत लेते धराए

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के उप्पूर के पीडीओ इनायत उल्लाह बेग और बिल कलेक्टर संजय को लोकायुक्त अधिकारियों ने भूमि रिकॉर्ड संख्या 9 और 11 उपलब्ध कराने के लिए रिश्वत लेते हुए पकड़ा। लोकायुक्त पुलिस ने उस समय छापा मारा जब दोनों रवि डी'लीमा से 13,300 रुपये की रिश्वत लेने की तैयारी में थे। लोकायुक्त एसपी नटराज के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व डीएसपी के सी प्रकाश ने किया और इसमें पुलिस निरीक्षक मंजूनाथ और रफीक शामिल थे। दोनों आरोपियों को 12 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राउडीशीटर पर हमला, शिकायत दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सूरतकल के पास स्थित कुलाई बार के सामने बुधवार रात एक राउडीशीटर की हत्या का प्रयास किया गया। हमले में घायल भरत शेट्टी नामक राउडीशीटर ने सूरतकल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि कुख्यात मनोज कोडिकेरे गिरोह ने उस पर हमला किया। कोडिकेरे निवासी भरत शेट्टी (32) एक कुख्यात राउडीशीटर है, जिसके खिलाफ सूरतकल और पांडेश्वर पुलिस थानों में हत्या के मामले दर्ज हैं। मनोज कोडिकेरे गिरोह का पूर्व सदस्य भरत का गिरोह के सरगना मनोज कोडिकेरे से झगड़ा हुआ था। बुधवार की रात भरत शेट्टी कुलाई बार के बाहर खड़ा था, तभी मनोज कोडिकेरे गिरोह के सदस्य चेथु, गुज्जे शैलू, राजू फरंगीपेट और किशन कोडिकेरे कार में सवार होकर आए और उस पर तलवारों से हमला कर दिया। हमले के दौरान भरत की एक उंगली कट गई। खतरे को भांपते हुए भरत मौके से भागने में कामयाब हो गया। सूरतकल पुलिस फिलहाल घटना की जांच कर रही है।

पारिवारिक संबंध विषय पर कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन की स्थानीय महिला इकाई ने पारिवारिक रिलेशनशिप विषय पर कार्यशाला आयोजित की। महिला विंग की अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कोई भी रिश्ता अगर समझदारी से निभाया जाए तो जिंदगी बहुत आसान हो जाती है। मुख्य वक्ता चारू ने अपने सत्र से सबका मन मोह लिया। सभी ने बहुत ही उत्साह पूर्वक उनकी बात सुनी। संयोजक विनीता और ललिता ने सबका स्वागत किया। कोषाध्यक्ष ऋतु ने सबको धन्यवाद दिया। फेडरेशन के सहमंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि यह एक नई शुरूआत है और हर महीने एक नए विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसमें आज का पहला विषय रिलेशनशिप था और इसमें 35 महिलाओं की उपस्थिति रही।

लेखकों और शिक्षाविदों का आग्रह

सरकार कर्नाटक में 3,000 अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने के फैसले को ले वापस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लेखकों और शिक्षाविदों के एक वर्ग ने कर्नाटक सरकार से स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीएसईएल) द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत निजी स्कूलों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में 3,000 अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने के लिए लिए गए फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, विकास शिक्षाविद निरंजन-ाराध्या वी.पी. ने कहा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत, सरकार को कम से कम कक्षा 8 तक मातृभाषा में शिक्षा प्रदान

करनी चाहिए। कन्नड़ भाषा शिक्षण अधिनियम, 2015 के अनुसार, यह प्रस्तावित है कि कन्नड़ को पहली भाषा के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखे बिना, अंग्रेजी माध्यम स्कूल शुरू करने का सरकार का निर्णय अवैज्ञानिक है। लेखक जी. रामकृष्ण ने कहा कि सरकारें शिक्षा के माध्यम के बारे में मौजूदा शोध और आम सहमति के आधार पर निर्णय नहीं ले रही हैं। इस प्रकार, बच्चों की शिक्षा प्रणाली पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या साल दर साल कम होती जा रही है और हमें इस पर विचार करना चाहिए कि इसे रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को बुनियादी ढांचे में सुधार करके दिल्ली मॉडल पर सरकारी स्कूलों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मुफ्त जूते और मोजे खरीदने के लिए 121 करोड़ रुपये जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिक्षा विभाग द्वारा संचालित राज्य सरकार के स्कूलों में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कक्षा एक से दसवीं तक पढ़ने वाले सभी छात्रों को मुफ्त जूते और मोजे खरीदने के लिए 121 करोड़ रुपये जारी किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त ने इस संबंध में परिपत्र जारी कर पात्र विद्यार्थियों के जूते-मोजे खरीदने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिये हैं। राज्य में करीब 42.65 लाख छात्र पढ़ रहे हैं और उन्हें एक जोड़ी जूते, दो जोड़ी मोजे खरीदने की प्रक्रिया शुरू करने की सलाह दी गई है। सर्कुलर में जूते की खरीद को लेकर कुछ शर्तें लगाई गई हैं। यह सुझाव दिया गया है कि स्कूल की स्कूल विकास और पर्यवेक्षण समिति को पात्र छात्रों के जूते के माप को रिकॉर्ड करने, स्थानीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता वाले जूते खरीदने और वितरित करने के लिए जिम्मेदार होना चाहिए। एक जोड़ी

काले जूते, दो जोड़ी सफेद मोजे, स्थानीय परिवेश के अनुरूप खरीदने एवं वितरित करने का निर्देश दिया गया है। जूते और मोजे की खरीद के लिए एसडीएमसी अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक समिति बनाने, संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापक को सदस्य सचिव और एसडीएमसी द्वारा नामित 3 सदस्यों को समिति के सदस्य के रूप में नामित करने का निर्देश दिया गया है। पारदर्शिता अधिनियम के अनुसार खरीद प्रक्रिया को अंजाम दिया जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को प्रत्येक तालुक के 5 प्रतिशत स्कूलों में जूते और मोजे की गुणवत्ता की जांच के लिए एक समिति बनाने के लिए कदम उठाना चाहिए। यह निर्धारित है कि जूते और मोजे प्रतिष्ठित ब्रांडों के अधिकृत विक्रेताओं से खरीदे जाने चाहिए। किसी भी कारण से जोन, क्लस्टर या जिला स्तर पर केंद्रीकृत प्रणाली के तहत जूते और मोजे की खरीद निषिद्ध है।

प्रज्वल के आने से पहले एयरपोर्ट पर भारी सुरक्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दुष्कर्म मामले का मुख्य आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जिसके विदेश में छिपे होने की बात कही जा रही है, के बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने से पहले स्टेशन के आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एयरपोर्ट रोड पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, जहां प्रज्वल को बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लाया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद से मुलाकात की और बंदोबस्त के

बारे में चर्चा की। प्रज्वल की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी की टीम तैयार है। वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी की एक टीम ने एयरपोर्ट पर डेरा डाल दिया है। जांच अधिकारी ने गिरफ्तारी के बाद किस तरह से पूछताछ करनी है इसकी तैयारी कर ली है। प्रज्वल ने पहले भी कई बार टिकट बुक कराया था और आखिरी वक्त में उसे कैंसिल भी कर दिया था। एसआईटी अधिकारी एयरपोर्ट पर यह कहकर इंतजार करते-करते थक गए कि प्रज्वल अभी-अभी आएगा। तीन दिन पहले वीडियो जारी करने वाले प्रज्वल ने कहा कि वह 31 मई को एसआईटी के सामने पेश होंगे। प्रज्वल के नाम पर जर्मनी के म्यूनिख से बेंगलूरु तक का टिकट बुक किया गया है।

प्रज्वल रेवन्ना यौन शोषण मामला

कर्नाटक भर से लोगों ने हासन में विरोध मार्च निकाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के विभिन्न भागों से सैकड़ों लोगों ने गुरुवार को हासन में विरोध मार्च में हिस्सा लिया। प्रतिभागी जिले के महाराजा पार्क में एकत्र हुए और डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के पास आयोजित विरोध सभा स्थल तक मार्च किया। डॉ. भारती राजशेखर, आर.पी. वेंकटेशमूर्ति, एच.के. संदेश, इरशाद अहमद देसाई, राजशेखर और एम.सी. डोंगरे सहित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने मार्च को हरी झंडी दिखाई। महिला, मजदूर, किसान, दलित और लैंगिक अल्पसंख्यक समूहों सहित राज्य भर से नागरिक समाज समूहों ने, हमारा मार्च हासन की ओर है, के नारे के साथ मार्च किया।

मार्च के दौरान, उन्होंने जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारे लगाए, जिन पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। साथ ही कथित यौन शोषण की पीड़िताओं के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने पोस्टर ले रखे थे, जिनमें पीड़िताओं से अपील की गई थी कि वे मजबूत बनें और खुद को दोषी न समझें। एक अन्य पोस्टर में राजनेताओं से अपील की गई थी कि वे अपने राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ न करें। मार्च के आयोजकों ने राजनीतिक लाभ के लिए वीडियो में महिलाओं का शोषण करने वालों की भी कड़ी निंदा की और पीड़िताओं को व्यापक समर्थन देने का आह्वान किया। पूर्व सांसद सुभाषिनी अली, के. नीला और मीनाक्षी बाली, के.एस. जनवादी संगठन की विमला, सबिहा भूमिगौड़ा और अन्य ने मार्च का नेतृत्व किया।

एसआईटी प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए तैयार : गृहमंत्री

आगमन से पहले सभी आवश्यक तैयारियां कर ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) जेडीएस सांसद और कथित सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को एयरपोर्ट पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लेगा। सूत्रों ने बताया कि प्रज्वल गुरुवार दोपहर 3 बजे म्यूनिख से उड़ान भरेंगे और सुबह 12.30 बजे बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरेंगे। एजेंसियां प्रज्वल के विमान में चढ़ने की निगरानी के लिए एयरलाइन और अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि प्रज्वल रेवन्ना ने लुफ्थांसा से बिजनेस क्लास का हवाई टिकट बुक किया था और टिकट बुक करते समय उन्होंने अपना संपर्क नंबर और ईमेल आईडी नहीं दी थी। सूत्रों ने आगे बताया कि एसआईटी ने पाया है कि 31 मई को प्रज्वल रेवन्ना द्वारा अपनी वापसी की घोषणा करने वाला वीडियो हंगरी के बुडापेस्ट से अपलोड किया गया था। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि एसआईटी ने उनके संभावित आगमन से पहले सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। अगर वे आते हैं, तो कानूनी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कानून के अनुसार उनके खिलाफ वारंट जारी किया गया है। वारंट जारी होने के बाद, उन्हें गिरफ्तार करना पुलिस का काम है और वे अपना काम करेंगे। जब पूछा गया कि प्रज्वल रेवन्ना को पहले क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया, तो परमेश्वर ने कहा हम उन्हें किसी विदेशी स्थान पर गिरफ्तार नहीं कर सकते। आपको किसने बताया कि हम वहां जाकर उन्हें घसीट सकते हैं? यहां तक कि केंद्र सरकार भी उन्हें गिरफ्तार करने के लिए किसी को नहीं भेज सकती। इंटरपोल को सूचित करने का उद्देश्य यही है। सूचित किए जाने के बाद, एक ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है और उसके बाद एक प्रक्रिया का पालन किया जाता है। ऐसा नहीं है कि हम राज्य के भीतर कहीं जाकर किसी को गिरफ्तार कर सकते हैं। इससे पहले परमेश्वर ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी निगम के कर्मचारी चंद्रशेखर की कथित आत्महत्या मामले में जांच चल रही है और जांच के बाद सब पता चल जाएगा। चंद्रशेखर ने रविवार शाम को आत्महत्या करने से पहले कथित तौर पर छह पन्नों का सुसाइड नोट लिखा था। उसने सुसाइड नोट में तीन अधिकारियों के नाम भी लिखे और करोड़ों के भ्रष्टाचार का राज उजागर किया। इस संबंध में विनोबानगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। इसका जिक्र करते हुए परमेश्वर ने कहा जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जांच के बाद सब पता चल जाएगा। पैसे एक खाते से दूसरे खाते में और फिर चार-पांच खातों में ट्रांसफर किए गए। जांच होने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। जांच में सब पता चल जाएगा। भाजपा द्वारा मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि सुसाइड नोट की सत्यता की जांच के बाद फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा मैंने मृत्यु नोट नहीं देखा है, वे इसकी जांच करेंगे। हम मृत्यु नोट की प्रामाणिकता की जांच करेंगे और आगे की कार्रवाई करेंगे। विनोबानगर के केंचप्पा कॉलोनी निवासी चंद्रशेखर (45) महर्षि वाल्मिकी विकास निगम के अधिकारी थे और बेंगलूरु कार्यालय में कार्यरत थे। उनकी आत्महत्या से राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें भाजपा ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। चंद्रशेखर ने अपनी मृत्यु नोट में लिखा है, मेरी मौत निगम के अधिकारियों के कारण हुई है। जिसमें निगम के प्रबंध निदेशक जेजी पद्मनाभ, खाता प्रबंधक परशुराम, यूनियन बैंक की मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता शामिल हैं।

दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें

निगम के अनुदान से 80 से 85 करोड़ रुपये अवैध रूप से लूटे हैं। इस मामले में मेरा कोई हाथ नहीं है। लेकिन काम के दबाव में उक्त खाते की चेक बुक न लेना और कैश बुक बंद न करना मेरी गलती थी। मैं इस घोटाले के लिए जिम्मेदार नहीं हूं। इसलिए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें। इससे पहले कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सीएन अश्वथ नारायण ने चंद्रशेखरन की कथित आत्महत्या मामले में कर्नाटक के मंत्री बी नागेंद्र और सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए नारायण ने कहा भारत के इतिहास में पहली बार किसी जिम्मेदार सरकारी अधिकारी ने अपने सुसाइड नोट में मुख्य कारण और जिम्मेदार लोगों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है।

विधान परिषद चुनाव : दिल्ली बैठक ने बढ़ाई कांग्रेस दावेदारों की धड़कनें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद सदस्यों के चयन को लेकर माहौल पूरी तरह से बदल गया है और बुधवार शाम दिल्ली में हुई अहम बैठक ने दावेदारों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। कहा जा रहा था कि मंत्री बोसराज को एमएलसी सीट मिलना लगभग तय है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में चल रही कवायद ने माहौल बदल दिया है। इस चर्चा की पृष्ठभूमि में कि विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के नेता पद के लिए एक मजबूत व्यक्ति की आवश्यकता है, एनएस बोसराज के विधान परिषद में फिर से चुने जाने को लेकर आधी-अधूरी स्थिति है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद को सत्ताधारी दल का नेता बनाकर कैबिनेट में लेने का दबाव आलाकमान की ओर से आया है। ऐसे में एनएस बोसराज को विधान परिषद में निर्वाचित हुए बिना ही बाहर करने या अगले महीने होने वाले नामांकन में उनके नाम पर विचार करने की चर्चा चल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार की एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव केसी वेणुगोपाल, रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ हुई चर्चा में सिर्फ यतींद्र सिद्धरामैया का नाम आया। सूत्रों के मुताबिक, एनएस बोसराज और डॉ. के. गोविंदराजू के नाम, जो लगभग तय माने जा रहे थे, अधर में हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने 2-2 सीटें साझा की हैं, और शेष 3 सीटों के चयन के लिए हाईकमान के निर्देश का पालन करने पर सहमति बनी। तेज पैरवी के मद्देनजर महिला कोटा छोड़ने की अफवाहें हैं। केपीसीसी महिला इकाई की अध्यक्ष पुष्पा अमरनाथ और कमलाक्षी राजन्ना का नाम जोर-शोर से सुना गया। इसके अलावा रानी सतीश, भव्या नरसिम्हामूर्ति, कुसुमा, पदावथी ने पैरवी की थी। मालूम हो कि जिन लोगों को पहले ही विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने की इजाजत मिल चुकी है, जो हार चुके हैं, जो 2 बार से ज्यादा सत्ता का आनंद ले चुके हैं, उन्हें इस चरण में लड़ने की इजाजत नहीं है। शुरुआती चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है। सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा चुनाव प्रचार में शामिल हैं और उनसे टेलीफोन पर चर्चा के बाद सूची जारी कर दी जाएगी। जाहिर है इस बार ईमानदार पार्टी कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया जाएगा। बताया जाता है कि डीके शिवकुमार ने यह संदेश दिया है कि परिवार और प्रभावशाली लोगों की पैरवी के बावजूद कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष वसंतकुमार, मीडिया इकाई के अध्यक्ष रमेश बाबू, महासचिव नटराज गौड़ा, वॉर रूम प्रभारी बीआर नायडू, बागलकोट के सौदागर के नाम प्रमुखता से सुनने में आए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर, जो भाजपा से कांग्रेस में चले गए और विधान परिषद सदस्य बने, इस्तीफा देकर भाजपा में लौट आए, द्वारा खाली की गई सीट पर उपचुनाव के लिए एक उम्मीदवार का चयन करने की चर्चा है।

घोटाले के सिलसिले में दो या तीन अधिकारियों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं : विजयेन्द्र

बिना समय बर्बाद किये मंत्री का इस्तीफा लेना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि वाल्मिकी विकास निगम घोटाले के सिलसिले में दो या तीन अधिकारियों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बिना समय बर्बाद किये मंत्री का इस्तीफा लेना चाहिए। इसकी जांच सीबीआई से करायी जानी चाहिए। शिवमोग्गा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि अगर आप वाकई ईमानदार हैं तो इसे जांच के लिए सीबीआई को सौंप दें। मृतक की पत्नी संविदा पर कार्यरत है। दो बेटे होने के कारण परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में राज्य सरकार को कम से कम 25 लाख मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए। मानवता की दृष्टि से यह राशि परिवार को दी जानी चाहिए। सीआईडी या स्थानीय अधिकारियों के लिए मामले की निष्पक्ष जांच करना असंभव है। अधिकारी घर से पेन ड्राइव और लैपटॉप ले गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुझे यह भी नहीं पता कि इसका दुरुपयोग कैसे होगा। बुधवार को एक और एफआईआर दर्ज की गई और बैंक अधिकारियों के नामों का भी उल्लेख किया गया। लोकसभा चुनाव के दौरान एक और फर्जी बैंक खाते के जरिए तेलंगाना राज्य में सैकड़ों करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। उन्होंने कहा कि इसके पीछे बड़ी साजिश है। इस मामले में मुख्यमंत्री को पाखंड दिखाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि अगर आप ईमानदार हैं तो अपना पाखंड छोड़ें और इस्तीफा दें। हम सीएम और राज्य सरकार को एक सप्ताह की समय सीमा दे रहे हैं। भरोसा है कि मामले को सीबीआई को सौंपा जाएगा, यदि नहीं, तो हम राज्य भर में इसके खिलाफ जमकर लड़ाई लड़ेंगे। भाजपा पहले भी राज्य की कांग्रेस सरकार और नेताओं को कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम की तरह इस्तेमाल करने की बात करती रही है। मुख्यमंत्री के रूप में कांग्रेस के मंत्री पूछ रहे थे कि क्या कोई सबूत है। यह राज्य के राजनीतिक इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। इन तीन-चार अधिकारियों की भूमिका सिर्फ वाल्मिकी विकास निगम के 187 करोड़ रुपये के गबन के मामले में ही नहीं है। सिर्फ तीन या चार अधिकारी इस तरह सैकड़ों करोड़ का गबन नहीं कर सकते। आत्महत्या करने वाले अधिकारी चंद्रशेखर ने डेथ नोट में विभाग के संबंधित मंत्री के कार्यालय से आए फोन कॉल और दबाव का जिक्र किया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि अधिकारियों ने विभागीय मंत्री नागेंद्र की अनुमति के बिना इतनी बड़ी राशि राज्य के बाहर तेलंगाना में स्थानांतरित की होगी।

वाल्मिकी विकास निगम में घोटाला : भाजपा एसटी मोर्चा ने किया सीएम आवास का घेराव

पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वाल्मिकी विकास निगम में 187 करोड़ के घोटाले के मद्देनजर गुरुवार को भाजपा एसटी मोर्चा ने मंत्री नागेंद्र के इस्तीफे की मांग करते हुए मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की कोशिश की।

साथ ही अवमानना मंत्री, अवमानना सरकार जैसे नारे लगाए गए। इस मौके पर पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। कार्यकर्ताओं ने विरोध करते हुए कहा कि निर्दोष होने के बावजूद अवैध रूप से उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने दलित विरोधी कांग्रेस सरकार तिरस्कार और अन्याय बंद करो जैसे नारे लगाए। करीब 187 करोड़ रुपये के गबन के बाद आत्महत्या करने वाले वाल्मिकी विकास निगम के अधिकारी चंद्रशेखर ने डेथ नोट में मंत्री का नाम लिखा है और मांग की है कि मंत्री तुरंत इस्तीफा दें। इससे पहले भाजपा ने वाल्मिकी विकास निगम में 187 करोड़ रुपये के घोटाले की निंदा और आत्महत्या करने वाले एक अधिकारी की मौत के लिए न्याय की मांग करते हुए बेल्लारी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था।

विधान परिषद सदस्य और परिषद के मुख्य विपक्षी नेता एन रविकुमार के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और हजारों कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर मार्च किया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाए। गरीबों के विकास के लिए आवंटित 187 करोड़ रुपये निगम के खाते से फर्जी खाते में ट्रांसफर कर भ्रष्टाचार करने वाले मंत्री नागेंद्र को कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग को लेकर मार्च निकाला गया। चुनाव आचार संहिता लागू होने पर वाल्मिकी निगम से अवैध तरीके से 187 करोड़ रुपये फर्जी खातों में ट्रांसफर करने का क्या मकसद है?

इस घोटाले के पीछे मंत्री नागेंद्र ने अगर 24 घंटे के भीतर इस्तीफा नहीं दिया तो पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा हम नागेंद्र का इस्तीफा मांग रहे हैं, जो जिले के प्रभारी मंत्री हैं। क्योंकि प्रशासनिक निदेशक की जानकारी के बिना उन्होंने अपने विभाग का 187 करोड़ रुपये कैसे ट्रांसफर कर दिया? मंत्री मौखिक रूप से अधिकारियों को 50 करोड़ रुपये निकालने को कहते हैं। तब अधिकारियों को शक हुआ। वे सहमत नहीं थे। फिर मंत्री नागेंद्र संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर के बिना ही पैसा निकाल लेते है। यह उसने किसके लिए बनाया, किसे दिया? जब मैनेजर कहता है कि 50 करोड़ निकाले गए हैं, तो चंद्रशेखर पूछता है कि मेरी जानकारी के बिना यह कैसे निकाला गया। बाद में उन्होंने डेथ नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। अधिकारी चन्द्रशेखर दबाव में थे क्योंकि मंत्री ने खुद उन्हें मौखिक रूप से पैसे निकालने के लिए कहा था। इसलिए रविकुमार ने मांग की कि नागेंद्र उसकी आत्महत्या के लिए खुद जिम्मेदार हैं और उन्हें नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? नैतिक जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते?

हमें आर्थिक ताकत बनना बेहद जरूरी, तभी हम विरासत को बचा पाएंगे : हरिवंश

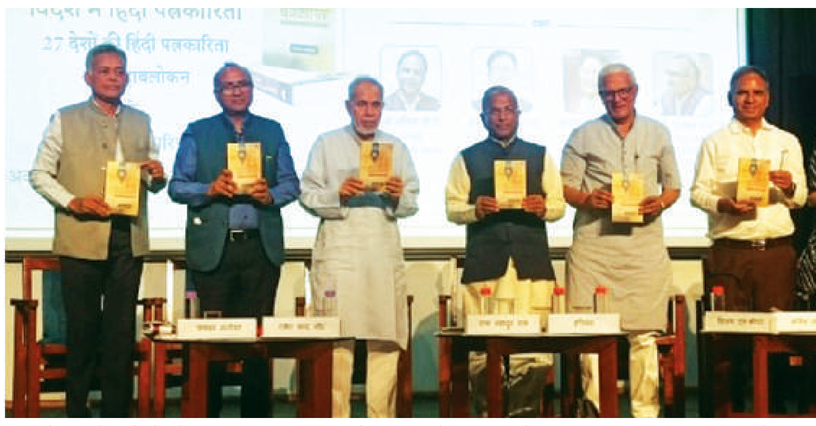

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा है कि हमारे देश के समृद्ध अतीत को, बेहतर चीजों को हमें बचाकर रखना है, उससे भविष्य के लिए प्रेरणा लेनी है, तो हमें महत्त्वपूर्ण आर्थिक ताकत बनना पड़ेगा, तभी हम इस विरासत को बचा कर रख पाएंगे और इसे आगे ले जा पाएंगे।

इंदिरा गांधी कला केंद्र की ओर से हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. जवाहर कर्नावट द्वारा लिखित पुस्तक विदेश में हिंदी पत्रकारिताः 27 देशों की हिंदी पत्रकारिता का सिंहावलोकन का लोकार्पण करने के बाद श्री हरिवंश ने कहा कि यह पुस्तक विदेशों में हिंदी पत्रकारिता के 120 वर्षों का विवरण प्रस्तुत करती है, जिसे लेखक जवाहर कर्नावट ने ढाई दशकों से ज्यादा समय के श्रम और शोध से तैयार किया है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों के लिए आईजीएनसीए बुक सर्किल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, लोगों और बुद्धिजीवियों के बीच बौद्धिक चेतना पैदा करने का यह एक कर्मठ प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भविष्य में लिखने वाले लोगों के लिए एक संदर्भ ग्रंथ की तरह है। उन्होंने बल देकर कहा कि किसी भी देश की भाषाई पत्रकारिता को देश की आर्थिक स्थिति से ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक से हमें पहली प्रेरणा मिलती है कि हमारे देश के समृद्ध अतीत को, बेहतर चीजों को हमें बचाकर रखना है, उससे भविष्य के लिए प्रेरणा लेनी है, तो हमें महत्त्वपूर्ण आर्थिक ताकत बनना पड़ेगा। तभी हम इस विरासत को बचा कर रख पाएंगे और इसे आगे ले जा पाएंगे। उन्होंने अपने सम्बोधन के अंत में कहा कि यह पुस्तक समकालीन पाठकों को हिंदी पत्रकारिता के वैश्विक परिप्रेक्ष्य के बारे में शिक्षित करने वाली है, जिससे आज के समय में उनकी समझ समृद्ध होगी।

पुस्तक का लोकार्पण राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय, सप्रे संग्रहालय, भोपाल के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) एवं कलानिधि प्रभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश चंद्र गौड़, वैश्विक हिंदी परिवार के अध्यक्ष अनिल जोशी और श्रीमती अलका सिन्हा ने किया। इस अवसर पर पुस्तक के लेखक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री राय ने अपने सम्बोधन की शुरुआत में लेखक से अनुरोध किया कि पुस्तक का अगला संस्करण आए, तो इसका नाम दुनिया भर में हिंदी पत्रकारिता कर देना चाहिए। उन्होंने बताया कि सिंगापुर में हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत सैनिकों ने की थी। उन्होंने कहा, पुस्तक पढ़ते समय आपको लगेगा कि हिंदी पत्रकारिता प्रेम का धागा है, जो दुनिया में भारत से चलता है और भारत आकर पहुंचता है। ये एक वर्तुल बनाता है।

वहीं श्री श्रीधर ने कहा कि पत्रकारिता की एक परिभाषा बताई गई है कि जिसे छिपाया जा रहा हो, समाचार वो है, बाकी सब प्रचार है। विदेशों में जो गिरमिटिया गए थे, वे ही वहां हिंदी लेकर गए थे। ये वो भारतीय थे, जिन्होंने परदेस में स्वदेश रचने की सांस्कृतिक यात्रा की। उस यात्रा में महत्त्वपूर्ण योगदान पत्र-पत्रिकाओं का है, जिसको बताने का बहुत बड़ा काम इस पुस्तक में किया गया है। अनिल जोशी ने कहा कि विदेशों में हिंदी पत्रकारिता प्रतिकार की पत्रकारिता, संघर्ष की पत्रकारिता, विद्रोह की पत्रकारिता है। विदेशों में हिंदी पत्रकारिता के विकास क्रम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश में हिंदी पत्रकारिता के कई चरण हैं।

पुस्तक के लेखक डॉ. कर्नावट ने पुस्तक के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि हिंदी का फलक बहुत व्यापक है और इस पर काम किया जाना चाहिए, जिससे हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़े। हिंदी पूरे विश्व में व्यापक रूप से फैली है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक को लिखने के क्रम में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए गहन शोध किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भारत की हिंदी पत्रकारिता का योगदान रहा, उसी प्रकार विदेश से निकलने वाले हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के कंटेंट को देखोंगे, तो हमें ऐसा लगता है कि उन पत्र-पत्रिकाओं का भी काफी योगदान रहा।

मंडी लोकसभा बनी पूरे देश की महिला स्वाभिमान का विषय : कंगना

मंडी, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडी लोकसभा प्रत्याशी कंगना रनौत ने गुरुवार को अपने चुनावी अभियान के दौरान कहा कि देश में फिर एक बार कमल खिलाने को तैयार है और इसका प्रमाण जनता का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति प्यार और विश्वास हैं। सुश्री कंगना ने कहा कि मंडी की सीट पूरे देश भर में महिलाओं के लिए स्वाभिमान का विषय बन चुका है।

भाजपा प्रत्याशी कंगना ने कहा भाजपा तीसरी बार श्री मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने को तत्पर है और यही कारण है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी हार के खौफ से इतना बौखला गए हैं की अपनी जन सभाओं में अनाप शनाप बयानबाज़ी करते नजर आ रहे हैं।

सुश्री कंगना ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल में चुनाव प्रचार करके गए तब से कांग्रेस की रातों की नींद उड़ गई है और विपक्ष हक्का बक्का है। कांग्रेस का हाल इतना बेहाल है कि मुख्यमंत्री और उनकी छुटपुट सेना झूठे वादों की एक लंबी चौड़ी कतार लगाती नज़र आ रही है। अपनी जनसभाओं में ऐसे-ऐसे वादें कर रहे है जो जनता को भी पता है की चुनाव के बाद न तो ये वादें पूरे होगें और न ही यह झूठे नेता नजर आएंगे।

भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि डर के माहौल में इनके दिल्ली के नेता हिमाचल घूमने आते हैं और चुनाव प्रचार का हवाला देकर हिमाचल को अपना घर बताते है। भोली भाली हिमाचल की जनता को ठगने का काम करते है और छुटियां मानने के बाद मुडकर के वापस नहीं देखते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नया जुमला इस बार लाई है की महिलाओ को एक लाख रुपए देगी जो सरासर झूठ है क्योंकि अभी प्रदेश में महिलाओं को 1500 रुपये देने के वादें भी निभाए नहीं गए हैं।

सुश्री कंगना ने कहा कि केंद्र द्वारा हिमाचल को आपदा में मिली प्रदेश सरकार को मिली राहत राशि को सुक्खू सरकार ने बंदरबांट करने का काम किया है। मंडी के कांग्रेस प्रत्याशी केवल प्रदेश की जनता को बरगलाने का काम कर रहे है। चुनावों से पहले केंद्र सरकार का धन्यवाद करते थे जो कि आज केंद्र की मदद पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे है। उन्होंने कहा कि इस झूठ को जनता भलीभांति जानती और एक जून को प्रदेश की जनता इस झूठ के खिलाफ वोट देकर जवाब देगी। आज प्रदेश के लोग कांग्रेस के झूठे वादों के प्रति आक्रोशित हैं। कांग्रेस के सभी हथकंडे अब खत्म हो चुके हैं इसलिए उनके नेता ओच्छे बयान देकर व झूठे वादें देकर प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं जो कि अब ज्यादा दिन और चलने वाला नहीं हैं।

ओड़ीशा के पुरी में आतिशबाजी हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हुई

भुवनेश्वर, 30 मई (एजेंसियां)। ओड़ीशा के पुरी शहर में 21 दिवसीय चंदन यात्रा के समापन दिवस पर बुधवार को आतिशबाजी हादसे में घायल एक व्यक्ति की कटक के अस्पताल में मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गयी है।

तीर्थ नगरी पुरी में नरेंद्र टैंक के पास कल रात एक पटाखा विस्फोट में लगभग 30 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में ज्यादातर बच्चे शामिल थे। सभी घायलों को पहले पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में उन्हें भुवनेश्वर और कटक में स्थानांतरित कर दिया गया क्योंकि पुरी अस्पताल में इलाज की सुविधा नहीं थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 21 दिवसीय चंदन यात्रा के समापन दिवस के अवसर पर आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जा रहा था, तभी एक पटाखा दिशा चूक गया और पटाखों के ढेर पर जा गिरा, जिससे क्षेत्र में भीषण विस्फोट हुआ। यात्रा के सामापन दिवस के मौके पर सैकड़ों भक्त उत्सव और अग्नि प्रदर्शन को देखने के लिए एकत्र हुए थे।

सूत्रों ने कहा कि अधिकांश घायल व्यक्तियों को भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया जहां दो ने दम तोड़ दिया। अन्य को एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया जहां एक और घायल की इलाज के दौरान मौत हो गयी । इस बीच मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है तथा मुख्य सचिव और पुरी जिला कलेक्टर को घायल व्यक्तियों को उचित इलाज प्रदान करने का निर्देश दिया है। श्री पटनायक ने घोषणा की कि घायल व्यक्तियों के इलाज का खर्च मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की भी कामना की। पुरी जिला प्रशासन ने गुरुवार सुबह नरेंद्र टैंक में तलाशी अभियान शुरू किया है, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि पटाखा विस्फोट में घायल होने के बाद कई लोग टैंक में कूद गए थे।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर विशेष अदालत ने ईडी से किया जवाब तलब

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत और मेडिकल आधार पर सात दिन की अंतरिम जमानत याचिकाओं पर यहां की एक विशेष अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ईडी को गुरुवार को जबाव तलब किया।

राउज एवेन्यू स्थित ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों से संबंधित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ईडी को अपना पक्ष रखने की अनुमति दी और कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई एक जून को दोपहर दो बजे करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने वाली उनकी याचिकाओं पर अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए समय देने की गुहार लगाई थी।

लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई एक जून तक अंतरिम जमानत पर 10 मई को रिहा हुए मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इस मामले में विशेष अदालत में पहली बार जमानत याचिका दायर की है। अंतरिम जमानत देते हुए शीर्ष अदालत ने उन्हें दो जून को जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का भी निर्देश दिया था।

विशेष अदालत के समक्ष श्री केजरीवाल ने नियमित जमानत याचिका के अलावा अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए सात दिन की अंतरिम जमानत की भी अदालत से गुहार लगाई है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय रजिस्ट्री ने श्री केजरीवाल की एक जून को समाप्त होने वाली अंतरिम जमानत अवधि सात दिन बढ़ाने के लिए दायर उनकी याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने मंगलवार को केजरीवाल की अंतरिम जमानत अवधि सात दिन बढ़ाने की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने तब याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी से कहा था कि (केजरीवाल के) आवेदन को सूचीबद्ध करने के संबंध मुख्य न्यायाधीश कोई फैसला कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने 10 मई को केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियानों में भाग लेने के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत दी थी और दो जून को उन्हें जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल तिहाड़ केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद थे। श्री केजरीवाल ने अपनी याचिका में दावा किया हैं कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलोग्राम कम हो गया है। उनका कीटोन लेवल बहुत ज्यादा है, जो किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा था, वर्तमान में उनका इलाज कर रहे मैक्स अस्पताल के संबंधित डॉक्टरों ने कुछ जांच करने की सलाह दी है, जिसके लिए सात दिनों का समय चाहिए। याचिका में कहा गया था कि के उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन और अन्य जांच करने की सलाह दी गई है।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक श्री केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति -2021-22 में कथित घोटाले में ईडी ने गत 21 मार्च में गिरफ्तार किया था। श्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने वाली केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है। उन पर पूर्व के गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए 100 करोड़ रुपये गलत तरीके से हासिल करने का आरोप है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 अगस्त 22 को आबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने 22 अगस्त 22 को धनशोध का मामला दर्ज किया था।ईडी का दावा है कि आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं - दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसौदिया, राज्य सभा सांसद संजय सिंह सहित अन्य ने अवैध कमाई के लिए साजिश रची थी। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसौदिया फिलहाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। इस मामले में आप सांसद श्री सिंह को उच्चतम न्यायालय ने गत दो अप्रैल को जमानत दे दी थी।

भाजपा वन नेशन वन इलेक्शन व्यवस्था करेगी लागू : राजनाथ सिंह

कुशीनगर, 30 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाने के बाद वन नेशन, वन इलेक्शन की व्यवस्था लागू किये जाने की दिशा में काम किया जायेगा। चुनाव प्रचार के अन्तिम दिन श्री सिंह ने जूनियर हाईस्कूल रामकोला के खेल मैदान में पार्टी प्रत्याशी विजय कुमार दूबे के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कितना अच्छा होता कि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक-साथ सम्पन्न हो जाता। भारतीय जनता पार्टी अगले पांच वर्षों में वन नेशन वन इलेक्शन व्यवस्था लागू कर देगी।

उन्होने कहा कि विगत दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। पहले विदेशों में जब भारत के नेता बोलते थे तब कोई ध्यान नहीं देता था। लेकिन आज का भारत जब अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो सारी दुनिया कान लगाकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। यह बदलते भारत की नई तस्वीर है। श्री सिंह ने कहा कि जो काम पिछली कोई सरकारें नहीं कर सकी, वो नरेन्द्र मोदी ने मात्र 10 वर्षों में कर दिया। पाकिस्तानी सांसद फजलुर्रहमान ने पाकिस्तानी संसद में स्वीकार कर लिया है कि भारत विश्व गुरु बन रहा है और पाकिस्तान अपनी बर्बादियों को बचाने के दर दर हांथ फैला रहा है लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को यह समझ में नहीं आ रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था के मामले में 2014 से पहले भारत विश्व में 11 वें स्थान पर था। श्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बना है। आज विश्व के बड़े बड़े अर्थशास्त्री कह रहे हैं कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। 2027 तक अमेरिका और चीन के बाद भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा तथा 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा और 2070 भारत दुनिया के सबसे अमीर देश बन जाएगा।

उन्होने कहा कि पहले पूरे देश में जगह जगह आये दिन आतंकी हमले हुआ करते थे लेकिन अब आतंकी हमले लगभग समाप्त हो गए हैं। क्योंकि अब दुश्मन देश भी समझ गया है कि आज का भारत कमजोर नहीं है।अब भारत सीमा पर पलटवार भी करता है और जरुरत पड़ने पर सीमा पार कर वार करने से नहीं झिझकता है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाएगी और कांग्रेस की हालत इतनी पतली है कि जैसे डायनासोर धरती से विलुप्त हो गया वैसे ही कांग्रेस भी विलुप्त होने वाली है। ये लोग (विपक्षी दल) झूठ बोल कर जनता को गुमराह करते हैं जबकि भाजपा जनता की आंखों में आंखें डालकर राजनीति करती है। भारतीय जनता पार्टी अकेली ऐसी पार्टी है जो कहती है वो करती है। हमने कहा धारा 370 हटाएंगे तो हटाया, हमने कहा रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे तो डंके की चोट पर बनाया। अब रामलला झोपड़ी से निकलकर अब अपने महल में पहुंच चुके हैं। जो रामराज्य की शुरुआत है।

मोदी ने काशी वासियों से की भारी मतदान की अपील

वाराणसी, 30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वाराणसी के मतदाताओं से एक जून को भारी मतदान करने की अपील की है।

श्री मोदी ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश जारी कर काशी को विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बताते हुए पिछले 10 वर्षों में अपार समर्थन देने के लिए काशी की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने वाराणसी की जनता से एक जून को वाराणसी में होने वाले चुनाव में भारी संख्या में मतदान करने और भाजपा को समर्थन देने की अपील की।

उन्होने कहा वाराणसी में मतदान करने का समय आ गया है। हमारे लिए काशी भक्ति, शक्ति और विरक्ति की नगरी है। काशी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी है, संगीत और शास्त्रार्थ की धरती है एवं इस ऐतिहासिक नगरी का प्रतिनिधि होना बाबा विश्वनाथ की असीम अनुकंपा एवं काशीवासियों के आशीर्वाद से ही संभव है। इसीलिए,मैंने कहा है कि मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा काशी का इस बार का चुनाव नवकाशी के साथ विकसित भारत के निर्माण का चुनाव है। काशी की जनता को एक जून के दिन नया रिकॉर्ड बनाना है। बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार की हर योजना में काशी ने मेरा साथ दिया और मेरा मार्गदर्शन किया है। बाबा विश्वनाथ का भव्य कॉरिडोर, काशी रिंगरोड का प्रोजेक्ट, बनारस के रेलवे स्टेशन का विकास और गंगाघाट का विकास से रोपवे प्रोजेक्ट तक, हर योजना ने काशी ही नहीं पूरे पूर्वांचल को नए विकास से जोड़ा है। अब इस विकास की गति आपके वोट से आगे बढ़ने वाली है। काशी पिछले 10 वर्ष में युवा कल्याण और विकास की राजधानी बन गई है।

उन्होने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता में जनता का उत्साह साफ दिखाई देता है। सिगरा और दंजारी में स्टेडियम बना, बनास डेयरी और राजा तालाब में किसानों के लिए कार्गो सुविधा हुई है, काशी के लाखों लोगों का नि:शुल्क मोतियाबिंद का इलाज हुआ है और पर्यटन विकास से शहर में रोजगार बढ़ा है। इन सभी योजनाओं और अभियान से काशी के युवा, महिलाऔर किसान को नई शक्ति मिली है।

श्री मोदी ने कहा मेरे नामांकन के दिन युवा पीढ़ी में एक अलग उत्साह था और अब यही उत्साह हर बूथ पर दिखना चाहिए। मेरी आपसे यही विनती है कि ये चुनाव काशी के विकास को नई ऊंचाई देने का अवसर है और ये तभी संभव है जब काशी की जनता एक जून को अधिकतम मतदान करे। काशी के युवा, नारी शक्ति और किसानों से मेरा विशेष आग्रह है कि आप लोगों का एक-एक वोट मेरी शक्ति बढ़ाएगा और मुझे नई ऊर्जा देगा।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

कांग्रेस मुस्लिम लीग का नया संस्करण : योगी आदित्यनाथ

यूपी के मुख्यमंत्री ने कंगना रनौत के लिए कुल्लू में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

योगी ने की कंगना की तारीफ, कहा- इनमें मीरा की भक्ति और लक्ष्मीबाई जैसा शौर्य है

कुल्लू, 30 मई (एजेंसियां)।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस मुस्लिम लीग का नया संस्करण है। उन्होंने कहा कि देश में विरासत टैक्स और पर्सनल लॉ लागू करके कांग्रेस देश में तालिबानी शासन लागू करना चाहती है। योगी आदित्यनाथ गुरुवार को डालपुर में मंडी लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी कंगना रनौत के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटी कंगना रनौत में मीरा बाई की भक्ति, महारानी पद्मिनी का तेज और विरोधियों से जूझने के लिए महारानी लक्ष्मी बाई की तरह शौर्य और वीरांगना का भाव है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की सरकार को इन्होंने मुम्बई में सड़कों पर लाकर पानी पिलाने को मजबूर कर दिया था।

योगी आदित्यनाथ ने बिजली महादेव और हिंडम्बा माता की धरा को नमन करते हुए कहा कि यहां का मौसब बहुत सुहावना है। मैदान में हम लोग झुलस रहे हैं। दिल्ली का तापमान 52 डिग्री और गोरखपुर में 48 डिग्री तापमान था। जब यहां आया तो बहुत राहत महसूस हुई, अहसास हुआ कि हिमाचल को देवभूमि क्यों कहा जाता है। मेरा जन्म भी पहाड़ों में ही हुआ है। ये प्रकृति और परमात्मा का संयोग है कि मुझे यूपी में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। जब मुझे हिमाचल में प्रचार के लिए कहा गया तो मैंने कहा था कि कंगना जी के लिए जरूर जाउंगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरे हिन्दुस्तान में एक ही नारा गूंज रहा है, वह है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। पूरा देश कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। पूरा चुनाव

रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आकर सिमट गया है। रामद्रोही वही हैं जो आतंकवाद और नक्सलवाद का समर्थन करते हैं, जो भारत की अस्मिता और अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं, जिन्होंने विकास को बाधित किया और गरीबों के हक पर डकैती डाली। योगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में बीजेपी ने पहली बार संकल्प लिया था कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। अब 500 साल का इंतजार समाप्त हुआ है।

पहली बार अयोध्या में रामलला ने अपने भव्य मंदिर में होली भी खेली और जन्मोत्सव भी मनाया। उन्होंने कहा कि काशी में भी भव्य काशी विश्वनाथ धाम बन चुका है और अब हम मथुरा जाने की तैयारी कर रहे हैं। हम भारत की अस्मिता के लिए जो भी आवश्यक होगा उसके लिए कोई भी कदम उठाने में नहीं हिचकेंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। पहले लगातार आतंकी घटनाएं घटित होती थीं। कांग्रेस ये कहकर घुटने टेक देती थी कि आतंकवाद तो सीमापार से है। अब तो तेज आवाज में पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। नये भारत में बड़े बड़े विकास के कार्य हम देख रहे हैं। आज हिमाचल प्रदेश में भी अपना एम्स है। एक तरफ भारत 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है तो वहीं पाकिस्तान की कुल 23 करोड़ की आबादी भूखों मर रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग यहां पर पाकिस्तान का राग अलापते हैं उन्हें पाकिस्तान जाकर भीख मांगना चाहिए।

योगी ने इंडी गठबंधन को भनुमति का पिटारा बताया। कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र है। जो काम मुस्लिम लीग ने 1940 के दशक में किया था आज कांग्रेस वही काम करने जा रही है। इनका घोषणापत्र कहता है कि पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इसका मतलब तालिबानी शासन होगा, जिसमें बेटियां स्कूल नहीं जा पाएंगी, महिलाओं को बुर्का पहनकर घर में दुबककर रहना होगा। योगी ने कहा कि भारत बाबा साहब के संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे एक झटके से गरीबी दूर करने की बात करते हैं। कहते हैं कि संपत्ति का सर्वे कराकर पैतृक संपत्तियों पर विरासत टेक्स लगाएंगे और उसमें से आधी संपत्ति पर घुसपैठियों को बसाएंगे। इनका ये विरासत टेक्स औरंगजेब का जजिया कर है। इनके अंदर औरंगजेब की आत्म घुस गई है।

योगी ने कहा कि हमें औरंगजेब जैसे दुष्टों को जीवित नहीं होने देना है। यूपी में हम ऐसे तत्वों से बहुत सख्ती से निपटते हैं। यूपी में औरंगजेब को आदर्श मानने वाले बड़े बड़े माफिया को ठीक करने काम किया गया है। हमारा संकल्प था राममंदिर बनाएंगे वो पूरा हो चुका है। यूपी को माफिया मुक्त करने भी संकल्प लिया था, आज कोई माफिया नहीं बचा है। आज यूपी में कोई कर्फ्यू और कोई दंगा नहीं होता, बेटी और व्यापारी सुरक्षित हैं। जिन्हें औरंगजेब प्यारे हैं उन्हें कब्र में दफना दिया गया है। आज यूपी में सब चंगा है।

योगी ने कहा कि कंगना रनौत के पास प्रतिभा है, कला है और कार्य करने की क्षमता है। विकास कार्य करने का जज्बा और सामर्थ्य है। पहाड़ से निकलकर अपने दम पर, अपने संघर्षों से फिल्म जगत में इन्होंने अपना मुकाम बनाया। इन्होंने जयललिता का शानदार रोल निभाया था। अब कुल्लू वासियों की जिम्मेदारी बनती है कि इन्हें अपना सांसद बनाकर संसद में भेजें। 400 पार के नारे में मंडी समेत हिमाचल प्रदेश की चारों सीट आनी चाहिए। चुनाव बाद आप सभी अयोध्या दर्शन के लिए आएं, वहां सारी व्यवस्था की जिम्मेदारी हमारी होगी

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, गोविंद ठाकुर, सुरेन्द्र शौरी, राजा महेश्वर सिंह, नरोत्तम ठाकुर, अरविंद चंदेल, धनेश्वरी ठाकुर, स्वामी रामशरण जी महाराज सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

यूपी में पूरा होगा 80 में 80 का संकल्प: योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तय रणनीति के तहत अपनी रैलियों में विपक्ष को बनाया निशाना
- रैलियों में केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों के साथ ही विपक्ष की कमजोरी पर भी किया प्रहार
- पाकिस्तान, आरक्षण, गौहत्या, परिवारवाद और राम मंदिर जैसे 5 मुद्दों पर किया मुख्य फोकस

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)।

हर कोई मानता है कि देश की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर ही जाता है। यदि उत्तर प्रदेश जीत लिया तो केंद्र की सत्ता के शिखर पर पहुंचना मुश्किल नहीं। बीते दो बार से नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन के बल पर ही सरकार बनाने में सफल रहे हैं और लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए फिर एक बार उत्तर प्रदेश जीतना महत्वपूर्ण है। इसी तथ्य को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 80 में 80 सीटें जीतने का संकल्प लिया है और इस संकल्प की प्राप्ति के लिए रणनीति बनाकर उस पर अमल भी किया। सीएम योगी ने आदित्यनाथ प्रदेश और प्रदेश के बाहर अपनी रैलियों में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की उपलब्धियों के बखान के साथ ही विपक्ष पर 5 प्रमुख मुद्दों को लेकर लगातार हमला किया। ये पांचो मुद्दे सीधे जनता की आस्था, संस्कृति और उसके विकास और भविष्य से जुड़े हैं जिसे लेकर सीएम योगी हर चरण में उन्हें जागरूक करते आए।

सीएम योगी अपनी रैलियों में राम मंदिर का भरपूर जिक्र कर रहे हैं। वो कहते हैं कि यह चुनाव राम भक्तों और राम द्रोहियों के बीच है। सीएम के इस वक्तव्य में वो राम भक्त उन्हें कहकर संबोधित करते हैं जिन्होंने खुद और उनके पूर्वजों ने वर्षों से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सपना देखा, जिन्होंने सपा सरकार के दौर में राम मंदिर आंदोलन में हिस्सा लिया और अपने सीने में गोली खाई। वहीं रामद्रोही वो जिन्होंने गोलियां चलाईं, राम मंदिर के निर्माण में रोड़े अटकाए और सुप्रीम कोर्ट में फैसले में देरी के लिए तरह-तरह की दलील दी। प्रदेश ही नहीं, देश भर में राम मंदिर बहुसंख्यक समाज के लिए एक ऐसा मुद्दा रहा है, जो उसकी आस्था और संस्कृति से जुड़ा हुआ है और जब सीएम योगी इसका जिक्र करते हैं तो लोग सीधे इससे जुड़ाव महसूस करते हैं।

गौहत्या और गोमांस के सेवन को लेकर भी सीएम योगी विपक्ष पर हमला कर रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस का मैनिफेस्टो सबसे बड़ी वजह है, जिसमें कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को उनके मन के खानपान की आजादी देने की बात कही है। सीएम योगी का आरोप है कि इसके माध्यम से कांग्रेस अल्पसंख्यकों को गौहत्या और गोमांस खाने की आजादी देने का वादा कर रही है जो बहुसंख्यक समाज की आस्था के खिलाफ है। बहुसंख्यक समाज में गाय की पूजा की जाती है। उसे कामधेनू का रूप माना जाता है। उसकी हत्या और गौमांस खाना निषेध है। बहुसंख्यक समाज की इसी आस्था को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने 2020 में गोकशी कानून को और सख्त बना दिया था, जिसके तहत 10 साल तक की जेल और दोबारा दोषी पाए जाने पर दोगुनी सजा का प्राविधान किया गया है। ऐसे में इस मुद्दे पर सीएम योगी के आरोपों को लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने जब राहुल गांधी की प्रशंसा की तब सीएम योगी ने पहली बार चुनावों में पाकिस्तान को लेकर चर्चा शुरू की। उसके बाद कांग्रेसी नेताओं द्वारा एटम बम की बात की गई तब भी सीएम योगी ने कांग्रेस और विपक्ष को आड़े हाथ लिया। विपक्ष के पाकिस्तान प्रेम को लेकर सीएम योगी के वक्तव्य से विपक्ष बुरी तरह तिलमिला गया। वहीं जनता के बीच भी विपक्ष और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता डिसक्लोज हो गया। पाकिस्तान की ओर से जिस तरह से लगातार भारत के खिलाफ आतंकी साजिश की जाती रही है, उसको देखते हुए पूरे देश में पाकिस्तान को लेकर जबर्दस्त रोष है। मोदी सरकार ने जब इन्हीं आतंकी हरकतों के जवाब में पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की तो जनता का भरपूर समर्थन मिला। यही समर्थन योगी आदित्यनाथ के वक्तव्यों पर भी मिल रहा है।

एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को लेकर भी सीएम योगी अपनी रैलियों में विपक्ष के एजेंडे का खुलासा कर रहे हैं। पीएम मोदी की तर्ज पर बेहद सरल भाषा में वो बता रहे हैं कि कांग्रेस किस तरह इन जातियों के आरक्षण में कटौती करके उसे एक धर्म के लोगों को देने का कुत्सित प्रयास कर रही है।

जम्मू कश्मीर बस हादसे पर सीएम योगी ने जताया दुख मुआवजे का किया ऐलान

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। गुरुवार को जम्मू कश्मीर में हुए बस हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना जाहिर की है। साथ ही सीएम योगी ने मुआवजे का भी ऐलान किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम की ओर से हादसे में गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार की मदद की घोषणा की गई है। यही नहीं सीएम योगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रदेश के अधिकारियों को जम्मू कश्मीर के अधिकारियों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राहत कार्य में तेजी लाने को भी निर्देशित किया है। सीएम के निर्देश पर मथुरा, अलीगढ़ और हाथरस की पुलिस प्रशासन की टीम राहत कार्यों की निगरानी के लिए जम्मू रवाना हो गई है।

सीएम योगी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, जम्मू-कश्मीर में एक दुर्भाग्यपूर्ण बस दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। इस दुर्घटना में अपने आत्मीय जनों को खोने वाले शोक संतप्त लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों से निरंतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

उल्लेखनीय है कि यह दुर्घटना जम्मू राजौरी मार्ग पर अखनूर में हुई, जहां बस खाई में गिर गई। देर शाम तक की जानकारी के अनुसार हादसे में 21 लोगों की जान चली गई, जबकि 69 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए जम्मू मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

7वें चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के सातवें और अंतिम चरण की 13 लोकसभा सीटों तथा दुद्धी (अ.ज.जा.) विधानसभा उप निर्वाचन के लिए एक जून, 2024 को होने वाले मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 31 मई, 2024 (शुक्रवार) को मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। इसके लिए सातवें चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सातवें चरण में प्रदेश के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अ.जा.), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज (अ.जा.) तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र दुद्धी (अ.ज.जा.) में एक जून को मतदान संपन्न कराया जाएगा। यह सभी सीटें प्रदेश के 11 जनपदों (महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर तथा सोनभद्र) में आते हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नवदीप रिणवा ने बताया कि सातवें चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मिकों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए है।

राममंदिर बनने से कांग्रेस में शोक की लहर : योगी

- सीएम योगी ने हमीरपुर में चुनावी जनसभा को किया संबोधित
- बोले, औरंगजेब के रास्ते पर चलने वालों को मेरा बुलडोजर दफन कर देगा

हमीरपुर, 30 मई (एजेंसियां)।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। इनका घोषणापत्र मुस्लिम लीग का दस्तावेज है। ये देश में शरिया कानून थोपना चाहते हैं और तालिबानी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं। अगर ऐसा हुआ तो बेटियां स्कूल नहीं जा पाएंगी और महिलाओं को बुर्का पहनकर घरों में कैद रहना पड़ेगा। ये देश पर विरासत टैक्स के नामपर जजिया कर लगाना चाहते हैं। योगी ने कहा कि औरंगजेब के रास्ते पर चलने वालों को मेरा बुलडोजर हमेशा के लिए दफन कर देगा। उन्होंने कहा कि ये देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा न कि शरिया कानून से। उन्होंने कहा कि जबसे राममंदिर में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हुई है कांग्रेस में शोक की लहर है। योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बिझड़ी में हमीरपुर लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी अनुराग ठाकुर और बड़सर विधानसभा के लिए हो रहे उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने माता चिंतपूर्णी और माता नैना देवी की पुण्यभूमि को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश देवों और वीरों की भूमि है। यहां प्रकृति और परमात्मा की कृपा है। यह सबको आरोग्यता प्रदान करती है और देवत्व का अहसास कराती है। योगी ने कहा कि पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। इस 400 पार सीट में हिमाचल प्रदेश की सभी चारों सीट भी शामिल है। जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। योगी ने कहा कि अयोध्या और काशी का कार्य संपन्न हो चुका है, अब हम मथुरा की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

योगी ने कहा कि आज 500 साल का इंतजार समाप्त हुआ है। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं। जब पूरी दुनिया प्रफुल्लित थी, हर सनातनधर्मी अभिभूत था तब कांग्रेस में शोक की लहर थी। कांग्रेस ने अयोध्या का आमंत्रण ठुकरा दिया था। आज भी उनके बुद्धिदाता कहते हैं कि अयोध्या में राममंदिर का निर्माण नहीं होना चाहिए था, इनके सहयोगी राममंदिर को बेकार बताते हैं। योगी ने कहा कि आज हम मोदी जी के नेतृत्व में नये भारत को देख रहे हैं। दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो गया है। अब तेज आवाज में पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। विकास को समर्पित बड़े बड़े कार्य हुए हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हुआ है। हिमाचल में भी एम्स और ट्रिपल आईटी की स्थापना हो चुकी है। योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस को विकास में बैरियर बताते हुए कहा कि ये लोग सैंड माफिया, लैंड माफिया, वन माफिया, पशु माफिया के सरपरस्त हैं। ये देश हित और श्रीराम का विरोध करते हैं। कांग्रेस ने हिमाचल के संसाधनों का दोहन किया है।

उन्होंने इंडी गठबंधन को भानुमति का पिटारा बताते हुए कहा कि इसमें जितने दल हैं उतने ही खेमे भी हैं। इनका गठबंधन केवल एक मुखौटा है। ये स्वयं एक नहीं हो सकते तो देश को क्या एक कर पाएंगे। कांग्रेस कहती है कि सत्ता में आएंगे तो पिछड़ी जाति का अधिकार मुस्लिमों को देंगे। यूपीए की सरकार ने जस्टिस रंगनाथ मिश्रा और सच्चर कमेटी इसीलिए बनाया कि ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे सकें। तब हमने इसका विरोध किया था। राहुल गांधी एक झटके में गरीबी हटाने की बात कह रहे हैं। इनकी दादी ने 1970 में गरीबी हटाओ का नारा दिया था, अब 54 साल बाद नाती भी वही नारा दे रहा है। वो कह रहे हैं कि सभी भारतीयों की संपत्ति का एक्सरे कराएंगे और फिर पैतृक संपत्ति पर विरासत टैक्स लगाएंगे। इसमें आधी प्रॉपर्टी को लेकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेशी घुसपैठियों को दे देंगे। कांग्रेस का विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि औरंगजेब को जिंदा नहीं होने देंगे, अगर कोई औरंगजेब के रास्ते पर चलेगा तो बुलडोजर से उसे दफन करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि अल्पसंख्यकों को खानपान की स्वतंत्रता देंगे। यानी कांग्रेस गोहत्या करने की छूट देना चाहती है। अयोध्या में राममंदिर बनाने का जो सौभाग्य और पुण्य आपसे जुड़ा है, कांग्रेस को वोट देकर उसपर गोहत्या का पाप कतई नहीं चढ़ाएं। योगी ने अनुराग ठाकुर का समर्थन करते हुए कहा यह मोदी जी के 9 रत्नों में शामिल हैं और इनके नेतृत्व में देश हर बड़े खेल आयोजन में सर्वाधिक मेडल प्राप्त कर रहा है। कहा कि हिमाचल का ये बेटा केवल हिमाचल नहीं भारत के लिए काम कर रहा है। 2036 में ये भारत में ओलम्पिक कराने की तैयारी कर रहा है। युवा जब खेलेगा तो नशे से दूर रहेगा, नशे से दूर रहेगा तो परिवार, राज्य और देश का नाम रोशन करेगा। वहीं बरसर विधानसभा सीट पर हो रहे उप-चुनाव में पार्टी प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल को जिताने की अपील करते हुए कहा कि हिमाचल में एक बार फिर भाजपा सरकार बनाना है।

इस अवसर पर विधानसभा उपचुनाव में बरसर सीट से प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल, पूर्वमंत्री विक्रम सिंह ठाकुर, त्रिलोक जामवाल, आशीष शर्मा, देशराज शर्मा, बलदेव शर्मा, विजय अग्निहोत्री, अनिल धीमान, उर्मिल ठाकुर, कमलेश कुमारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

यूपी में दंगाइयों और माफिया को हिमाचल की ठंड लग गई है : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से लोकसभा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की है। उन्होंने बिझड़ी में आयोजित जनसभा के दौरान कहा कि योगी जी ने देशभर में दौरा करके पीएम मोदी के 400 पार के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज हिमाचल के ठंड की चर्चा यूपी में खूब हो रही है। योगी जी के नेतृत्व में वहां दंगाइयों और माफिया को यहां की ठंड लग गई है। बाबा का बुलडोजर यूपी के दंगाइयों और माफिया पर जमकर चल रहा है। योगी जी ने यूपी में विकास की गंगा बहाई है और गरीबों को झुग्गियों से निकालकर पक्का मकान दिया है। आज यूपी में दुनियाभर के उद्योगपति निवेश कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने एक दमदार नेता के तौर पर अपने प्रदेश का कायाकल्प कर दिया है। पहले जहां महिलाएं शाम होने पर घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं, आज रात एक बजे भी महिलाएं अकेले बाहर जा सकती हैं, क्योंकि सबको पता है यहां पर बुलडोजर वाले बाबा हैं। आज अयोध्या में रामलला विराजमान हो गये हैं और वहां दीपोत्सव को देखने के लिए पूरी दुनिया के राम भक्त व्याकुल होते हैं।

कैसा हो जीवनसाथी HARD TO RESIST

मारा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

> सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुत: यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

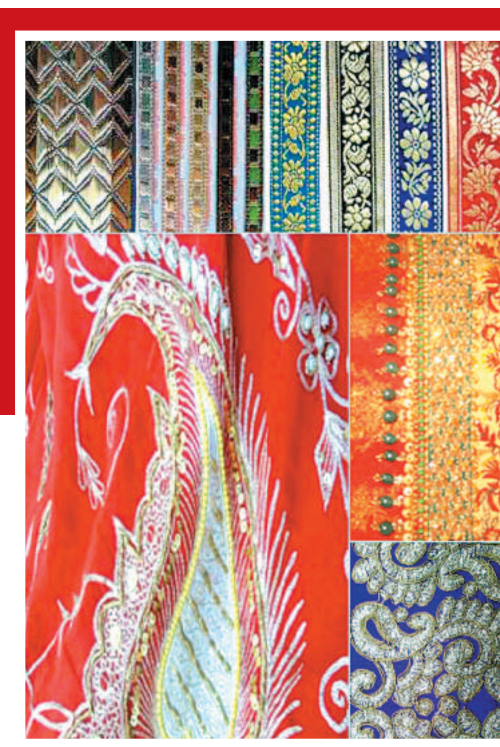

शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टकीं जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दो पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

> किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य: राम व विष्णु
चंद्र: शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल: हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध: गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति: विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र: परशुराम, लक्ष्मी
शनि: भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु: सरस्वती, शेषनाग
केतु: गणेश व मत्स्य

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

वास्तु: दिशा सही सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जो का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

संपादकीय

बुजुर्गों के बीमे का सच

प्रधानमंत्री मोदी की एक चुनावी गारंटी है कि अब 70 वर्ष की उम्र या उससे अधिक के प्रत्येक नागरिक को 'आयुष्मान' योजना का लाभ मिलेगा। वे 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त ही करा सकेंगे। यदि प्रधानमंत्री की भावना वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवर देने की थी, तो इस आयु-वर्ग के दायरे में 65 साल के वरिष्ठ नागरिक भी रखे जा सकते थे, क्योंकि इस उम्र तक बीमारियां पकने लगती हैं और इलाज की सख्त जरूरत होती है। इस सूची में मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, किडनी, प्रोस्टेट से जुड़ी बीमारियां रखी जा सकती हैं, जो उम्र के साथ-साथ बढने लगती हैं। यदि प्रधानमंत्री ने ऐसा किया होता, तो न केवल देश के बुजुर्ग उन्हें ढेरों आशीर्वाद देते, बल्कि सकल जीवन प्रत्याशा भी बढ़ती। दरअसल बूढ़ों को स्वास्थ्य कवर देना बेहद गंभीर और जरूरी मुद्दा है, क्योंकि स्वास्थ्य बीमा कंपनियां वरिष्ठ नागरिकों को कवर देने से कन्नी काटती हैं या साफ इंकार कर देती हैं। अधिकतर निजी कंपनियों के बीमे की किस्त बेहद महंगी होती है, जिसे बिना पेंशन वाले बुजुर्ग वहन नहीं कर सकते। जो सरकारी सेवाओं में रहे हैं, उनके लिए सीजीएचएस जैसी सुविधाएं ताउम्र उपलब्ध हैं। ऐसे बहुत कम फीसदी लोग हैं। आम आदमी के लिए बीमा कंपनियों की शर्तें इतनी महीन छापी जाती हैं कि उन्हें पढना असंभव होता है, लिहाजा बीमा लेने वालों को एजेंट के कथनों पर ही भरोसा करना पड़ता है। सरकारी डाटा ही खुलासा करता है कि मात्र 6 फीसदी आबादी उन वरिष्ठ नागरिकों की है, जिनके पास अपना स्वास्थ्य बीमा कवर है, जबकि भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) बुजुर्गों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता रहा है। यह एक संवैधानिक निकाय है, जिसका गठन संसद में पारित बिल के जरिए किया गया था, ताकि बीमा बाजार पर निगाह रखी जा सके। इसके बावजूद देश और समाज के सबसे संवेदनशील समूह को बीमे के फायदों और जरूरत से बाहर रखा गया है, क्योंकि बीमे की किस्त वाकई बेहद महंगी है। प्रधानमंत्री की गारंटी 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हो सकती थी। इरडाई का ही डाटा है कि 144 करोड़ के देश में 55 करोड़ के पास ही स्वास्थ्य कवर है। औसतन 100 में से 54 कवर सरकार द्वारा प्रायोजित होते हैं। किस्त के तौर पर कमाए गए प्रति 100 रुपए में से 91 रुपए व्यक्तिगत और समूह बीमा पॉलिसी से आते हैं। 'पॉलिसी बाजार' नामक बीमा कंपनी के सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 96 फीसदी लोग स्वास्थ्य बीमा जानते हैं, लेकिन 43 फीसदी ने ही पॉलिसी ले रखी है। औसतन 3 में से 2 लोग महसूस करते हैं कि बीमा किस्त बेहद महंगी है। नीतियां और शर्तें बेहद पेचीदा हैं, लूट भी लेती हैं, भुगतान की शर्तें बिल्कुल अस्पष्ट हैं और कई बीमारियों को कवरेज की सूची से बाहर रखा गया है और बीमाधारक को यह स्पष्ट नहीं किया जाता। यह धोखाधड़ी अधिकतर कंपनियां कर रही हैं। दरअसल स्वास्थ्य बीमा का बाजार बड़ा प्रतियोगी है। बीते 2023 के अंत में 29 कंपनियां ऐसी थीं, जो स्वास्थ्य की नीतियां और शर्तें तय कर रही थीं। गैर-जीवन बीमा बाजार का यह सबसे बड़ा हिस्सा, भाग है। बेशक यह बीमा-क्षेत्र बढ़ भी रहा है, क्योंकि लोग स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सचेत होने लगे हैं। 2023 में ही स्वास्थ्य बीमा की किस्त 21 फीसदी बढ़ाई गई, जो गैर-जीवन बीमा क्षेत्र की सकल वृद्धि से 7 फीसदी अधिक थी। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) जीवन बीमा के बाजार का सिरमौर अब भी है। अब भी उसमें भारत सरकार की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। वह स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में भी उतरने और धमक मचाने पर विचार कर रही है। यह कंपनी 'मील पत्थर' स्थापित करने में भी सक्षम है। एलआईसी का सालाना मुनाफा 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का है, लिहाजा उसके शेयर की कीमत, बीते अक्तूबर से ही, दोगुनी हो गई है। बड़ा और महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आम बीमा उपभोक्ता के लिए एलआईसी के संभावित प्रयास के मायने और फायदे क्या होंगे? क्या बुजुर्गों की उपेक्षित जमात को रियायती किस्त पर स्वास्थ्य कवर मिल सकेगा? या प्रधानमंत्री मोदी ही अपने तीसरे कार्यकाल में कोई सामाजिक पहल करेंगे? देश में बनने वाली नई सरकार को समझ लेना चाहिए कि अगर उसे बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए, तो इस योजना का लाभ 65 वर्ष आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों को देना होगा।

प्रधानमंत्री की भावना वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवर देने की थी, तो इस आयु-वर्ग के दायरे में 65 साल के वरिष्ठ नागरिक भी रखे जा सकते थे, क्योंकि इस उम्र तक बीमारियां पकने लगती हैं और इलाज की सख्त जरूरत होती है। इस सूची में मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, किडनी, प्रोस्टेट से जुड़ी बीमारियां रखी जा सकती हैं, जो उम्र के साथ-साथ बढने लगती हैं। यदि प्रधानमंत्री ने ऐसा किया होता, तो न केवल देश के बुजुर्ग उन्हें ढेरों आशीर्वाद देते, बल्कि सकल जीवन प्रत्याशा भी बढ़ती। दरअसल बूढ़ों को स्वास्थ्य कवर देना बेहद गंभीर और जरूरी मुद्दा है, क्योंकि स्वास्थ्य बीमा कंपनियां वरिष्ठ नागरिकों को कवर देने से कन्नी काटती हैं या साफ इंकार कर देती हैं। अधिकतर निजी कंपनियों के बीमे की किस्त बेहद महंगी होती है, जिसे बिना पेंशन वाले बुजुर्ग वहन नहीं कर सकते। जो सरकारी सेवाओं में रहे हैं, उनके लिए सीजीएचएस जैसी सुविधाएं ताउम्र उपलब्ध हैं। ऐसे बहुत कम फीसदी लोग हैं।

आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है

अग्निकांड़ों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

ललित गर्ग

'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है। इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम

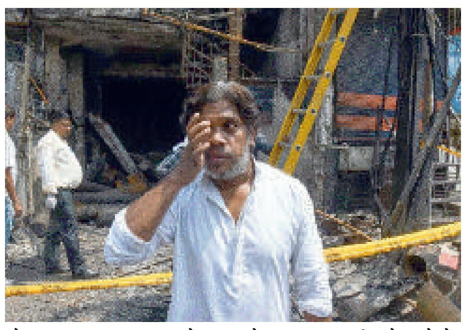

तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना- बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है। राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है।

दृष्टि कोण

खेतों से उजड़ते पेड़ मानवीय अस्तित्व को खतरा

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो अतिरिक्त आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'नेचर सस्टैनबिलिटी' में 15 मई, 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत-संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द-गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित कररिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलना मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है। जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं। इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़

गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं। यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजाड़ा क्यों? किसान भलीभांति जानता है कि खेत की मेड़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है पानी संचयन, पत्तों और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का अहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं का छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल-फूल से अतिरिक्त आय तो है ही। इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम व नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता है। एक बात समझना होगा कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे कम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यह कि आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है।

कुछ अलग

युवाओं में कैंसर

निश्चित रूप से यह बेहद चिंता बढ़ाने वाला निष्कर्ष है कि भारत में कैंसर तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। जो हमारी जीवनशैली व खानपान की आदतों में आये बदलावों का भी सूचक है। दरअसल, कैंसर विशेषज्ञों के समूह द्वारा कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन के तहत एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि कैंसर तेजी से युवाओं को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन बताता है कि देश में बीस फीसदी मामले चालीस वर्ष से कम आयु के पुरुषों व महिलाओं में पाए गए हैं। जिसमें साठ फीसदी मरीज पुरुष हैं। कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सिर व गर्दन के कैंसर के हैं, जो करीब छब्बीस प्रतिशत बताए गए हैं। इसके बाद ये आंकड़े बताते हैं कि सोलह फीसदी मामले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के, पंद्रह फीसदी स्तन कैंसर तथा रक्त कैंसर के मामले नौ फीसदी हैं। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि युवा पीढ़ी में बढ़ते कैंसर के खतरे की वजह तंबाकू व शराब का सेवन है। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी एक बड़ा कारक है। जिसके मूल में युवाओं का निष्क्रिय जीवन भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के मामले बढ़ने की एक वजह प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन भी है। दुर्भाग्य से चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि दो तिहाई मामलों में कैंसर का पता तब चलता है जब तक उपचार में देर हो चुकी होती है। दरअसल, देश में कैंसर की समय रहते जांच कराने के प्रति उदासीनता के चलते भी इस जानलेवा रोग का देर से पता चलता है। ऐसे में सरकार और सामुदायिक स्तर पर कैंसर को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। कम से कम लोगों को इस बात के लिये मानसिक रूप से तैयार किया जाए कि प्राथमिक संकेत मिलने पर समय रहते जांच तो करा ही लेनी चाहिए। स्वयं सेवी संगठन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत कर सकते हैं। यही वजह है कि एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा समूह द्वारा हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारत को 'दुनिया की कैंसर राजधानी' के रूप में वर्णित किया है। इसकी वजह हर साल कैंसर के लाखों मामले दर्ज किया जाना भी है। दरअसल, भारत में हर साल कैंसर के दस लाख नये मामले दर्ज किये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यह वृद्धि वर्ष 2025 तक वैश्विक औसत को पार कर जाएगी। दरअसल, युवाओं के मामलों को संभालने के लिये एक विशिष्ट केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत होती है। यह देश के कामकाजी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। जिसके लिये उन्हें जीवनशैली में बदलाव के लिये प्रेरित किया जा सकता है। साथ ही प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का पता लगाने वाली प्रभावी स्क्रीनिंग रणनीति को प्रोत्साहित करके संकट को दूर किया जा सकता है। सही मायनों में भारत को इस छद्म महामारी से मुकाबले के लिये अच्छी तरह से तैयार रहना होगा। यह खतरा बड़ा है और इसमें कैंसर की प्रभावी देखभाल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समय की जरूरत है कि कैंसर विषयक अनुसंधान को विशिष्ट महत्व दिया जाए। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष कैंसर के प्रमुख कारकों पर प्रकाश डालते हैं। मसलन शरीर में टैटू गुदवाने वाले लोगों में रक्त कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है। इस तथ्य को युवाओं तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिये ऐसे कदम उठाने जरूरी हैं। एक बहुआयामी रणनीति ही भारत को सभी बीमारियों से मजबूती से लड़ने में मदद कर सकती है। दरअसल, कैंसर के संकट के मुकाबले के लिये हमारे खानपान में सुधार, सक्रिय जीवनशैली तथा तनावमुक्त जीवन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

देश दुनिया से

यह पूरे तंत्र की विफलता है, निपटने के लिए केंद्र और राज्यों के सम्मिलित प्रयासों की जरूरत

बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, कृष्णानगर में एक इमारत में करीब दो बजे सुबह आग लगी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग बुनियादी ढांचे के कारण भारत के शहरी क्षेत्र आग लगने जैसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं।

बीते 25 मई को गुजरात के राजकोट में गेमिंग जोन में आग लगने से बच्चों समेत 32 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू कर दी है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिवार को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। 25 मई की रात ही दिल्ली में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। विवेक विहार में बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, कृष्णानगर में एक इमारत में करीब दो बजे सुबह आग लगी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग बुनियादी ढांचे के कारण भारत के शहरी क्षेत्र आग लगने जैसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं। जैसे कि वर्ष 2018 में मुंबई के ईएसआईसी कामगार अस्पताल में आग लगी और 2019 में सूरत कोचिंग सेंटर में आग लगने से 22 छात्रों की मौत हो गई। ये घटनाएं बताती हैं कि अतीत की त्रासदियों से पूरी तरह सबक नहीं लिया गया। अतीत में हुए सबसे दुखद उपहार सिनेमा अग्निकांड और भोपाल गैस त्रासदी ने प्रणालीगत सुधारों की जरूरत और उपेक्षा के गंभीर परिणामों को उजागर किया। औद्योगिक सुरक्षा चूक की कई घटनाएं हुई हैं, जो मजबूत शासन और सख्त सुरक्षा नियमों की तत्काल जरूरत को रेखांकित करती हैं। उपहार सिनेमा अग्निकांड एक ऐसी त्रासदी थी, जिसे रोका जा सकता था। 13 जून, 1997 को जब दिल्ली के उपहार सिनेमा में एक लोकप्रिय फिल्म प्रदर्शित हो रही थी, उसी समय खराब ट्रांसफार्मर के कारण आग लग गई, जिसमें 59 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। ज्यादातर पीड़ित दम घुटने के कारण मरे, क्योंकि वे बालकनी वाले इलाके में निकास द्वार के बंद या बाधित होने के कारण फंस गए थे। अग्नि सुरक्षा से संबंधित उचित उपायों और आपातकालीन तैयारियों की कमी के कारण यह त्रासदी और भी गंभीर हो गई। इस अग्निकांड की जांच में घोर लापरवाही और सुरक्षा उपायों का उल्लंघन पाया गया, जैसे कि बचकर भागने के रास्ते बंद थे और अग्निशमन उपकरण उचित रखरखाव के अभाव में खराब थे। उपहार सिनेमा अग्निकांड भवन संहिता (बिल्डिंग कोड) एवं अग्नि सुरक्षा उपायों के सख्त क्रियान्वयन की व्यापक आवश्यकता की याद दिलाता है। यह नियमों के अनुपालन में स्थानीय अधिकारियों की विफलता को भी उजागर करता है, जो शासन के व्यापक मुद्दों को रेखांकित करता है, जिससे केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर निपटने की जरूरत है। अग्निकांड से अलग प्रणालीगत विफलता का एक और उदाहरण है-भोपाल गैस त्रासदी। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी औद्योगिक सुरक्षा की कमी का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर जनहानि हुई। भोपाल में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक संयंत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ, जिसके कारण हजारों लोगों की तत्काल मृत्यु हो गई और पांच लाख से ज्यादा लोगों को लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा। यह त्रासदी खराब रखरखाव, अपर्याप्त सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन स्थितियों में तैयारी की कमी का नतीजा थी। इसके बाद लंबी कानूनी लड़ाइयां चलीं और पीड़ितों को देर से न्याय मिला। इस त्रासदी ने औद्योगिक संयंत्रों के संचालन में सुरक्षा मानकों को लागू करने और नियामक निगरानी के महत्व को उजागर किया। इसने लापरवाही के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने और ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए निवारक उपाय सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता को भी प्रदर्शित किया। इस तरह की भयावह घटनाओं के बावजूद हमारे देश के राज्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि हमारे देश में हर साल आग लगने की घटनाओं में हजारों लोगों की जान जाती है। बिजली के शॉर्ट-सर्किट, ज्वलनशील सामग्रियों का सही ढंग से भंडारण नहीं करने और सुरक्षा उपायों की उपेक्षा आग लगने के आम कारण होते हैं। हमारे देश में आग के खतरों से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करना-राष्ट्रीय भवन संहिता और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। नियमित निरीक्षण और गैर-अनुपालन के लिए दंड का प्रावधान रहने से लापरवाही को रोका जा सकता है। जन-जागरूकता और प्रशिक्षण- नागरिकों को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर नियमित मॉक ड्रिल (अभ्यास) करने से तैयारी बेहतर हो सकती है।

आप का नजरिया

जानलेवा गर्मी

नये रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी स्पष्ट संकेत दे रही है कि समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा शृंखला भी टूटेगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है। निश्चित रूप से यह तापमान उन लोगों के बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवन यापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम आने पर, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है। पेट में पर्याप्त भोजन का अभाव कुपोषण को जन्म देता है। जिसके चलते व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है। लेकिन विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के हमारे दरवाजे पर दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। दरअसल, गर्मी के प्रभाव से हाइपरटेंशन, निर्जलीकरण, लू लगने के अलावा मानव स्वास्थ्य से जुड़े कई तरह के संकट सामने आ रहे हैं। कई तरह के मानसिक रोगों की भी आशंका जतायी जा रही है। जिसकी वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थितियों के पैदा होने की आशंका जता रहे हैं। बहरहाल, रिकॉर्ड तोड़ते तापमान के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये सरकारों को नीतिगत उपायों को लागू करने को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे।

चालू वित्त वर्ष 2025 में 7 फीसदी की दर से बढ़ेगी भारतीय इकोनॉमी, जीडीपी ग्रोथ को लेकर आरबीआई ने लगाया अनुमान

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने आज अपनी वार्षिक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में केंद्रीय बैंक ने कहा कि चालू कारोबारी साल में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी से बढ़ने की संभावना है।

केंद्रीय बैंक के रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2023024 से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिली है। देश की कल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पिछले वर्ष के 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.6 प्रतिशत हो गई। लगातार तीन साल से सकल घरेलू उत्पाद में तेजी आई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर समान रूप से संतुलित जोखिम के साथ 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वित्त वर्ष 24 में लचीलापन दिखाया।

आरबीआई ने एमएसपी को लेकर क्या कहा

रिजर्व बैंक ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि पिछले कारोबारी साल 2023-24 के खरीफ और रबी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सभी फसलों की उत्पादन लागत पर 50 फीसदी का न्यूनतम रिटर्न सुनिश्चित किया है। पिछले कारोबारी साल यानी 31 मार्च, 2024 को खाद्यान्न का कुल सार्वजनिक स्टॉक कुल तिमाही बफर मानक का 2.9 गुना था।

पिछले साल 29 नवंबर, 2023 को सरकार ने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की योजना को 1 जनवरी, 2024 से पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया।

आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की एक वैधानिक रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि और संबद्ध गतिविधियों को असमान और कम दक्षिण-पश्चिम मानसून (एसडब्ल्यूएम) वर्षा के साथ-साथ मजबूत अल नीनो स्थितियों के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

सोना-चांदी के दाम में आई गिरावट, सोने के वायदा भाव 72 हजार, चांदी लगभग 95,800 रुपये

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। चांदी वायदा के भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 61 रुपये की गिरावट के साथ 72,132 रुपये के भाव पर खुलकर 202 रुपये की गिरावट के साथ 71,991 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरम रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 362 रुपये की गिरावट के साथ 95,800 रुपये पर खुलकर 1,396 रुपये की गिरावट के साथ 94,766 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,336.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,341.20 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 8.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,332.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.17 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.37 डॉलर था। फिलहाल यह 0.60 डॉलर की गिरावट के साथ

बीमा कंपनी एक घंटे में नकदी-रहित इलाज की अनुमति देने पर निर्णय लें: इरडा

नई दिल्ली । बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने स्वास्थ्य बीमा पर एक मूल परिपत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि बीमा कंपनी को अनुरोध के एक घंटे के भीतर नकदी-रहित इलाज की अनुमति देने पर निर्णय लेना होगा। इरडा ने बयान में कहा कि स्वास्थ्य बीमा उत्पादों पर परिपत्र ने पहले जारी किए गए 55 परिपत्रों को निरस्त कर दिया है। यह बीमाधारकों के सशक्तीकरण को सुदृढ़ करने और समावेशी स्वास्थ्य बीमा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीमा नियामक ने कहा कि परिपत्र में बीमाधारक, संभावितों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य बीमा नीति में पात्रताओं को उनके आसान संदर्भ के लिए एक स्थान पर लाया गया है और साथ ही स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले पॉलिसीधारक को निर्बाध, तेज दावा अनुभव प्रदान करने और स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में उन्नत सेवा मानकों को सुनिश्चित करने के उपायों पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि बीमा कंपनियों द्वारा सभी आयु, क्षेत्रों, चिकित्सा स्थितियों, सभी प्रकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए विविध बीमा उत्पादों की पेशकश करके बीमाधारकों की सामर्थ्य के अनुरूप व्यापक विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें ग्राहक सूचना पत्र (सीआईएस) का भी उल्लेख किया गया है, जो बीमा कंपनी द्वारा प्रत्येक बीमा दस्तावेज के साथ प्रदान किया जाता है।

एयरबैग को माना जाता है सबसे बेहतर सेफ्टी उपकरण

नई दिल्ली । दुनिया भर में एयरबैग को सबसे बेहतर सेफ्टी उपकरण के तौर पर माना जाता है। एयरबैग

आमतौर पर पॉलिएस्टर की तरह की मजबूत टेक्सटाइल या कपड़े से बना एक गुब्बारे जैसा कवर होता है। दुनिया में सबसे पहले एयरबैग को 1950 के दशक में खोजा गया था। यह एक सुरक्षा उपकरण है। कंपनियां इसे कार के स्टीयरिंग व्हील, दरवाजे और डैशबोर्ड पर लगाती हैं। जब भी एक्सीडेंट की स्थिति निर्मित होती है तो खतरे का अहसास करके एयरबैग पलभर में खुल जाता है और चोट या मौत की आशंका को कम करता है। एयरबैग, कार के सेंसर से कनेक्ट रहता है। ये सेंसर कार की टक्कर होने पर एक्टिव हो जाते हैं और एयरबैग तक मैसेज भेजते हैं। इसके बाद एयरबैग झट से खुल जाते हैं। ये प्रक्रिया बेहद तेजी से होती है। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा भारतीय कारों में साल 2019 से अनिवार्य कर दिया गया है। मार्च 2022 में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में कहा था कि अगर कारों में फंक्शनल एयरबैग का इस्तेमाल किया गया होता तो साल 2020 में देश भर में 13,022 लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

सरकारी गोल्ड बॉन्ड में 2023-24 में लोगों ने लगाए 27000 करोड़ रुपए

मुंबई/दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)।

निवेशकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के जरिए 44.34 टन सोना खरीदने का अनुबंध किया और इनमें कुल 27,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में दी गयी है।

पिछले वित्त वर्ष में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश चार गुना से भी अधिक है। वर्ष 2022-23 में कुल 12.26 टन सोने के बराबर के 6,551 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी स्वर्ण बांड बिके थे। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में 27,031 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे थे जिनमें निवेशकों के साथ 44.34 टन सोने की बिक्री का अनुबंध किया गया है।

रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, वर्ष 2023-24 के दौरान जुटाई गई कुल राशि 27,031 करोड़ रुपये (44.34 टन) थी। मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान, बांड चार किस्तों में जारी किए गए थे। रिजर्व बैंक सरकार की ओर से इन बॉन्ड को रिजर्व बैंक के माध्यम से जारी करता है।

रिजर्व बैंक इन्हें वाणिज्यिक बैंकों की चिह्नित शाखाओं के माध्यम से जारी करता है। आठ साल की परिपक्वता अवधि के इन बॉन्ड को कुछ शर्तों के साथ बीच में भी भुनाया जा सकता है। इस पर निवेशकों को निवेश राशि पर एक सूक्ष्म वार्षिक ब्याज भी दिया जाता है। निवेशक परिपक्वता पर सोने के मानक बाजार मूल्य के बराबर राशि या सोने में अपना धन प्राप्त कर सकते हैं।

वित्तीय सेवा कंपनी मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि (एमओएफएसल) ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें इस वर्ष की शुरुआत में स्थिर चल लग रही थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके बाद से अब तक इस वर्ष कीमतों में तेजी से वृद्धि दर्ज की गयी है और इस साल अब तक लगभग 14 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गयी है। इसके मुकाबले चांदी के भाव इस साल 27 प्रतिशत तक चढ़ चुके हैं।

रुपया दो पैसे गिरकर 83.42 डॉलर

मुंबई । अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों के बीच विदेशी पूंजी की निकासी से रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.42 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत अमेरिकी मुद्रा ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने रुपये की गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.42 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, जल्द ही मजबूत होकर वापस 83.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.10 पर रहा।

एलन मस्क के सिर पर फिर से सजा दुनिया के अमीर व्यक्ति का ताज, क्या मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी टॉप-10 की लिस्ट में है शामिल

नई दिल्ली, 30 मई ।

भारत के सबसे अमीर व्यक्ति कौन है। इसके बारे में तो आप जानते होंगे। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा संपत्ति किसके पास है। फोर्ब्स ने दुनिया के अमीर व्यक्ति की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट के अनुसार एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनके पास कुल 209.7 बिलियन डॉलर (करीब 17.48 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति है। वहीं दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अमेजन कंपनी के मालिक जेफ बेजोस है। इनकी टोटल नेट वर्थ 199.9 बिलियन डॉलर है। आइए, जानते हैं कि दुनिया के टॉप-10 अमीर व्यक्ति की लिस्ट में कौन-कौन से नाम शामिल है। दुनिया के टॉप-10 अमीर व्यक्ति फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार दुनिया के तीसरे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अरनॉल्ट है। बर्नार्ड अरनॉल्ट एलवीएमएच के मालिक है। इनकी टोटल नेट वर्थ 199.3 बिलियन डॉलर है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग हैं। मार्क जुकरबर्ग के पास 166.4 अरब डॉलर की टोटल संपत्ति है। वहीं, पांचवें नंबर पर लैरी एलिसन और छठे स्थान पर लैरी पेज है। इसी तरह सातवें पायदान पर सर्गेई ब्रिन और आठवें पायदान पर वॉरेन बफे है। वहीं टॉप-9 पर माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स हैं। बिल गेट्स की कुल नेट वर्थ 129.8 बिलियन डॉलर है। वहीं, टॉप-10 पर स्टीव बाल्मर है, जिनकी नेट वर्थ 126.5 अरब डॉलर है। किस पायदान पर हैं भारतीय अरबपति दुनिया के टॉप-10 अमीरों की लिस्ट से मुकेश अंबानी बाहर हो गए हैं। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 2.1 बिलियन डॉलर की गिरावट आई। इस गिरावट की वजह से वह दुनिया के 12वें अमीर व्यक्ति है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 112.8 अरब डॉलर है। वहीं अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी की नेटवर्थ में 10 मिलियन की गिरावट आई। इस गिरावट के बाद उनकी नेटवर्थ 86.2 बिलियन डॉलर हो गई है। गौतम अदाणी दुनिया के अमीर व्यक्ति की लिस्ट में 18वें पायदान पर हैं।

जापान के राजदूत से मिले गौतम अडाणी सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कही यह बात

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने ट्वीट कर जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी के साथ मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारे बीच बहुत ही आकर्षक चर्चा हुई। हम उनके मुंद्रा बंदरगाह और खावड़ा की यात्रा के लिए आभारी हैं, जहां हम 30 गीगावॉट क्षमता के दुनिया के सबसे बड़े हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का निर्माण कर रहे हैं।

अदाणी ने लिखा, भारत की संस्कृति के लिए जपानी राजदूत की सराहना, हमारी साझेदारी के लिए उनकी ओर से दिया जाने वाला महत्व और भारत के लिए उनका जबरदस्त समर्थन वास्तव में प्रेरणादायक है।

पोको एक्स6 5जी को काफी सस्ते दाम पर खरीदने का मौका फटाफट चार्ज हो जाएगी इसकी 5100 एमएएच वाली बैटरी

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)।

भारत में पोको एक्स6 5जी को काफी सस्ते दाम पर खरीदने का मौका दिया जा रहा है।अमेज़न के मोबाइल सेगमेंट पेज पर कई फोन पर दमदार डील दी जा रही है। यहीं पर लाइव हुए एक बैनर से पता चला है कि पोको एक्स6 5जी को 24,999 रुपये के बजाए 17,999 रुपये में खरीदा जा सकता है.यानी कि इसकी खरीद पर करीब 7000 रुपये का फायदा पाया जा सकता है।

बता दें कि इस कीमत के साथ बैंक ऑफर जुड़ा हुआ है। इस फोन की सबसे खास बात इसका 120एचझेड अमोलेड डिस्प्ले दी गई है।अगर आपके बजट में ये फोन हैं और नया फोन खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आइए इस फोन के सभी फीचर्स के बारे में जान लेते हैं.पोको एक्स6 5जी मोबाइल में यूज़र्स को 6.67 इंच का 1.5के अमोलेड डॉट डिस्प्ले दिया गया है।इसपर 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 2160 एचझेड टच सैंपलिंग रेट, 1800 निट्स पीक ब्राइटनेस और सेफ्टी के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास का प्रोटेक्शन मिल जाता है। परफॉरमेंस के लिए फोन में ऑक्टा कोर 2.4जीएचझेड वाला स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 चिपसेट मिलता है। यह चिप 4 नैनोमीटर प्रोसेस पर बेस्ड है इसके साथ एन्ड्रेनो 710 जीपीयू भी मौजूद है। पोको एक्स6 5जी स्मार्टफोन एंड्रॉयड 13 पर बेस्ड एमआईयूआई 14 पर काम करता है।

पावर के लिए इस फोन में तगड़ी 5,100एमएएच की बैटरी दी गई है, और इसको चार्ज करने के लिए 67वॉट की टर्बो चार्जिंग मिलती है।कनेक्टिविटी के लिए इसमें डुअल सिम 5जी, 4जीएलटीई, वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.2 जैसे कई फीचर्स मिल जाते हैं।डिवाइस में डुअल स्पीकर, डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट दिया गया है।कैमरे के तौर पर पोको एक्स6 में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिलता है, जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन सपोर्ट के साथ 64 मेगापिक्सल का प्राइमरी, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड एंगल लेंस और 2 मेगापिक्सल का माइक्रो सेंसर मिलता है।वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 16 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा सपोर्ट मिलता है।

मझगांव डॉक का चौथी-तिमाही में मुनाफा दोगुना हुआ

सालाना आधार पर 326 करोड़ से बढ़कर 663 करोड़ पहुंचा, एक साल में 322 प्रतिशत चढ़ा शेयर

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)।

जहाज बनाने वाली सरकारी कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर दोगुना होकर 663 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में नेट प्रॉफिट 326 करोड़ रहा था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 12.11 प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं। मझगांव डॉक ने चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए।

बीते एक साल में मझगांव डॉक ने 321.88 प्रतिशत रिटर्न दिया

मझगांव डॉक का शेयर 11.10 प्रतिशत बढ़कर 3,374 रुपए पर बंद हुआ। इसने बीते एक साल में 321.88 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। मझगांव डॉक के शेयर 12 अक्टूबर 2020 को बाजार में लिस्ट हुए थे। इसका इश्यू प्राइस

145 रुपए प्रति शेयर था। वहीं इसकी लिस्टिंग 190 रुपए पर हुई थी।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 73.09 प्रतिशत बढ़ा

मझगांव डॉक का पूरे वित्त वर्ष 2024 में मुनाफा 73.09 प्रतिशत बढ़कर 1,936.97 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 1,119.03 करोड़ रहा था।

1774 में ड्राय डॉक बनाने से हुई थी कंपनी की शुरुआत

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जहाज बनाने वाली लीडिंग सरकारी कंपनी है। इसका इतिहास 1774 से मिलता है, जब मझगांव में एक छोटा ड्राय डॉक बनाया गया था। धीरे-धीरे से बढ़ती गई और 1934 में एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में इनकॉरपोरेट किया गया।

1960 में सरकार ने इसका टेकओवर कर लिया जिसके बाद, मझगांव डॉक तेजी से विकसित हुई और भारत की प्रमुख वॉर-शिपबिल्डिंग यार्ड बन गई। 1960 के बाद से, मझगांव डॉक ने कुल 801 जहाजों का निर्माण किया है। इसमें 27 वॉरशिप्स और 7 सबमरीन शामिल है।

पूरे साल में रेवेन्यू 21 प्रतिशत बढ़कर 9466.58 करोड़

मझगांव डॉक का रेवेन्यू यानी आय पूरे साल में 21 प्रतिशत बढ़कर 9466.58 करोड़ रही। रेवेन्यू 7827.18 रहा था। वहीं चौथी तिमाही में रेवेन्यू 50 प्रतिशत बढ़कर 3,103.6 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान अवधि में रेवेन्यू 2,078.6 करोड़ रहा था।

कंपनी ने भारत के साथ-साथ विदेशों में विभिन्न ग्राहकों के लिए कार्गो शिप, पैसेंजर शिप, सप्लाई वेसल्स, मल्टीपर्पज सपोर्ट वेसल, वॉटर टैंकर्स की भी डिलीवरी की है। मार्च तिमाही तक 84.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सरकार मझगांव डॉक में सबसे बड़ी शेयरधारक बनी हुई है।

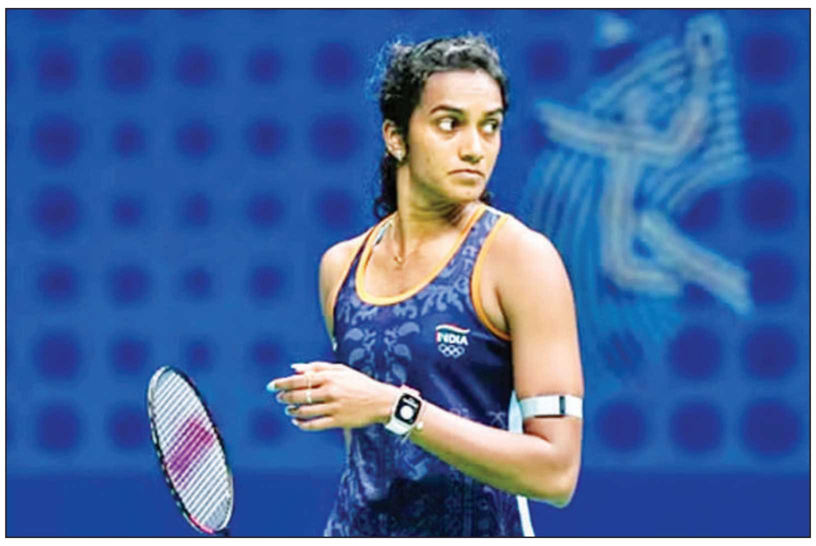

पीवी सिंधू की जीत के साथ शुरुआत, डेनमार्क की होजमार्क को 44 मिनट में हराया, लक्ष्य बाहर

सिंगापुर, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने सिंगापुर ओपन 2024 के पहले दौर में डेनमार्क की लाइन होजमार्क काजेर्सफेल्ट के खिलाफ आसान जीत हासिल की। सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में अपने डेनिश प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 22-20 से हराया। यह मैच 44 मिनट तक चला। खेल में शुरू से ही सिंधू का दबदबा रहा। उन्होंने पहला सेट आसानी से 21-12 से जीता। दूसरे सेट में होजमार्क ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सिंधू ने 22-20 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली।

लक्ष्य सेन कड़े मुकाबले में हारे - लक्ष्य सेन दुनिया के नंबर एक विक्टर एक्सेलसेन से हारकर बाहर हो गए। पेरिस में अपना ओलंपिक डेब्यू करने वाले दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने एक्सेलसेन के सामने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन 62 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21 21-16 13-21 से हार गए। एक्सेलसेन ने पिछले हफ्ते थाईलैंड ओपन में सत्र का पहला खिताब जीता था। वहीं, किदाम्बी श्रीकांत को पहले दौर के मुकाबले में जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका के खिलाफ 14-21 3-11 से पिछड़ने के बाद रिटायर होना पड़ा।

सिंधू मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची थीं - इससे पहले सिंधू को मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय शटलर महिला एकल के खिताबी मैच में अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी से 21-16, 5-21 और 16-21 से हार गईं थीं। वहीं, वांग झी से मुकाबले से पहले मलयेशिया मास्टर्स में सिंधू ने सेमीफाइनल मैच में बुसानन ओंगबामरुंगफान को 13-21, 21-16, 21-12 से हराया था। सिंधू 2023 स्पेन मास्टर्स के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं।

सात्विक-चिराग उलटफेर का शिकार - इससे पहले दुनिया की नंबर एक पुरुष एकल बैडमिंटन जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को सिंगापुर ओपन में अपने पहले ही दौर के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।चिराग और सात्विक को डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 18-21 से हरा दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

टेलर ने विराट को बताया खेल का वैश्विक सुपरस्टार

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा कि वह खेल की दुनिया में एक वैश्विक सुपरस्टार हैं। टेलर ने कहा कि आने वाले दिनों में विराट दुनिया का भी वैश्विक सुपरस्टार बन जाएगा। इसके साथ ही वह इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया पर फुटबॉल स्टार रोनाल्डो और मेसी की बराबरी कर लेगा। टेलर ने कहा कि मुझे लगता है कि फिल्म सितारे, बॉलीवुड सितारे, राजनेता सभी अब सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरों में हैं और इसमें कुछ गलत भी नहीं है। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज थी। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं। कोई भी जो इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा।

कप्तान के तौर पर दूसरी बार विश्वकप में उतरेंगे रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित दूसरी बार टी20 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप खेला था जिससे उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार रोहित का लक्ष्य किसी भी प्रकार से खिताब जीतना रहेगा। रोहित ने अपनी कप्तानी को लेकर कहा कि उनका लक्ष्य मैच में किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए अपने को तैयार करना रहता है। साथ ही कहा कि एक कप्तान के तौर पर सबसे कठिन काम सभी को संभालना रहता है। साथ ही कहा कि कप्तान के दौरान उन्होंने सीखा है कि किस प्रकार सभी को सम्मान और महत्व देना होता है जिससे कि वे अपने को टीम का अहम हिस्सा समझते हुए जिम्मेदारी निभा सकें। इसके अलावा जब वे किसी परेशानी में आपके पास आते हैं तो उनकी समस्या का हल निकालन होता है। इसलिए वह मैदान पर उतरने से पहले विपक्षी टीम और खिलाड़ियों के बारे में जानकारी हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे दोनों ही क्षेत्रों एक कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में तैयारी करनी होती है। मेरे लिए मैदान और प्रतिद्वंद्वी के बारे में सीखना अहम होता है। मैं बैठक कक्षों में जाता हूं और बहुत समय बिताता हूं। यह खिलाड़ियों के लिए नहीं बल्कि केवल मेरे लिए है जिससे कोई भी स्थिति आने पर मैं जवाब दे सकूं।

विश्व रैकेटलान चैंपियनशिप में भारत की कप्तानी करेंगे विक्रमादित्य

नई दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला को रोटरडम में 31 जुलाई से चार अगस्त तक होने वाली विश्व रैकेटलान चैंपियनशिप के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। चैंपियनशिप नीदरलैंड्स के रोटरडैम शहर में होगी। रैकेटलान एक संयुक्त खेल है जिसमें प्रतिस्पर्धियों को चार रैकेट खेल टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वाश खेलना होता है। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी विक्रमादित्य पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में भी भारत की रैकेटलान टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में राटरडैम में हुई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्पर्धा का रजत पदक जीता था। टीम में विक्रमादित्य के अलावा निहित कुमार सिंह, करण तनेजा, प्रशांत सेन निखिल मनसुखानी और एकमात्र महिला खिलाड़ी नयना तनेजा शामिल हैं। भारतीय रैकेटलान खेल संघ ने टीम की घोषणा की। कप्तान बनाए जाने पर विक्रमादित्य ने कहा, विश्व चैंपियनशिप में तीसरी बार देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गौरव की बात है।

भारत-पाकिस्तान मैच में आतंकी हमले की धमकी

टी-20 वर्ल्ड कप का यह मुकाबला 9 जून को न्यूयॉर्क में होगा, सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान आतंकी हमले की धमकी दी गई है। यह मैच 9 जून को न्यूयॉर्क में आइसनहोवर पार्क में बने नसाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। खतरे को देखते हुए शहर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आतंकी संगठन आईएसआईएस खोरासन ने वीडियो जारी करके अपने हमलावरों से लोन वुल्फ अटैक करने को कहा है। लोन वुल्फ अटैक को सिर्फ एक हमलावर अंजाम देता है।

न्यूयॉर्क की गवर्नर ने कहा- कोई गंभीर खतरा नहीं

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचल ने कहा- वर्ल्ड कप को लेकर कोई गंभीर खतरा नहीं है। हालांकि, उन्होंने पुलिस डिपार्टमेंट से सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने को कहा है। प्रशासन लगातार हर तरह की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

आईएसआईएस खुरासान सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ

आईएसआईएस खुरासान का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान और उत्तरी अफगानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ। तब रूस के उग्रवादी समूहों के कई लड़ाके इसमें शामिल होने सीरिया पहुंच गए। इस साल मार्च में रूस की राजधानी मॉस्को में क्रोकस सिटी हॉल पर एक हमला हुआ था, जिसमें 143 लोग मारे गए थे। हमला 22 मार्च को हुआ था। इसकी जिम्मेदारी आईएसआईएस खुरासान ने ली थी।

श्रीलंका पर हो चुका है हमला

2009 में श्रीलंका 3 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेलने पाकिस्तान गई थी। 3 मार्च 2009 को दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन गद्दाफी स्टेडियम के पास लाहौर में श्रीलंका की बस पर आतंकी हमला हुआ था। 12 आतंकियों ने टीम पर फायरिंग कर दी थी। हमले में टीम के कप्तान महेला जयवर्धने, कुमार संगाकारा समेत 7 खिलाड़ी घायल हो गए थे।

भारत और पाकिस्तान के सभी मैच अमेरिका में होंगे

टी-20 वर्ल्ड कप में 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इसी ग्रुप में आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका भी हैं। भारत और पाकिस्तान अपने सभी मैच अमेरिका में ही खेलेंगे। भारत के शुरुआती 3 मैच न्यूयॉर्क और चौथा मैच फ्लोरिडा में होगा। टीम अपना पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड, दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से खेलेगी।

भारत वॉर्म-अप मैच भी न्यूयॉर्क में ही खेलेगा

भारत वर्ल्ड कप में शुरुआती 3 ग्रुप स्टेज मैच न्यूयॉर्क में खेलेगा। वहीं 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ वॉर्म-अप मैच भी यहीं खेलना है। भारत अमेरिका पहुंचा और उसने प्रैक्टिस शुरू कर दी है।

अमेरिका में पहली बार होगा आईसीसी टूर्नामेंट

अमेरिका को पहली बार ही किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। 2028 के ओलिंपिक गेम्स भी अमेरिका में ही होंगे, जिसमें क्रिकेट भी शामिल किया गया है। इस इवेंट को देखते हुए आईसीसी ने अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप कराने को प्राथमिकता दी। अमेरिका के साथ वेस्टइंडीज में भी टी-20 वर्ल्ड कप होगा, यहां 2010 का टूर्नामेंट भी खेला गया था।

भारतीय पुरुष टीम ने शूटआउट में जर्मनी को हराया, महिला टीम ने ऑरेंज रूड से ड्रॉ खेला

ब्रेडा (नीदरलैंड), 30 मई (एजेंसियां)। भारत ने जूनियर हॉकी टीमों के यूरोप दौरे का समापन जर्मनी पर शूट आउट में पुरुष टीम की जीत के साथ किया जबकि महिला टीम ने ऑरेंज रूड क्लब के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश में नियमित समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद पुरुष टीम ने पेनल्टी में 3-1 से जीत हासिल की। गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने शूट आउट में गोल किए। इससे पहले नियमित समय में मुकेश टोप्पो ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर गोल किया।

पेनल्टी शूटआउट में जीता भारत

भारतीय जूनियर पुरुष टीम नियमित समय में जीत की ओर बढ़ रही थी, लेकिन मैच खत्म होने से चार मिनट पहले जर्मनी ने बराबरी हासिल कर ली जिससे मैच में रोमांच बढ़ गया और नतीजे के लिए शूट आउट का सहारा लेना पड़ा। यह जूनियर पुरुष टीम की दौरे के पांच मैचों में दूसरी जीत है। टीम ने 20 मई को एंटवर्प में अपने शुरुआती मैच में बेल्जियम को पेनल्टी के जरिए 4-2 (2-2) से हराया था। टीम को तीन हार का सामना भी करना पड़ा। टीम को बेल्जियम (2-3), ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश (4-5) और जर्मनी (2-3) के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

महिला हॉकी में क्या हुआ

महिला टीम ने ऑरेंज रूड के खिलाफ ड्रॉ खेलने के अलावा दो जीत दर्ज की जबकि उसे दो हार का भी सामना करना पड़ा। ऑरेंज रूड के खिलाफ संजना होरो (18वें मिनट) ने भारत को बढ़त दिलाई। ऑरेंज रूड को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने दोनों हमलों को नाकाम कर दिया जिससे टीम मध्यांतर तक 1-0 से आगे थी। ऑरेंज रूड ने तीसरे क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर पर दो बार गोल करके 2-1 की बढ़त बनाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चुनावों में भाजपा की...

और इसलिए हर देशवासी उनकी सरकार को आशीर्वाद दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी और आम आदमी पर्टी (आपा) को भ्रष्टाचार की उपज बताया। श्री मोदी ने कहा, कांग्रेस और इंडिया समूह के स्वार्थ और वोट बैंक की राजनीति ने देश का बहुत नुकसान किया है। आजकल देश के लोग इंडिया समूह वालों से संविधान-संविधान की रट सुन रहे हैं। ये वो लोग हैं जिन्होंने इमरजेंसी में संविधान का गला घोंट दिया था। जब 84 के दंगों में सिखों के गले में टायर बांधकर जलाया जा रहा था, तो इन्हें संविधान की नहीं सूझी।प्रधानमंत्री ने कहा कि अब कांग्रेस के साथ एक और आपा जुड़ गई है। यहां तो आमने-सामने लड़ने का ड्रामा कर रहे हैं, दिल्ली में एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं।उन्होंने कहा, लोग भूले नहीं कि कट्टर भ्रष्टाचारी की पहली सरकार कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली में बनी थी, इसलिए इन्होंने भ्रष्टाचारी कांग्रेस से भ्रष्टाचार के पाठ पढ़ लिए हैं। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। साठ साल तक कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के एक से बढ़कर एक वारदातें की हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में पीएचडी की है।प्रधानमंत्री ने सेना के अपमान को अक्षम्य बताते हुए कहा,कांग्रेस और इंडिया समूह मोदी को जितनी गालियां देनी हैं दें, लेकिन सेना का अपमान मोदी सहन नहीं करेगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने सेना की सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट में आतंकवादी शिविर पर पर वायु सेना की कार्रवाई और लद्दाख में नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना के साथ टकराव को लेकर भारतीय सेनाओं की भूमिका पर संदेश खड़े किए थे। श्री मोदी ने 18वीं लोक सभा चुनाव में भाजपा की फिर जीत के प्रति अपना विश्वास प्रकट करते हुए कहा, चुनाव की इस भागदौड़ में भी हमारी सरकार एक पल भी व्यर्थ नहीं कर रही है। सरकार बनते ही अगले 125 दिन में क्या होगा?... इसके रोडमैप पर काम कर लिया गया है। इसमें भी 25 दिन विशेष तौर पर युवाओं के लिए रखे गए हैं।अगले पांच साल में कौन से बड़े निर्णय लेने हैं, इसकी भी रुपरेखा खींची जा चुकी है। अगले 25 साल के विजन पर भी हमारी सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है।ये लोग (आपा वाले) पंजाब को नशे से मुक्त करने के नाम पर आए थे, लेकिन इन्होंने नशे को ही अपनी कमाई का साधन बना दिया है। दिल्ली के शराब घोटाले को पूरी दुनिया जान चुकी है। यहां खनन माफिया भी बेलगाम चल रहा है।उन्होंने पंजाब को गुरुवों की पवित्र भूमि बताते हुए कहा, गरीब कल्याण मेरी सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है और इसमें गुरु रविदास जी की प्रेरणा है। इसी संदर्भ में उन्होंने गुरु रविदास के इस कथन का उद्धरण दिया- ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न ,छोट-बड़ो सब सम बसे, रैदास रहै प्रसन्न।श्री मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्ष में उनकी सरकार के कामों से दुनिया भर में भारत का गौरव बढ़ा है। आज जब पंजाब के लोग, दूसरे राज्यों के लोग विदेश जाते हैं, तो खुद देखते हैं कि वहां भारत और भारतीयों की इज्जत कितनी बढ़ गई है। जब देश में दमदार सरकार होती है, तो विदेशी सरकारें भी हमारा दम देखती हैं।

पीएम मोदी ने...

सात चरणों में हो रहे चुनाव के लिए अंतिम दौर का मतदान एक जून को होना है। मतों की गिनती 4 जून को होगी।

गौरतलब है कि पीएम मोदी ने ध्यान के लिए कन्याकुमारी को चुना इस फैसले के पीछे सांस्कृतिक अहमियत भी है। कन्याकुमारी वही स्थान है जहां दशकों पहले स्वामी विवेकानंद को भारत माता के दर्शन हुए थे। इस चट्टान का स्वामी विवेकानंद के जीवन पर बड़ा प्रभाव था। लोगों का मानना है कि गौतम बुद्ध के जीवन में जैसा महत्व सारनाथ का है, वैसे ही यह चट्टान भी स्वामी विवेकानंद के जीवन में विशिष्ट है। देश भर में घूमने के बाद कन्याकुमारी पहुंचे स्वामी विवेकानंद को यहीं तीन दिवसीय ध्यान साधना के बाद विकसित भारत का सूत्र मिला था। इसी स्थान पर देवी पार्वती ने भगवान शिव की प्रतीक्षा में एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी। इस भौगोलिक इलाके का एक महत्व यह भी है कि कन्याकुमारी का यह स्थान भारत का सबसे दक्षिणी छोर है। इसके अलावा इसी स्थान पर भारत की पूर्वी और पश्चिमी तट की रेखाएं मिलती हैं। यह हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन बिंदु भी है। जानकारों की राय में कन्याकुमारी जाकर पीएम मोदी राष्ट्रीय एकता का संकेत दे रहे हैं।

पाकिस्तान में...

दुष्कर्म मामले में वांछित सांसद प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए पासपोर्ट अधिनियम 1967 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पासपोर्ट धारक को 23 मई को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उन्हें हमारे नोटिस का जवाब देने के लिए 10 कार्य दिवस दिए गए थे। हम जवाब का इंतजार कर रहे हैं और नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई करेंगे। थाईलैंड और श्रीलंका द्वारा ब्रिक्स की सदस्यता के लिए रुचि दिखाने के विषय में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम लगातार कहते रहे हैं कि ब्रिक्स हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मंच है और हम इस साल ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में रूस द्वारा आयोजित होने वाली बैठकों में अपनी भागीदारी के लिए उत्सुक हैं। जहां तक सदस्यता की बात है, जहां तक ब्रिक्स का संबंध है, यह निर्णय लेना समूह का काम है और समूह अपने द्वारा निर्धारित कुछ मानदंडों के आधार पर निर्णय लेता है, इसलिए यदि समूह विस्तार की किसी विशेष सदस्यता पर निर्णय लेता है या किसी विशेष देश पर विचार करता है, तो समूह ब्रिक्स समूह के दिशानिर्देशों के अनुसार ऐसा करेगा।उज्बेकिस्तान की राजधानी बिश्केक की स्थिति पर श्री जायसवाल ने कहा,वहां स्थिति सामान्य बनी हुई है। दो हफ्ते पहले, दूसरे देशों के विदेशी छात्रों से जुड़ी कुछ घटनाएं हुईं, जिससे हमारे छात्र चिंतित थे। यह सुनिश्चित करने के लिए हमारे दूतावास ने तुरंत भारतीय छात्रों से संपर्क किया। उनकी सुरक्षा और कल्याण। उन्होंने उनकी सहायता के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइनें खोलीं। उन्होंने उनकी मदद सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों और विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ भी मामला उठाया और इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए दिल्ली और बिश्केक के बीच और अल्माटी के माध्यम से दैनिक सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं। गर्मी की छुट्टियों में घर जाने के लिए भारतीय दूतावास भारतीय छात्रों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। गाजा पट्टी में राफा में इजरायली हमले के बाद स्थिति पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, राफा में विस्थापन शिविर में नागरिक जीवन की दिल दहला देने वाली क्षति गहरी चिंता का विषय है। हमने लगातार नागरिक आबादी की सुरक्षा और जारी संघर्ष में अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के सम्मान का आह्वान किया है। हम यह भी ध्यान देते हैं कि इजरायली पक्ष ने पहले ही इसे एक दुखद दुर्घटना के रूप में जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है और घटना की जांच की घोषणा की है। मालदीव के एक मंत्री द्वारा भारत को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) का प्रस्ताव दिये जाने के बारे में श्री जायसवाल ने कहा, भारत सरकार द्वारा मालदीव के साथ द्विपक्षीय एफटीए के लिए कोई विशेष प्रस्ताव नहीं दिया गया है। अगर मालदीव सरकार भारत के साथ एफटीए में रुचि व्यक्त करती है, तो हम इस पर उचित विचार करेंगे।

जम्मू में बस ...

कुरुक्षेत्र से शिवखोड़ी धाम जा रही था। शिवखोड़ी धाम, जम्मू संभाग के रियासी जिले के पौनी में स्थित है, जो कि कटड़ा सिथ्त माता वैष्णो देवी मंदिर से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। यह बस अखनूर के टूंगी मोड़ में गहरी खाई में जा गिरी। इस तीखे मोड़ पर सामने से आ रही एक बस के आने से हादसे वाली बस का चालक का संतुलन बिगड़ा गया और यह हादसा हो गया। बस के गिरते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचित किया गया। तुरंत में राहत और बचाव अभियान चलाया गया। बस के शीशे तोड़ कर लोगों को बाहर निकाला गया। फिर रस्सी और कुछ को पीठ पर लाद कर सड़क तक पहुंचाया गया। इसके बाद घायलों को वाहनों में सवार कर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान सड़कों पर एंबुलेंस की आवाज गूंजती रही। अस्पताल में हादसे की खबर के साथ ही स्टाफ को अलर्ट कर दिया गया। घायलों के पहुंचने के साथ ही यहां उपचार शुरू कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसी जम्मू रेफर किया गया। जीएमसी जम्मू में डॉक्टरों की अलर्ट टीम ने मोर्चा संभालते हुए पहुंचे हुए घायलों का तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। बस में लगभग 75 से अधिक यात्री सवार थे। मौके पर एसडीएम अखनूर लेख राज, एसडीपीओ अखनूर मोहन शर्मा, थानाप्रभारी अखनूर तारिक अहमद मोके पर बचाव कार्य मे जुटे हुए हैं। एसएसपी जम्मू व अन्य वरिष्ट अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) जम्मू में घायलों का हाल जानने के जिला उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में घायलों का इलाज चल रहा है। वह यहां स्थिति की समीक्षा करने आए हैं। जिला प्रशासन घायलों को हर संभव मदद पहुंचने के लिए जुटा है। दुर्घटना में हताहतों की सही संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है।जम्मू के अखनूर में हुए सड़क हादसे को लेकर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दुख प्रकट किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि जम्मू के निकट अखनूर में हुई बस दुर्घटना में लोगों की मौत की खबर सुनकर उन्हें बहुत दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं है। वह घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू के अखनूर में हुई बस दुर्घटना हृदय विदारक है। उन्होंने इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

अग्निबाण...

इसके अलावा, यह परीक्षण वाहन के संपूर्ण प्रणोदन प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए एसओआरटीईडी वाहन की संपूर्ण एवियोनिक्स शृंखला की क्षमता को भी साबित करता है। लगभग 700 किमी ऊंची कक्षाओं में 300 किलोग्राम तक ले जाने में सक्षम, अग्निबाण निम्न और उच्च दोनों झुकाव कक्षाओं तक पहुंच सकता है और पूरी तरह से मोबाइल है। इसे 10 से अधिक लॉन्च पोर्ट तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। अपने सभी चरणों में एलओएक्स/केरोसिन इंजन द्वारा संचालित, अग्निबाण ग्राहक द्वारा कॉन्फ़िगर करने योग्य है। मिशन, उपग्रह और लॉन्च पोर्ट ही तय करेंगे कि पहले चरण में कितने इंजन जाएंगे। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने अग्निकुल कॉसमॉस को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी शार), श्रीहरिकोटा के भीतर अग्निकुल के अपने और भारत के एकमात्र निजी लॉन्चपैड से अपना पहला प्रक्षेपण सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बधाई दी।वर्ष 2023 में पराक्रम के शानदार प्रदर्शन में भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। इन मील के पत्थर ने न केवल वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को सुरक्षित किया बल्कि भारत में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए इंजनों को भी ईंधन दिया। भारत का लक्ष्य अब 2035 तक भारतीय अंतररिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक पहले भारतीय को चंद्रमा पर भेजने का है।

मनोरंजन कंपनी...

रोहिणी स्थित एडवेंचर आइलैंड लिमिटेड 45,966 स्क्वायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है। जांच एजेंसी ने बताया कि इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड पर आरोप है कि उसने गुरुग्राम के सेक्टर 29 और 52 ए में दुकानें/अन्य स्थान आवंटित करने का वादा करके लगभग 1,500 निवेशकों से 400 करोड़ रुपये से अधिक एकत्रित किए। बता दें, इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड, इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड (आईआरएएल) की होल्डिंग कंपनी है। हालांकि, कंपनी निवेशकों को समय पर दुकानें देने में नाकामयाब रही। साथ ही निवेशकों को मासिक भुगतान भी नहीं दिया गया था। कंपनी ने निवेशकों के धन का गबन किया और धन को उससे संबद्ध व्यक्तियों/संस्थाओं के पास रखा, जिसका इस्तेमाल व्यक्तिगत लाभ के लिए किया गया। आरोप लगाया गया है कि प्रवर्तक निदेशकों और ईओडी (खरीद इकाई) के बीच बैक-डेटेड (पहले की तारीख में) समझौता किया गया था ताकि आईआरएएल की बैलेंस शीट से बिजनेस एडवांस को खत्म किया जा सके। इसके जरिए बोर्ड से बाहर जाने वाले निदेशकों को आईआरएएल के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से बचने में सक्षम बनाया गया। ईडी ने आरोप लगाया कि निवेशकों के पैसों को अन्य संबंधित इकाइयों के पास रखने, फिर कंपनी को सस्ते रुपयों में बेचने और निवेशकों से छुटकारा पाने के इरादे से 400 करोड़ रुपये से अधिक का गबन किया। एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड में इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड की 291.18 करोड़ रुपये की संपत्तियां, जो कि ग्रेट इंडिया प्लेस मॉल (जीआईपी) नोएडा में 3,93,737.28 वर्ग फुट की बिना बिकी व्यावसायिक जगह, एडवेंचर आइलैंड लिमिटेड, रोहिणी के नाम पर 45,966 वर्ग फुट की व्यावसायिक जगह और जयपुर के दौलतपुर गांव तहसील में इंटरनेशनल एम्यूजमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के नाम पर 218 एकड़ जमीन पर पट्टा अधिकार के रूप में हैं, को कुर्क किया गया है। यह आदेश धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत 28 मई को जारी किया गया।

लोक सभा के...

सात चरणों में कराये जा रहे लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान एक जून को होगा। नतीजे चार जून को आयेंगे। उत्तर प्रदेश की जिन 13 सीटों पर एक जून को मतदान होगा, उनके नाम महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज हैं।अंतिम चरण में बिहार के जिन सीटों पर मतदान होगा उनमें नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद है। पर्वतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में एकल चरण में मतदान हो रहा है। राज्य की जिन चार सीटों पर मतदान होगा उनमें कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला शामिल है। ओडिशा की छह संसदीय सीटों के नाम मयूरभंज, बालासोर जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, भद्रक हैं, जिन पर अंतिम चरण में मतदान होगा। पंजाब की जिन 13 संसदीय सीटों पर मतदान होगा, उनमें गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर (सुरक्षित), होशियारपुर (सुरक्षित), आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब (सुरक्षित), फरीदकोट (सुरक्षित), फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला सीट शामिल है। पश्चिम बंगाल की नौ संसदीय सीटों में दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर शामिल है। इसके अलावा झारखंड के राजमहल, दुमका, गोड्डा तथा केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की सीट पर भी एक जून को मतदान होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा ऐलान, टेस्ला सीईओ एलन मस्क को बनाएंगे व्हाइट हाउस का सलाहकार

वॉशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका में कुछ ही महीनों में राष्ट्रपति चुनाव होना है। ऐसे में सभी उम्मीदवार जोर-शोर से अपना प्रचार प्रसार कर रहे हैं। इन लोगों को समर्थन करने वाले भी खुलकर अपने विचार रख रहे हैं। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ ऐसी इच्छा जाहिर कर दी है, जिसे सुनकर हर कोई दंग है। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप व्हाइट हाउस में अपने सलाहकार के तौर पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने टेस्ला सीईओ को सलाहकार बनाने के फैसले को फिलहाल अंतिम रूप नहीं दिया है। वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि मस्क सीमा, अर्थव्यवस्था और मतदान धोखाधड़ी को रोकने जैसे मामलों पर औपचारिक इनपुट कैसे दे सकते हैं। फोन पर की बातचीत मस्क और ट्रंप एक दूसरे के साथ गर्मजोशी के साथ बात कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों लोगों ने एक दूसरे से एक महीने के अंदर कई बार फोन पर बात की है। इतना ही नहीं, मस्क और अरबपति निवेशक नेलसन पेल्ट्ज ने ट्रंप के साथ इस बात पर भी चर्चा की कि कॉर्पोरेट अधिकारियों को राष्ट्रपति जो बाइडन का समर्थन नहीं करने के लिए कैसे मनाया जाए। कॉर्पोरेट अधिकारियों को बाइडन के समर्थन में नहीं जाने के लिए नबंवर में एक अभियान शुरू किया गया था। बाइडन का विरोध किया स्पेस एक्स के निर्माता और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक ने सार्वजनिक रूप से बाइडन का विरोध किया है। पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या एलन मस्क डोनाल्ड ट्रंप को अपना समर्थन देंगे या मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को। हालांकि, मस्क ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया था। उन्होंने कहा था कि उनकी किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को पैसा दान करने की कोई योजना नहीं है। एक्स पर किया था पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मस्क ने इस बात का एलान किया था। उन्होंने लिखा था, बस पूरी तरह से स्पष्ट होने के लिए आपको बता रहा हूं कि मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए किसी भी उम्मीदवार को पैसा दान नहीं कर रहा हूं। दो दिन पहले ट्रंप से मिले थे बता दें, यह सफाई ऐसे समय में सामने आई थी, जब फ्लोरिडा में दो दिन पहले ही एलन मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान की फिर किरकिरी, चोरी की मोटरसाइकिल बेचते पकड़ा गया पुलिसकर्मी, स्टिंग ऑपरेशन में खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कराची के एंटी-व्हीकल लिफ्टिंग सेल (एवीएलसी) में तैनात एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को चोरी की मोटरसाइकिल बेचते हुए पकड़ा गया। मीडिया रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, एक मीडिया हाउस ने एवीएलसी कार्यालय में एक स्टिंग ऑपरेशन किया। इसमें डीएसपी निजाबत हुसैन की अवैध गतिविधियों का खुलासा हुआ। अवैध सौदों से संबंधित सभी बातचीत और लेनदेन रिकॉर्ड स्टिंग के दौरान पता चला कि डीएसपी हुसैन चोरी के बाद बरामद मोटरसाइकिलों को उनके असली मालिकों को बताए बिना चोरी-छिपे बेच रहे थे। लोग उन पर आपराधिक गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप भी लगाते रहे हैं और उनके खिलाफ शिकायतें दर्ज कराते रहे हैं। स्टिंग ऑपरेशन में टीम डीएसपी हुसैन से दो मोटरसाइकिलें खरीदने में सफल रही, जिसमें अवैध सौदों से संबंधित सभी बातचीत और लेनदेन को रिकॉर्ड किया गया। मामले की तत्काल जांच शुरू की गई स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े एक शख्स ने बताया कि बजट की कमी के कारण टीम केवल चोरी की मोटरसाइकिलें ही हासिल कर सकी। हालांकि, डीएसपी हुसैन चोरी को भी बेचा करते थे। इस स्टिंग ऑपरेशन से पूरे पुलिस विभाग में हाहाकार मच गया और मामले की तत्काल जांच शुरू की गई। निजाबत हुसैन कर्तव्यों से मुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एवीएलसी आरिफ असलम राव ने डीएसपी निजाबत हुसैन को तुरंत उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया और जांच शुरू कर दी। यह घटना न केवल कुछ कानून प्रवर्तन अधिकारियों की ईमानदारी पर सवाल उठाती है, बल्कि आपराधिक गतिविधियों में उनकी संभावित संलिप्तता को भी उजागर करती है। पहले भी सामने आई थी ऐसी घटना बता दें कि मार्च की शुरुआत में एक अन्य कानून प्रवर्तन अधिकारी पुलिस उप महानिरीक्षक (डीएसपी) अहमद करीम जिलानी को गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी में रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, तत्कालीन सिंध पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) रिफ्फत मुख्तार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिलानी को निलंबित कर दिया था और जांच के आदेश दिए थे।

घातक टर्बुलेंस के बाद इनफ्लाइट सर्विस प्रोटोकॉल में बदलाव

सिंगापुर। लंदन से सिंगापुर जा रहे एक विमान में हाल ही में अचानक भीषण टर्बुलेंस हुआ था, जिसकी वजह से एक यात्री की मौत हो गई थी। जबकि कई घायल हो गए थे। इस घटना के बाद सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) ने अपनी सेवाओं में कुछ बदलाव किए, जिस पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। अक्सर यात्रा करने वाले कुछ लोगों ने इसे जल्दबाजी में उठाया कदम बताया है। इन नए बदलाव से यात्रियों के साथ-साथ चालक दल के सदस्यों में भी तनाव बढ़ रहा है। 21 मई को हुआ था हादसा सिंगापुर से लंदन जा रही उड़ान एसक्यू321 को 21 मई को अचानक एयर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा था, जब विमान में नाश्ता परोसा जा रहा था। इस घटना में ब्रिटेन के 73 वर्षीय एक शख्स की मौत हो गई थी और 60 यात्री घायल हो गए थे। इसके बाद सिंगापुर एयरलाइन्स ने सुरक्षा उपाए करते हुए अपने विमानों में उड़ान के बीच कुर्सी की पेटी बांधे रखने के संकेत जारी रहने के दौरान भोजन परोसे जाने की सेवाओं पर पाबंदी लगा दी। अब यह किए बदलाव पहले कुर्सी की पेटी बांधे रखने के संकेत जारी रहने के दौरान सिर्फ गर्म पानी और सूप परोसने की अनुमति नहीं थी। बाकी सेवाएं जारी रहती थीं। हालांकि अब भोजन सेवा पर पूरी तरह से रोक लगाई जा रही है।मीडिया रिपोर्ट में कहा गया, इस कदम से यात्री और चालक दल परेशान हैं। यात्रियों और चालक दल की प्रतिक्रियाएं यूरोप से आने वाली उड़ानें अंडमान सागर के एक हिस्से से गुजरती हैं, जिसे अशांति के लिए जाना जाता है। मीडिया रिपोर्ट में चालक दल के सदस्यों और यात्रियों से बात की गई है। एक चालक सदस्य ने बताया कि हाल ही में सिंगापुर-भारत मार्ग पर उसकी साढ़े तीन घंटे की उड़ान के दौरान एक घंटे से अधिक समय तक एयर टर्बुलेंस रही। इसकी वजह से केबिन क्रू को बहुत ही कम समय में यात्रियों को खाना देना पड़ा। चालक सदस्य ने कहा, कुछ यात्रियों को यह समझ नहीं आ रहा कि सेवा नीति में बदलाव क्यों महत्वपूर्ण हैं।

सात अक्तूबर को आपकी निगाहें कहां थीं, इजराइल ने राफा के समर्थन में आए लोगों से किया सवाल

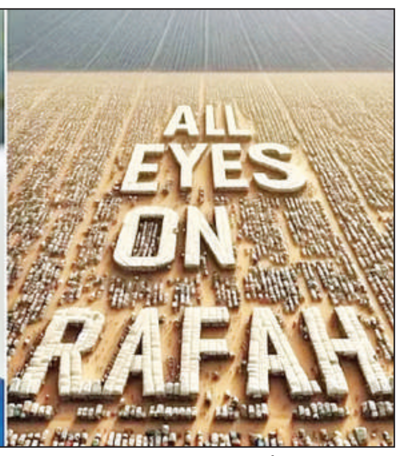

यरूशलम, 30 मई (एजेंसियां)।

इजराइल-हमास में जारी संघर्ष के बीच सोशल मीडिया पर सभी की निगाहें राफा पर (ऑल आइज ऑन राफा) काफी ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। कई मशहूर हस्तियों, खिलाड़ियों और अन्य सोशल मीडिया यूजर्स ने भी अपनी स्टोरी पर इसे साझा किया। इसका संदर्भ राफा पर किए गए इजराइली हवाई हमले से है, जिसमें बच्चे समेत 45 नागरिकों की मौत हो गई थी। हमास को नष्ट करने के लिए इजराइली सेना राफा पर जो हमले किए, उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। दुनिया के कोने कोने से लोगों ने ऑल आइज ऑन राफा पोस्ट का इस्तेमाल अपने सोशल मीडिया पर किया।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने के बाद इजराइल ने इस पर प्रतिक्रिया दी। इजराइल ने सोशल मीडिया यूजर्स से पूछा कि जब हमास ने इजराइल पर हमला किया, तब उन्होंने इसे लेकर कुछ पोस्ट क्यों नहीं किया था

पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल में घुसकर हमले किए, जिसमें लगभग 1,160 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर इजराइली नागरिक ही शामिल थे। हमले के बाद हमास के आतंकी 250 से ज्यादा इजराइली और विदेशियों को बंधक बनाकर गाजा ले गए। हालांकि, इस संघर्ष के बीच हमास ने कुछ बंधकों को रिहा भी कर दिया था, लेकिन इजराइल का मानना है कि अभी भी 99 बंधक हमास के कब्जे में हैं। बंधकों में 31 की मौत हो गई।

नेतन्याहू सरकार का पलटवार

इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑल आइज ऑन राफा को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक तस्वीर के साथ पोस्ट साझा किया, जिसमें लिखा था, सात अक्तूबर को आपकी निगाहें कहां थी नेतन्याहू की सरकार ने अपने पोस्ट में लिखा, हम सात अक्तूबर के बारे में बात करना कभी नहीं भूलेंगे। हम बंधकों के लिए लड़ना कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने हमास के आतंकी के साथ एक बच्चे की तस्वीर साझा की।

बता दें इंस्टाग्राम पर करीब 450 लाख लोगों ने ऑल आइज ऑन राफा को अपने पोस्ट और स्टोरी पर साझा किया। ऑल आइज ऑन राफा कैप्शन के साथ जो तस्वीर साझा की गई, उसमें राफा के दृश्य का वर्णन किया गया है। यह तस्वीर उन हजारों फलस्तीनियों की ओर इशारा करती है, जो गाजा पर इजराइली सेना के हमले के बाद बचने के लिए राफा भाग गए थे।

अफगानिस्तान की नई सरकार को मान्यता देंगे पुतिन, चीन के बाद रूस ने दिए बड़े संकेत

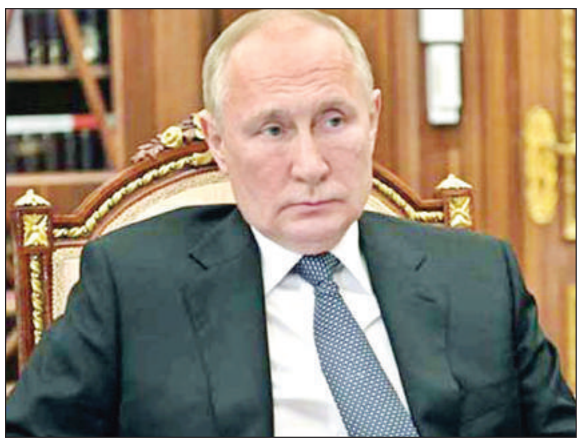

काबुल, 30 मई (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान का भविष्य क्या होगा इसे लेकर क्षेत्र के देशों और इंटरनेशनल ताकतों के बीच एक आम सहमति थी। अमेरिका, चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान और ईरान समेत अन्य प्रमुख शक्तियों के बीच इस बात पर आम सहमति थी कि तालिबान सरकार को तब तक मान्यता नहीं दी जाएगी, जब तक वह कुछ शर्तों को पूरा नहीं कर लेता। इन शर्तों में समावेशी सरकार बनाना, महिलाओं और मानवाधिकारों का सम्मान करना और अफगान धरती को आतंकी समूहों के इस्तेमाल के लिए इस्तेमाल न होने देना शामिल है।

अब अफगान तालिबान के साथ एक और देश पूर्ण संबंध स्थापित करने के करीब पहुंच गया है। रूस, जिसे कभी अफगान मुजाहिदीन के हाथों हार का सामान करना पड़ा, उसने तालिबान सरकार को मान्यता का संकेत दिया है। पहले कदम के तहत रूसी न्याय और विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति पुतिन से अफगान तालिबान को आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटाने की सिफारिश की। रूस ने 2003 में अफगान तालिबान पर प्रतिबंध लगा दिया था। अगर रूस प्रतिबंध हटा लेता है, तो तालिबान सरकार की संभावित मान्यता का रास्ता साफ हो जाएगा।राष्ट्रपति पुतिन ने इस सप्ताह कहा कि अफगान तालिबान एक वास्तविकता है। वहीं रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष ने कहा कि मॉस्को तालिबान सरकार के साथ पूर्ण संबंध स्थापित करने के करीब है। दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि तालिबान अब सत्ता में हैं और हम उनके साथ पूर्ण संबंध स्थापित करने के करीब हैं। मेदवेदेव ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में स्थिति बदल गई है। तालिबान को एक समय आतंकी माना जाता था, लेकिन अब चीजें अलग हैं। अफगानिस्तान में रूस के विशेष दूत जमीर काबुलोव ने कहा कि सत्ता में आने के बाद तालिबान ने मान्यता पाने की दिशा में एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने आगे कहा कि अभी भी कुछ बाधाएं हैं, जिन पर काबू पाना बाकी है। बता दे कि पाकिस्तान उन तीन देशों में से एक था।

14 लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता दोषी करार, शहर के सबसे बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में फैसला

हॉन्गकॉन्ग, 30 मई (एजेंसियां)।

हॉन्गकॉन्ग में एक बार फिर कई लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं को दोषी ठहराया गया है। हॉन्गकॉन्ग की एक अदालत ने बीजिंग द्वारा लागू कानून के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा के सबसे बड़े मामले में 14 लोकतंत्र समर्थकों को दोषी करार दिया।

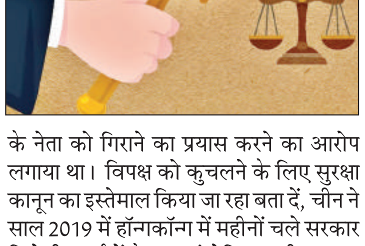

इन लोगों को ठहराया दोषी

बता दें, जिन लोगों को दोषी ठहराया गया है उनमें पूर्व सांसद लेउंग वोक-हंग, लैम चेउक-टिंग, हेलेना वोंग और रेमंड चैन शामिल हैं। दोषी ठहराए गए लोगों को उम्रकैद की सजा का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, सरकार द्वारा गठित तीन न्यायाधीशों की समिति ने पूर्व जिला काउंसलर ली यू-शून और लॉरेंस लाउ को बरी कर दिया। क्या था मामला साल 2021 में एक अनौपचारिक प्राथमिक चुनाव में शामिल पाए जाने के लिए 47 लोकतंत्र समर्थकों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया था। अभियोजन पक्ष ने इन समर्थकों पर हॉन्गकॉन्ग सरकार को पंगु बनाने और जरूरी बहुमत हासिल कर शहर के नेता को गिराने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। विपक्ष को कुचलने के लिए सुरक्षा कानून का इस्तेमाल किया जा रहा बता दें, चीन ने साल 2019 में हॉन्गकॉन्ग में महीनों चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था। पर्यवेक्षकों ने कहा कि यह मामला दिखाता है कि वर्ष 2019 में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद विपक्ष को कुचलने के लिए कैसे सुरक्षा कानून का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि बीजिंग और हॉन्गकॉन्ग की सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि इस कानून ने शहर में स्थिरता वापस लाने में मदद की है और न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की जा रही है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी तट की ओर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, घबराए दक्षिण कोरिया का दावा

सियोल, 30 मई (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। तानाशाह किम जोंग उन ने हाल ही में जंगी अभ्यास करके किम ने अमेरिका और जापान के समक्ष अपने आक्रामक इरादे जाहिर किए थे। इस बीच, उत्तर कोरिया ने एक बार फिर उकसावे वाला काम किया है। उत्तर कोरिया ने पूर्वी समुद्र तट की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। इससे क्षेत्र में एक बार फिर तनाव फैल गया है।

उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उत्तर कोरिया ने अपनी राजधानी प्योंगयांग के पास समुद्र की ओर कम दूरी की 10 संदिग्ध मिसाइलें दागी हैं। इसे लेकर हमारी सेना ने निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। उन्होंने आगे कहा कि वह अमेरिका एवं जापान के साथ सूचनाएं साझा कर रहे हैं।

जापान ने समुद्री सुरक्षा परामर्श जारी किया

जापान के रक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी का हवाला देते हुए जापान के तटरक्षक बल ने समुद्री सुरक्षा परामर्श जारी किया। तटरक्षक बल ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संभावित बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। माना जा रहा कि संदिग्ध मिसाइल अबतक नीचे आ गई होंगी। इसलिए जहाजों से अनुरोध है कि अगर उन्हें कोई गिरी हुई वस्तु मिलती है तो वे सावधानी बरतें। जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। बता दें कि उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल परीक्षण करके कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था। किम जोंग उन की निगरानी में उत्तर कोरिया सैन्य क्षमताओं में लगातार विस्तार कर रहा है। इस बीच, अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने जापान को साथ लेकर विशेष सैनिक अभ्यास शुरू किए हैं।

सैकड़ों कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए

बताया जा रहा है कि यह मिसाइलें ऐसे समय में दागी गई, जब उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर सैकड़ों कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए। यह कार्रवाई दक्षिण कोरियाई कार्यकर्ताओं द्वारा सीमा पार उत्तर कोरिया विरोधी प्रचार पत्रक उड़ाने के जवाब में की गई है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने भी दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव कराए जाने पर विवाद, पीएम बोले- आम चुनाव टालने पर नहीं हुई थी चर्चा

कोलंबो, 30 मई (एजेंसियां)।

श्रीलंका के आर्थिक हालात तो सुधर रहे हैं, लेकिन यहां की राजनीति उतनी ही उलझती जा रही है। यहां इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कई अटकलें बनी हुई हैं। हालांकि, अब प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने साफ कर दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की पार्टी द्वारा राष्ट्रपति और आम चुनाव टालने के विवादास्पद प्रस्ताव को गैरजिम्मेदाराना करार दिया। साथ ही कहा कि श्रीलंका सरकार ने राष्ट्रपति चुनाव टालने के लिए किसी भी समय चर्चा नहीं की थी।

आम चुनावों को दो साल स्थगित करने का प्रस्ताव

गौरतलब है, यहां के चुनाव आयोग ने इस महीने की शुरुआत में एलान किया था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच कराए जा सकते हैं। इस बीच, विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के महासचिव पलीथा रेंज बंदारा ने राष्ट्रपति और आम चुनावों को दो साल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि परिस्थितियां सही रहीं तो इस प्रस्ताव को औपचारिक रूप से संसद में पेश किया जा सकता है।

जल्दी या बाद में नहीं कराने को कहा जा सकता

गुणवर्धने ने पत्रकारों से कहा कि राष्ट्रपति चुनाव इस साल कराए जाने हैं। संविधान चुनाव आयोग को चुनाव कराने का अधिकार देता है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान के अनुसार चुनाव आयोग के पास ऐसी शक्ति है कि वह तय तारीखों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव करा सकता है। इसे जल्दी या बाद में नहीं कराने को कहा जा सकता। संविधान में प्रावधान हैं।

उन्होंने आगे कहा, चुनाव के लिए इस साल तारीखें हैं। लोकतंत्र की रक्षा के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने वास्तव में लोकतंत्र को बहाल किया है।

विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया

उन्होंने देश में सड़क विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया, जिसके कारण 2022 में राजपक्षे भाइयों को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसी को लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री ने कहा, हमने उस रात से लोकतंत्र को बहाल किया है जब इसे नष्ट कर दिया गया था।

गुणावर्धने ने कहा कि मौजूदा संसद अगस्त 2025 तक चल सकती है। वहीं, उन्होंने यह भी बताया कि संसदीय, प्रांतीय और स्थानीय सरकार के चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के बाद होंगे।

किसी भी समय सरकार में चर्चा नहीं हुई

उन्होंने यूएनपी के प्रस्ताव को गैर-जिम्मेदाराना करार देते हुए कहा, कोई बिना जिम्मेदारी के क्या कहता है, जिस पर किसी भी समय सरकार में चर्चा नहीं हुई हो, देश को काम दिलाने के लिए जल्दबाजी में व्यक्त किया गया हो, उसे लोकतांत्रिक सरकार और संसद में अनुमति नहीं दी जाएगी।

चुनाव आयोग ने भी निराशा व्यक्त की

चुनाव आयोग ने आगामी राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों में देरी के किसी भी प्रयास पर निराशा व्यक्त की और जोर देकर कहा कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ें। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग के प्रमुख आरएमएएल रत्नायके ने कहा कि आयोग के रुख से सरकार को पहले ही अवगत करा दिया गया है कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच होना चाहिए, जबकि लोकसभा चुनाव 2025 में होने हैं।

आज बुध करेंगे वृषभ राशि में प्रवेश

महान ग्रह बुध 31 मई को दोपहर 12:12 मिनट पर मेष राशि की यात्रा समाप्त करके वृषभ राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इस राशि पर ये 14 जून की रात्रि 11:05 मिनट तक गोचर करेंगे, उसके बाद मिथुन राशि में चले जाएंगे। मई माह का आखिरी दिन वैदिक ज्योतिष शास्त्र के लिहाज से बहुत ही खास रहने वाला है। दरअसल 31 मई को चार ग्रहों की युति होने वाली है जिससे चतुर्ग्रही योग का निर्माण होगा। 31 मई को बुद्धि, वाणी, व्यापार और तकनीक के ग्रह बुध शुक्रदेव के स्वामित्व वाली राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे। वृषभ राशि में पहले से ही सूर्य, शुक्र और गुरु पहले से मौजूद हैं। इस तरह वृषभ राशि में चार ग्रहों की युति से चतुर्ग्रही योग बनेगा। ज्योतिष में चतुर्ग्रही योग को बहुत ही शुभ माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वैदिक ज्योतिष में शुक्र को प्रेम, भोग-विलास, आकर्षण, सौंदर्य और कला का कारक ग्रह माना गया है जबकि बुध को बुद्धि, व्यापार और संचार का कारक ग्रह होता है। बुध 31 मई को वृषभ राशि में गोचर करेंगे और वृषभ राशि के स्वामी ग्रह शुक्रदेव हैं। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुध और शुक्र की बीच मित्रता का भाव रहता है। इस तरह से बुध के अपने मित्र की राशि में गोचर करने कुछ राशि के जातकों को करियर में अच्छा लाभ मिल सकता है। बुध को बुद्धि और वाणी का कारक ग्रह माना जाता है। बुध मिथुन और कन्या राशि के स्वामी हैं और मीन राशि में नीचराशिगत तथा कन्या राशि उच्चराशिगत संज्ञक माने जाते हैं।

बुध है नपुंसक ग्रह

बुध पुरुष ग्रह होने के बावजूद नपुंसक ग्रह कहलाता है। अर्थात यह जिस ग्रह के साथ बैठ जाए उसकी तरह व्यवहार करने लगता है। वक्री बुध यदि किसी खराब ग्रह के साथ बैठ गया और उसके खराब फल में वृद्धि हो जाती है।

बुध का वैदिक मंत्र

ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च।

अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत।।

बुध का तांत्रिक मंत्र

ॐ बुं बुधाय नमः

बुध का बीज मंत्र

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

क्या होगा असर

शुक्र ग्रह के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र हमेशा पृथ्वी के साथ है। इस कारण बुध के वृषभ राशि में आने से एलर्जी इंफेक्शन संक्रमण के रोगों में कमी आयेगी। बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है। कीमती धातुओं के दाम कम होंगे। बाजार में खरीदारी बढ़ सकती है। खाने-पीनी की चीजें महंगी हो सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। लेन-देन और निवेश में कई लोगों को फायदा मिल सकता है। कई नौकरीपेशा लोग जॉब बदलने का मन बना

सकते हैं।

बुध के उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव

मेष राशि :- पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। बेहतर रहेगा कार्य संपन्न करें और सीधे घर आएं। स्वास्थ्य विशेष करके चर्म रोग संबंधी समस्या और पेट संबंधी विकार से सावधान रहना पड़ेगा।

वृषभ राशि :- प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। संतान संबंधी चिंता दूर होगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति और प्रादुर्भाव के भी योग हैं। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का प्रयास कर रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह-गोचर अति अनुकूल रहेगा। सोची-समझी सभी रणनीतियां कारगर सिद्ध होगी।

मिथुन राशि :- गुप्त शत्रुओं से बचें और कोई भी कार्य जबतक पूर्ण न हो जाए उसे सार्वजनिक न करें। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए किया गया प्रयास सफल रहेगा। यात्रा के समय सामान चोरी होने से बचाएं।

कर्क राशि :- वैवाहिक वार्ता सफल रहेगी। दांपत्य जीवन में भी मधुरता आएगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग। प्रेम विवाह करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह-गोचर अनुकूल रहेगा। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा। जिसका परिणाम सुखद रहेगा।

सिंह राशि :- माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। सरकारी सर्विस के लिए प्रयास करना बेहतर रहेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में भी किसी भी तरह के टेंडर आदि के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा।

कन्या राशि :- रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। जो लोग आपको नीचा दिखाने की कोशिश में लगे थे वही मदद के लिए आएंगे। आध्यात्मिक उन्नति भी होगी। जरूरतमंदों की मदद करने के लिए बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। किसी दूसरे देश के लिए वीजा आदि का आवेदन करना हो तो अवसर बेहतर रहेगा।

तुला राशि :- स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। विवादित मामले कोर्ट कचहरी से बाहर ही सुलझाएं। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जमीन जायदाद संबंधी मामले भी हल होंगे। मकान अथवा वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह फल अनुकूल रहेगा।

वृश्चिक राशि :- किसी नए टेंडर के लिए आवेदन करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह-गोचर बेहद अनुकूल रहेगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपके लिए किसी सम्मान की भी घोषणा हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग विदेश पढ़ाई के लिए भी समय बेहद अनुकूल रहेगा।

धनु राशि :- स्वास्थ्य विशेष करके पेट संबंधी विकार की चिंता परेशान कर सकती है। मित्रों अथवा संबंधियों से भी अशुभ समाचार प्राप्ति के योग। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। कोर्ट कचहरी से संबंधित मामले भी बाहर ही सुलझा लेना समझदारी रहेगी।

मकर राशि :- उच्चाधिकारियों से संबंध मजबूत होंगे। सरकारी विभागों के रुके कार्य संपन्न होंगे। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। प्रेम विवाह भी करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। संतान संबंधी चिंता दूर होगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि :- माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। इस अवधि के मध्य किसी को भी अधिक धन उधार के रूप में ना दें अन्यथा आर्थिक हानि का सामना करना ही पड़ेगा। जमीन जायदाद संबंधी मामले तो हल होंगे ही वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रहफल और अनुकूल रहेगा।

मीन राशि :- धर्म और आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में भी दान-पुण्य में सहयोग करेंगे। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करेंगे। परिवार में आपसी माहौल खुशनुमा रहेगा। मांगलिक कार्यों का भी सुअवसर आएगा।

आखिर क्यों होते हैं रुद्राक्ष की माला में 108 दाने?

जानें इसे पहनने का सही तरीका

रुद्राक्ष की माला सदियों से हिंदू धर्म और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है । भगवान शिव के प्रतीक के रूप में यह माला न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी माने जाते हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इसके कई लाभ हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रुद्राक्ष की माला में हमेशा 108 मोती ही क्यों होते हैं। क्या इसके पीछे कोई मान्यताएं हैं या फिर कोई कारण है जिसके कारण रुद्राक्ष की माला में सिर्फ 108 मोती ही होते हैं। अगर आपके दिमाग में यह प्रश्न है और आप इसका उत्तर जानना चाह रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आखिर रुद्राक्ष की माला में 108 मोती ही क्यों होते हैं, आखिर क्या है इसके पीछे की धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यताएं।

108 मोती का रहस्य

आपको बता दें कि संख्या 108 को ब्रह्मांड में विभिन्न पहलुओं का प्रतीक माना जाता है। इसे 10 इंद्रियों, 8 अंगों और 9 नाड़ियों का प्रतीक भी माना जाता है। इसके साथ ही यह संख्या पूर्णता का अंक माना जाता है। इससे मनुष्य को मोक्ष प्राप्ति में सहायता मिलती है।

पूर्णता का अंक

ऐसी पौराणिक मान्यता है कि 108 पूर्णता का अंक है। ऐसा माना जाता है कि अगर हम किसी भी मंत्र का जाप 108 बार करते हैं तो उससे नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। 108 बार मंत्रों का जाप करने से हमारे शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही 108 ग्रहों, 12 राशियों और 27 नक्षत्रों का योग भी 108 होता है। इससे हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है।

मन शांत और एकाग्र होता है

आपको बता दें कि मानव शरीर में 108 मुख्य तंत्रिकाएं होती हैं। 108 मोतियों वाली माला पहनने से इन तंत्रिकाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे मन शांत और एकाग्र होता है। साथ ही अगर वैज्ञानिकों की मानें तो 108 बार मंत्र जाप करने से मानसिक स्थिति मजबूत होती है। इससे हमारा तनाव कम होता है।

रुद्राक्ष की माला पहनने का सही तरीका क्या है?

रुद्राक्ष की माला धारण करने से पहले माला को गंगाजल या दूध में 24 घंटे के लिए भिगो दें। फिर, धूप में सुखाकर 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जाप करें। ज्योतिष के अनुसार, रुद्राक्ष की माला को दाएं हाथ में पहनना शुभ माना जाता है। इसके साथ ही माला को गले में या कलाई पर पहना जा सकता है।

भौम प्रदोष व्रत पर जरूर करें ये विशेष उपाय, आर्थिक तंगी होगी दूर

हर महीने कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी 04 जून को है। मंगलवार के दिन पड़ने के चलते यह भौम प्रदोष व्रत कहलाएगा। इस दिन भगवान शिव एवं मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु व्रत रखा जाता है। धार्मिक मत है कि भौम प्रदोष व्रत करने से साधक यानी व्रती को कर्ज की समस्या से मुक्ति मिलती है। साथ ही सभी प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक कष्ट से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिष शास्त्र में भौम प्रदोष व्रत पर विशेष उपाय करने का विधान है। अगर आप भी आर्थिक विषमता यानी आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो भौम प्रदोष व्रत पर ये विशेष उपाय जरूर करें।

शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 04 जून को देर रात 12 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 04 जून को रात 10 बजकर 01 मिनट पर समाप्त होगी। प्रदोष व्रत पर संध्याकाल और निशा काल में भगवान शिव की पूजा की जाती है। अतः 04 जून को भौम प्रदोष व्रत रखा जाएगा।

भद्रावास योग

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानी मंगलवार 04 जून को रात्रि में 10 बजकर 01 मिनट से भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। भद्रावास योग पूर्ण रात्रि तक है। इस समय में भगवान शिव की पूजा-उपासना करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी।

सर्वार्थ सिद्धि योग

भौम प्रदोष व्रत पर सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण देर रात 10 बजकर 35 मिनट से हो रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 05 बजकर 23 मिनट तक है। इस योग में शिव जी की साधना करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है।

उपाय

- अगर आपकी कुंडली में शनि कमजोर है, तो भौम प्रदोष व्रत के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करें। इस समय गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषक करें। पूजा के समय महामृत्युंजय मंत्र का जप शिव चालीसा और शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करें। इस उपाय को करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से साधक को शनि बाधा से मुक्ति मिलती है।
- अगर आप मानसिक तनाव की समस्या से परेशान हैं, तो भौम प्रदोष व्रत पर गाय के कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषक करें। साथ ही पूजा के बाद चावल, चीनी और सफेद वस्त्र का दान करें। इस उपाय को करने से मानसिक तनाव की समस्या दूर होती है।
- अगर आपकी शादी में बाधा मंगल दोष के चलते आ रही है, तो भौम प्रदोष व्रत पर स्नान-ध्यान के बाद जल या गंगाजल में शहद और सुगंध मिलाकर अभिषेक करें। इस उपाय को करने से मंगल दोष का प्रभाव समाप्त होता है।
- भौम प्रदोष व्रत पर शुद्ध घी और पंचामृत से भगवान शिव का अभिषेक करने से कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है। इससे जातक को मनचाहा जीवनसाथी मिलता है।
- मकर और कुंभ राशि के जातक नारियल जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी प्रकार के दुख और संकट दूर हो जाते हैं।

शरीर के इन 5 अंगों पर तिल होना होता है बेहद शुभ

व्यक्ति को मिलता अकूत धन- संपत्ति का लाभ

वैदिक ज्योतिष में जैसे व्यक्ति की कुंडली में स्थित ग्रहों का विश्लेषण करके फलित किया जाता है। वैसे ही सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के शरीर पर मौजूद अंगों के आकार और तिलों का विश्लेषण करके फलित किया जाता है। वहीं यहां हम बात करने जा रहे हैं ऐसे तिलों के बारे में जिनका शरीर पर होना बेहद शुभ माना जाता है। साथ ही जिन लोगों के शरीर पर ये तिल होते हैं। वो लोग धन- संपत्ति के मालिक होते हैं। आइए, जानते हैं कि शरीर के किन अंगों पर तिल होना राजयोग की निशानी है।

दाहिने गाल पर तिल होना – सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के दाहिने गाल पर तिल होना बेहद शुभ होता है। साथ ही ऐसे लोग बहुत कम मेहनत में भी बड़ी कामयाबी पाते हैं। साथ ही ऐसे व्यक्ति की आर्थिक स्थित मजबूत रहती है। वहीं वह अपने पार्टनर के लिए बहुत वफादार होता है। साथ ही उसका पार्टनर के साथ अच्छा तालमेल होता है।

हथेली के बीचों-बीच तिल होना– हथेली के बीचों- बीच में तिल होना बेहद शुभ होता है। ऐसे लोगों को हमेशा किस्मत का साथ मिल सकता है। साथ ही ऐसे लोग अपनी मेहनत से समाज में अपनी अलग पहचान बनाते हैं। वहीं अगर मुट्ठी बंद होने पर हथेली में तिल आ जाता है, तो ऐसे लोग जीवनभर बहुत कमाई करते हैं।

शुभ माना जाता है यहां तिल– जिन लोगों के माथे के राइट साइड पर तिल होता है तो ऐसे लोग जीवन में सभी भौतिक सुखों को प्राप्त करते हैं।वहीं ऐसे व्यक्ति बेहद मेहनती होते हैं और मेहनत से हर मुकान को हासिल करते हैं। वहीं माथे पर लेफ्ट साइड तिल है तो जीवन में कई संकटों का सामना करना पड़ता है।

नाक पर तिल होना– सामुद्रिक शास्त्र अनुसार जिन लोगों के नाक पर तिल होता है, वो लोग भाग्यशाली होते हैं।. वहीं ऐसे लोग दूरदर्शी होते हैं। साथ ही जिन लोगों की नाक के अग्रभाग पर तिल होता है, उन्हें जीवन में हर सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होती है।

कमर पर तिल होना– अगर किसी व्यक्ति के कमर पर तिल बेहद शुभ माना जात है। वहीं खासतौर पर अगर किसी स्त्री के बाई कमर पर तिल है, तो वो न सिर्फ बहुत धनवान होती है बल्कि उसका व्यक्तित्व भी बहुत आर्कषक होता है। साथ ही वह परिवार और समाज में अपनी अलग पहचान बनाती है।

सोते समय बेड के सिरहाने क्यों छोड़नी चाहिए खाली जगह?

फेंग शुई एक प्राचीन चीनी दर्शन है जो ऊर्जा के प्रवाह और हमारे जीवन पर उसके प्रभाव को संतुलित करने पर केंद्रित है। किसी मकान की वास्तुकला को डिजाइन करते समय फेंगशुई की तकनीक को शामिल करना सकारात्मक ऊर्जा लाने और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने का एक शानदार तरीका है। फेंगशुई का मानना है कि हमारे आसपास की व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य, धन और रिश्तों सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित कर सकती है। सोते समय सिरहाने खाली जगह छोड़ने का फेंगशुई में विशेष महत्व है। इसका कारण यह है कि यह माना जाता है कि यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ावा देता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है। आइए इस लेख में इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

खाली जगह के फायदे

फेंग शुई के अनुसार, सिरहाने खाली जगह छोड़ने से आपको बेहतर नींद आ सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आपके सिर के चारों ओर ऊर्जा के प्रवाह को अच्छे से होता है, जिससे आपको शांत और आरामदायक महसूस होता है।

खाली जगह तनाव और चिंता को कम करने में भी मदद कर सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आपके आसपास की ऊर्जा को शांत और संतुलित रखता है।

अगर आप अपने सिरहाने खाली जगह छोड़ते हैं, तो आप पाएंगे कि अधिक एकाग्र और प्रोडक्टिव महसूस कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आपके मस्तिष्क में ऊर्जा के प्रवाह को बेहतर बनाता है।

फेंग शुई का मानना है कि खाली जगह आपके समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, क्योंकि यह आपके शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित रखता है।

इन सब अलावा जो सबसे खास बात है वो ये कि सोते समय जब सिर के आस पास अगर कोई चीज रखी हुई है तो रात के समय में दिमाग शांत नहीं रहता है। इससे दिमाग में उलझन और तनाव जैसी स्थिति पैदा होती है। इसलिए सोते समय बेड के सिरहाने जगह छोड़ना अच्छा रहता है।

अक्सर लोग किताब पढ़कर अपने सिरहाने रख लेते हैं या फिर दवाई खाकर दवा वहीं छोड़ देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए साथ ही कोई भी उपकरण जैसे मोबाइल या लैपटॉप जैसी चीजें भी नहीं रखनी चाहिए। फेंगशुई के अनुसार, विशेष रुप से काले रंग के चीजों को खासतौर पर रखने से बचना चाहिए।

हिना खान के साथ नामाकूल पर काम करना रहा कूल और बवाल: साक्षी म्हाडोलकर

उभरती सितारा साक्षी म्हाडोलकर ने अभी हाल ही में अपने नए शो नामाकूल पर काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अपने आप को खुश किस्मत माना और अपने उत्साह व्यक्त किया। शो पर काम करने के अपने अनुभव को कूल और बवाल बताते हुए साक्षी ने हिना खान के साथ काम करने के अनुभव को भी ख़ास बताया। शो के प्रोडक्शन प्रोसेस के बारे में बात करते हुए साक्षी म्हाडोलकर ने बताया कि सेट पर शुरू से ही बहुत खुशनुमा माहौल होता था। उन्होंने आगे कहा, शो नामाकूल में काम करना बहुत ही कूल और बवाल अनुभव रहा। बहुत ही अच्छी टीम थी और शो के सेट की वाइब बहुत पॉजिटिव थी। मुझे याद है जिस दिन से हमने शो को लेकर तैयारी शुरू की थी, हमने बहुत मजा किया और वह मजा स्क्रीन पर भी नजर आ रहा है। हम लोगों के एंटरटेनमेंट के लिए कुछ बनाना चाहते थे। यह एक लाइट हार्टेड और फन शो है जिसको आप अपने दोस्तों और परिवार वालो के साथ देख सकते है। इस शो को बनाने की जो इंटेंशन थी, वह स्क्रीन पर साफ़ नजर आ रही है। यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है, मैंने इस प्रोजेक्ट पर इतने बेहतरीन लोगों के साथ काम किया है और डायरेक्टर रितम श्रीवास्तव के साथ काम करने का मौका मिला, मुझे लगता है मैं भगवान का पसंदीदा बच्चा हूँ। शो में साक्षी ने हिना खान के साथ काम किया है और उनके साथ काम करने को लेकर वह बहुत उत्साहित नजर आयी। उन्होंने हिना खान की शालीनता और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की और उनसे पहली बार मिलने के अपने अनुभव को शेयर किया, जब मैं उनसे पहली बार मिली , मैं हैरान रह गयी। वह अंदर और बाहर दोनों से ही बेहद खूबसूरत है और वह अच्छे से जानती है कि वह क्या कर रही है। वह एक रानी है। बड़े एक्टर्स के साथ के साथ सीमाएं बनाए रखने की सलाह सुनने के बावजूद, साक्षी ने हिना खान को बेहद विनम्र, मददगार और दयालु पाया। उनके लिए यह एक चैलेंज था कि उनके किरदार निहारिका को हिना के किरदार रुबिया के प्रति दुश्मनी दिखानी थी ,जबकि रियल लाइफ में वह उनको बहुत पसंद करती है। जब अपने खुद के एक्टिंग प्रोसेस की बात करनी हो, तो साक्षी अपने आप को एक एक्स्प्लोरर के रूप में देखती है। वह अभी भी सीखने के चरण में है और अपने किरदारों में गहराई जोडऩे के नए तरीके खोज रही है।उन्होंने कहा, अभी मैं एक एक्स्प्लोरर हूँ। मेरा कोई प्रोसेस नहीं है , मैं सीख रही हूं, खोज रही हूँ और जो किरदार मैं निभा रही हूँ ,उनमे कुछ नया डालने की कोशिश कर रही हूँ।

मुझे अपने डायरेक्टर पर पूरा भरोसा है, मैं उन्हें अपने लिए एक दुनिया बनाने देती हूँ और उसमे अपनी भूमिका निभाती हूँ। मैं अपनी पूरी तैयारी करती हूँ, सेट ओर जाने से पहले अपना होमवर्क पूरा करके जाती हूँ। अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, मैं अपने नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूँ. हमने शूट शुरू कर दिया है। यह एक वेब शो है जो थोड़ा थ्रिलिंग, किलिंग और एक्साइटिंग है। रितम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित इस श्रृंखला में हिना खान, अभिनव शर्मा, फैसल मलिक, अनुष्का कौशिक, सतीश बादल, अभिषेक बजाज, साक्षी म्हाडोलकर, आरोन अर्जुन कौल शामिल हैं।

मिसेज इंडिया तेलंगाना की मौजूदा अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदुसुमिली को पिछले रविवार को गुड़गांव में आयोजित मिसेज इंडिया पेजेंट के एक शानदार समारोह में प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट क्वीन मिसेज इंडिया 2024 और क्लासिक मिसेज इंडिया 2024 का ताज पहनाया गया। इस समारोह में फैशन और ग्लैमर जगत की कई नामचीन हस्तियाँ मौजूद थीं। डॉ. प्रीति अदुसुमिली ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व किया था और सितंबर 2023 में मिसेज इंडिया तेलंगाना रनर अप का खिताब जीता।

करीना कपूर खान ने शिमरी ड्रेस पहन बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे हसीन एक्ट्रेसेस में से एक करीना कपूर खान की फिल्म क्रू हाल ही में रिलीज हुई है। इस मूवी को लोगों ने काफी अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। बॉक्स ऑफिस पर भी करीना कपूर की फिल्म क्रू ने काफी अच्छा परफॉर्म किया है। बता दें कि 43 साल की उम्र में भी करीना कपूर खान बेहद बोल्ड लगती हैं। उनका इंस्टाग्राम अकाउंट इस बात की गवाही देता है। इस बीच करीना कपूर खान की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वो बोल्डनेस का तड़का लगाती नजर आ रही हैं। बॉलीवुड अदाकारा करीना कपूर खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। इन तस्वीरों को देख लोग घायल हो गए हैं।सामने आई इन फोटोज में बॉलीवुड की बेबो करीना कपूर ने कैमरे के सामने बोल्ड अवतार दिखाया है। करीना कपूर का ये लुक देखते ही बन रहा है।लेटेस्ट फोटोशूट में बॉलीवुड की बोल्डनेस क्वीन करीना कपूर खान ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं। करीना कपूर का हर एक पोज फैंस को मदहोश कर रहा है। बॉलीवुड की बेबो यानी करीना कपूर खान की इन तस्वीरों पर हर कोई फिदा हो गया है। बेबो की इन फोटोज से लोगों की नजरें नहीं हट रही है। करीना की इन फोटोज पर लोग जान छिड़क रहे हैं।बॉलीवुड अदाकारा करीना कपूर खान का देसी लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। सामने आई इस तस्वीर में करीना कपूर खान साड़ी में अपना जलवा बिखेर रही हैं। बताते चलें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान 43 साल की उम्र में भी बेहद फिट हैं। इस लिए करीन जिम में घंटों पसीने बहाती हैं। साथ ही वो योगा भी करती हैं।बॉलीवुड की बेबो यानी करीना कपूर खान सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी हुई है। करीना अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। बताते चलें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान जल्द ही अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी। इस मूवी में करीना जमकर एक्शन करने वाली हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

समुद्र किनारे मोनालिसा ने बेहद ग्लैमरस पोज देकर ढाया कहर

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने स्टनिंग और बोल्ड लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका मस्तीभरा अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।टीवी इंडस्ट्री की खूबसूरत और बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक मोनालिसा हमेशा अपनी लेटेस्ट पोस्ट से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।बता दें एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं फैंस उनकी हर एक पोस्ट पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए नहीं थकते हैं।इन तस्वीरों में देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने ब्लू कलर का थाई स्लिट स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।सिर पर हेट, खुले बाल और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल एक्ट्रेस के लुक पर चार चांद लगा रही है।समुंद्र के किनारे एक्ट्रेस मोनालिसा खूबसूरत तस्वीरें क्लिक करवाती हुई और साथ ही मौसम का लुत्फ उठाती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये अवतार देखकर फैंस भी कॉमेंट्स करने से नहीं रुक रहे हैं।बता दें एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। उनका हर एक लुक देखने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं।

सनी देओल पर लगा धोखाधड़ी और झूठ बोलने का आरोप

एक्टर ने इस फिल्ममेकर संग की जालसाजी

साल 2023 में बॉलीवुड स्टार सनी देओल ने फिल्म गदर 2 से धांसू कमबैक किया था। सनी देओल की इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी कमाई की थी कि लोगों के होश उड़ गए थे। सनी देओल की फिल्म गदर 2 ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस मूवी के बाद सनी देओल की झोली में कई फिल्में गिर गई। इस लिस्ट में बॉर्डर 2 समेत कई मूवीज के नाम शामिल हैं। इस बीच सनी देओल मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं। सनी देओल को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि एक्टर ने एक फिल्ममेकर के साथ धोखा किया है। आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं सनी देओल पर फिल्ममेकर ने क्या आरोप लगाया है।

सनी देओल पर फिल्ममेकर ने लगाया आरोप

एंटरटेनमेंट (एपींर्शींरळपाशपीं छ्शुी) वर्ल्ड के स्टार सनी देओल से जुड़ी एक खबर ने इंटरनेट पर हलचल बढ़ा दी है। दरअसल, फिल्ममेकर सौरव गुप्ता ने सनी देओल ने हमला बोल दिया है। सौरव गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए सनी देओल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सनी पर धोखा देने और झूठे बोलने का आरोप लगाया है। फिल्ममेकर ने एचटी सिटी खास बातचीत की है, जिसमें उन्होंने कई खुलासे किए हैं। सौरव गुप्ता ने बताया कि साल 2016 में सनी देओल ने एक मूवी साइन की थी, जिसके लिए उन्होंने 4 करोड़ रुपये मांगे थे। हमने सनी देओल को 1 करोड़ पहले ही दे दिए थे। पैसे लेने के बाद सनी देओल दूसरी मूवी पोस्टर बॉयज की शूटिंग करने लगे। इस दौरान वो हमलोगों से और पैसे मांगते रहे। अभी तक उनके अकाउंट में हमारी तरफ से 2.55 करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं।

सनी देओल ने अचानक बढ़ा दी फीस

बताते चलें कि फिल्ममेकर सौरव गुप्ता ने ये कहा है कि सनी देओल ने अपनी फीस अचानक से बढ़ा दी थी। सौरव गुप्ता ने कहा, 'गदर 2 के हिट होने के बाद साल 2023 में हमने सनी देओल के साथ अग्रीमेंट पढ़ा तो हम दंग रह गए। उसमें एक पन्ना ही पूरी तरह से बदल दिया गया था। जहां पहले सनी देओल ने 4 करोड़ रुपये मांगे थे। वहीं अब सनी देओल ने इसे बढ़ाकर 8 करोड़ कर दिया है।' अब देखना ये दिलचस्प होगा कि सनी देओल को लेकर ये बातें सच है या फिर झूठ। इसपर आपकी क्या राय है हमें कमेंट करके जरूर बताएं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन में कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पडेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोडा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिऐ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगो।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग–दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा.दिन भर की भागम–दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगें, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरुरत नही पडेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम–धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन–देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच–पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाएगी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 31 मई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रात: 09:40 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रात: 06:14 तक
योग : विष्कुंभ सायं 06:03 तक
करण : कौलव प्रात: 09:40 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 11:10 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , श्री दादू दयाल पुण्य तिथि , गुरु तारा उदय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हिन्दी पत्रकारिता देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए अद्भुत कार्य कर रही है : बंडारू दत्तात्रेय

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

हरियाणा,30 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने देश व प्रदेशवासियों को हिन्दी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में हिंदी पत्रकारिता का महान योगदान रहा है। आज हिन्दी पत्रकारिता देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए अद्भूत कार्य कर रही है। हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाना उन तमाम पत्रकारों को श्रद्धासुमन है, जिन्होंने हिंदी पत्रकारिता को अपना जीवन समर्पित किया। पंडित जुगल किशोर शुक्ल हिंदी पत्रकारिता के मशाल वाहक माने जाते है।

उन्होंने 30 मई 1826 को उदंत मार्तण्ड साप्ताहिक समाचार पत्र निकालकर हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत की। इस समाचार पत्र के बाद हिन्दी व अन्य भाषाओं के साथ–साथ विभिन्न भाषाओं में समाचार पत्र प्रकाशित हुए और जनसंचार के क्षेत्र में देश की आवाज बने। इन्हीं की बदौलत जन–

जन में स्वतंत्रता प्राप्ति का जोश पैदा हुआ जिसके परिणामस्वरूप देश को 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली। राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति में मीडिया विशेषकर हिन्दी पत्रकारिता ने एक हथियार का काम किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रेस ने आजादी प्राप्ति में तो एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ही थी, आज के दौर में भी हिन्दी पत्रकारिता अपना दायित्व बखूबी निभा रही है। सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और जनमानस की समस्याओं को सरकार व प्रशासन तक पहुंचाने में हिन्दी पत्रकारिता मजबूत सेतु की भूमिका में हैं।

दत्तात्रेय ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में आज हिन्दी पत्रकारिता का महत्व और बढ़ा है। देश के सबसे ज्यादा भू–भाग में हिन्दी भाषा बोली जाती है। इसलिए जनसंचार में हिन्दी पत्रकारिता एक प्रभावी माध्यम है। सोशल मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, इलैक्ट्रोनिक मीडिया के क्षेत्र में आज अनेकों युवा हिन्दी पत्रकारिता में अपना भविष्य बना रहे हैं। सभी पत्रकारों और पाठकों के साथ–साथ मीडिया से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

सतपाल फौजी सहित चार नकबजन गिरफ्तार

अजमेर,30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिला स्पेशल टीम एवं मदनगंज थाना पुलिस ने हरियाणा मूल के सौ से ज्यादा वारदातों को अन्जाम देने वाले कुख्यात अन्तरराज्यीय नकबजन सतपाल फौजी सहित चार नकबजनों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

अजमेर के पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि 23 मई को वीरेंद्र सिंह सोढ़ा ने मदनगंज थाने में अपने निवास में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई जिसमें 75 हजार रुपये नकद, सोने चांदी के आभूषण चोरी होना बताया। उन्होंने बताया कि पुलिस गहन जांच और सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य माध्यमों के जरिए कड़ी से कड़ी मिलाते हुए वारदात के आरोपियों तक पहुंच गयी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार सहित करीब 16 लाख रुपये के आभूषण भी बरामद कर लिये आरोपियों ने 15 वारदात करना भी कबूला है।

विश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सतपाल फौजी (43), विकास शर्मा (36), विक्रमजीत सिंह (31) और जितेंद्र सोनी (39) शामिल हैं। इनमें विकास शर्मा झुंझुनू का है जबकि शेष सभी गुरुग्राम हरियाणा के हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी फौजी और उसके साथियों ने राजस्थान में किशनगढ़, बीकानेर, उदयपुर के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, कर्नाटक, पश्चिमी बंगाल आदि में वारदात करना स्वीकार किया है। फौजी का आपराधिक रेकॉर्ड है और सौ से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

सरिस्का में एक ही दिन में दिखे पांच नए शावक,बाघों का कुनबा बढ़कर हुआ 40

अलवर,30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का में गुरुवार को बाघिन एसटी 12 का एक शावक कैमरा टैप में दिखाई दे गया।

बुधवार को ही बाघिन एसटी 22 के चार शावक कैमरा टैप में नजर आये, जहां एक और बाघिन एसटी 22 ने 4 शावकों को जन्म दिया है, वहीं एसटी 12 आज चार शावकों के संग दिखाई दी।

एसटी 12 गत मार्च में तीन शावकों के संग दिखाई दी थी, तब यह माना जा रहा था कि तीन शावक हुये हैं, लेकिन कैमरा ट्रिप पद्धति सब देखने के बाद यह तय हो गया कि एसटी 12 ने चार शावकों को जन्म दिया हैं। बुधवार को एसटी 27 ने दो शावकों को जन्म दिया था, जो कैमरा में दिखाई दी थी।

सरिस्का में अब बाघों का कुनबा बढकर 40 पहुंच गया है। इनमें 11 मेल टाइगर, 14 फीमेल टाइगर तथा 15 शावक शामिल हैं। सरिस्का में 2018 के बाद पहली बार दो बाघिन ने एक साथ चार शावक को जन्म दिया है। साथ ही दो दिनों के दौरान सात नये शावक दिखाई दिये हैं।

सरिस्का के वनाधिकारी महेन्द्र शर्मा ने बताया कि बाघिन एसटी 12 का एक शावक कैमरा टैप में दिखायी दिया, जबकि बाघिन एसटी 22 चार शावकों के साथ कैमरा टैप में नजर आयी है। बाघिन एसटी 12 एवं बाघिन एसटी 22 दोनों ही सरिस्का की बाघिन

एसटी 10 की संतान हैं और दोनों ही बाघिनें ताल वृक्ष रेंज में घूम रही हैं। सरिस्का में बाघों के 40 कुनबे में ज्यादा बाघ बाघिन एसटी 10 की संतान हैं। दो दिन के अंदर सरिस्का में साथ नये शावक नजर आये हैं। पहली बार सरिस्का के इतिहास में ऐसा देखने को मिला है। इधर, इनकी संख्या बढ़ने पर राजस्थान के वन मंत्री और अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने आज अपने निवास पर पताशा बताकर खुशी जाहिर की।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि सरिस्का के लिये अच्छी खबर है। पहली बार मार्च में तीन शावक दिखाई दिये थे, लेकिन आज इस बाघिन के साथ चार शावक दिखाई दिये। एसटी 22 में आज चार शावक दिखाई दिये हैं और बुधवार को एसटी 27 दो शावक दे चुकी है, जहां छह माह में सरिस्का में 10 शावक मिल गये हैं, अब इनकी संख्या 40 हो गयी है। उन्होंने बताया कि सरिस्का में बाघों की कुनबे में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसके लिये अधिकारी और वनरक्षक बधाई के पात्र हैं, जो पूरी तरीके से काम कर रहे हैं, और मेहनत कर रहे हैं। उनकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

पिकअप से 304 किलो डोडा चूरा बरामद, चालक गिरफ्तार

भीलवाड़ा,30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शाहपुर जिले के कोटा–देवली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान आई पिकअप से 304 किलोग्राम डोडा–चूरा जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाने के सामने कोटा–देवली राजमार्ग पर पुलिस ने नाकाबंदी की। कोटा की ओर से आई एक पिकअप को पुलिस ने रोकना चाहा, लेकिन चालक पिकअप को तेजगति से दौड़ाकर देवली की ओर ले गया। पुलिस ने पीछा किया। 200 मीटर की दूरी पर चालक ने पिकअप को सड़क से नीचे उतार दिया। इसके बाद पिकअप चालक और उसके साथी भागने लगे। चालक को पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि साथी भागने में सफल रहा। पूछताछ में चालक ने खुद को जौधपुर के राजालानाडा पीलवा निवासी कैलाश विश्नोई (21) बताया। पुलिस ने पिकअप की तलाशी ली तो उसमें 15 कट्टों में 304 किलो डोडा–चूरा मिला, जिसे पुलिस ने पिकअप सहित जब्त कर लिया।

कोटा में रेलकर्मी की हत्या, आरोपी फ़रार

कोटा,30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में रेलवे के एक कर्मचारी की गुरुवार सुबह हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार कोटा की रेलवे कॉलोनी में गुरुवार को एक रेल कर्मचारी की किसी धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गयी और हमलावार मौके से फरार हो गया जिसकी शिनाख़्त कर पुलिस गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

मृतक की पहचान रेलवे कॉलोनी निवासी शंभू दयाल (35) के रूप में हुई है जो रेलवे में मैकेनिकल विभाग में कार्यरत था और अपने परिवार के साथ वह रेलवे कॉलोनी में ही रहता

था। पुलिस ने प्रारम्भिक जांच के बाद बताया कि मृतक शंभू दयाल जब घर पर पत्नी और दो पुत्रों के साथ सो रहा था, तड़के करीब तीन बजे किसी व्यक्ति ने घर में घुसकर धारदार हथियार से उसका गला काट दिया तो घायल होते हुये भी शंभू दयाल ने उसका पीछा किया लेकिन घर की चारदीवारी के पास गिर गया। बाद में लोगों के जागने पर परिवार के लोग पडोसियों के साथ मिलकर उसे लेकर रेलवे अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक (शहर) डॉ अमृता दुहन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) संजय शर्मा और प्रशिक्षु आईपीएस पंकज यादव सहित रेलवे कॉलोनी थाने का जाप्ता मौके पर पहुंचा था। इसके अलावा एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया और साक्ष्य एकत्रित किये। अभी हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीवर टैंक की सफाई करते तीन लोगों की मौत, दो की हालत गंभीर

जयपुर,30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर जिले के नदबई क्षेत्र में लखनपुर गांव में सीवर टैंक की सफाई करने उतरे तीन लोगों की मौत हो गयी तथा दो व्यक्ति गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती हैं।

पुलिस के अनुसार लखनपुर के नंगला में एक व्यक्ति की सीवर टैंक की सफाई के लिये दो युवक अंदर उतरे, जहां जहरीली गैस से वे बेहोश हो गये। इसके बाद उनके साथ आया तीसरा युवक और टैंक मालिक भी टैंक में उतरे, वे भी बेहोश हो गये।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस एवं अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर सभी को टैंक से बाहर निकालकर सभी को जिला अस्पताल में पहुंचाया, जहां सफाई कर्मी आकाश, करण एवं सीवर टैंक मालिक भोला पंडित को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में बेहोश हुये भोला का भाई नरेश पंडित एवं एक अन्य सफाईकर्मी का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

सहायक पुलिस आयुक्त के नाम पर रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

जयपुर,30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जोधपुर में सहायक पुलिस आयुक्त के नाम पर 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एक दलाल को गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की जोधपुर इकाई ने बुधवार देर रात कार्यवाही करते हुए जोधपुर (वृत्त पश्चिम) की सहायक पुलिस आयुक्त छवि शर्मा के नाम पर परिवादी से 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए दलाल नवीन दत्त को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी ने एसीबी की जोधपुर इकाई में शिकायत की कि सरदारपुरा थाने में दर्ज दो प्रकरणों में मदद की एवज में अनुसंधान अधिकारी एवं सहायक पुलिस आयुक्त छवि शर्मा के नाम पर दलाल नीवन दत्त एक लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा है।इसके बाद शिकायत का सत्यापन करके आरोपी को परिवादी से 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में संदिग्ध अधिकारी छवि शर्मा की भूमिका की जांच की जा रही हैं।

कलायत में कार में धमाके के साथ लगी आग, पूर्व सरपंच की जिंदा जलकर मौत

कलायत,30 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल के कलायत में श्मशान भूमि के मुख्य द्वार के पास बस स्टैंड के पीछे ऑल्टो के–10 कार खड़ी थी। अचानक उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। दमकल और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। कार में बैठे व्यक्ति की पूरी तरह से जल जाने के कारण मौत हो गई।

घटना को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। शुरुआती तौर पर कार में बाद में लगवाई गई गैस किट को ही दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। मृतक की पहचान गांव बालू के गादरा पट्टी के पूर्व सरपंच रमेश कुमार के रूप में हुई।

महिला ने चाकू से गोदकर की जेठ की हत्या

जींद,30 मई (एजेंसियां)। जींद के उचाना में एक महिला ने अपने जेठ की हत्या कर दी। महिला ने पहले व्यक्ति पर चाकू से वार किए और बाद में सिर में ईंट मार दी। इससे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मामला बुधवार रात को है। सूचना मिलने के बाद सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हत्या का कारण दोनों के बीच आपसी विवाद को बताया जा रहा है।

उचाना थाना पुलिस को दी शिकायत में एक महिला सोनिया ने कहा कि उसकी भाभी कुसुम ने उसके बड़े भाई धर्मबीर की बुधवार रात को हत्या कर दी। सोनिया ने कहा कि पूरा परिवार रात को अपने घर में ही सो रहा था। रात को उसे अचानक चीखने की तेज आवाज सुनाई दी। वह ऊपर बने कमरे में सो रही थी। जब वह नीचे आई तो उसने देखा कि उसकी भाभी कुसुम उसके भाई धर्मबीर पर चाकू से वार कर रही थी। धर्मबीर चाकू लगने से नीचे गिर गया। इसके बाद कुसुम ने ईंट उठाई और उसके सिर पर मार दी। इससे उसके भाई की मौके पर ही मौत हो गई।

उसका शव लहूलुहान अवस्था में जमीन पर पड़ा रहा। सोनिया ने कहा कि इसके बाद कुसुम मौके से फरार हो गई। सोनिया ने बताया कि उसका भाई धर्मबीर अविवाहित था। वह मजदूरी करता था। उचाना थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि सोनिया की शिकायत पर कुसुम के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

दो बहनों के इकलौते भाई को घर से बुलाकर ले गया दोस्त, सुबह मिली लाश, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

रेवाड़ी,30 मई (एजेंसियां)। रेवाड़ी में वीरवार एक युवक को लहूलुहान हालत में रेलवे लाइन के पास फेंक दिया गया। आसपास के लोगों द्वारा घायल को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मोहल्ला भजन का बाग निवासी लोकेश उर्फ लक्की (19) के रूप में हुई है। लोकेश ने इसी साल 12वीं की पढ़ाई पूरी की थी। वह 2 बहनों का इकलौता भाई था। उसकी मौत से पूरा परिवार सदमे में है।

पिता यशपाल कुमार ने बताया कि बुधवार देर रात सन्नी नाम का युवक लोकेश को अपने साथ ले गया था। लोकेश अपनी स्कूटी लेकर घर से निकला था, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। वीरवार सुबह 8 बजे सन्नी लोकेश के घर आया, अपनी स्कूटी बाहर खड़ी की और कहा कि लोकेश एक निजी अस्पताल में भर्ती है। उसके सिर पर चोट लगी है। यह सुनकर लोकेश की मां और चाचा दोनों निजी अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां से उसे ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने पर पता चला कि लोकेश की मौत हो चुकी है। यशपाल के अनुसार उसके बेटे के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगी थी। पिता का आरोप है कि लोकेश का एक सप्ताह पहले झगड़ा हुआ था।

24 घंटे में 16 मौतें, कई जिलों में भीषण गर्मी का अलर्ट

कई जगह 48 डिग्री तक जा सकता है पारा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में लगातार पढ़ रहे हीट वेव ने पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ डाला है। गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। मौसम विभाग ने अभी गर्मी से राहत नहीं मिलने और लोगों को सतर्क रहने का अलर्ट किया है। मौसम विभाग ने राज्य के दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य भाग के एक दो स्थानों पर भीषण उष्ण लहर की संभावना के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि राज्य के उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्व भाग के एक दो स्थानों में उष्ण लहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के दक्षिण पश्चिम पटना के एक दो स्थानों पर गम रात्रि के लिए संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। आज लू लगने की वजह से नालंदा में होमगार्ड जवान और बेगूसराय में एक महिला की मौत हो गई। बता दें कि बुधवार को भीषण गर्मी के कारण अलग-अलग स्कूलों में शिक्षक और बच्चे समेत 337 लोग बीमार पड़ गए थे। वहीं 16 लोगों की मौत हो गई थी।

मौसम और हीटवेव को लेकर बिजली विभाग ने भी विद्युत सप्लाई में बढ़ रहे ओवरलोड के कारण व्यवधान उत्पन्न हो रही है। बिजली नहीं पहुंचने के कारण बिजली विभाग ने लोगों को अपील करते हुए कहा है कि अपने सभी उपकरण एक साथ नहीं चलाएं। विद्युत विभाग ने कहा है कि पानी का मोटर, प्रेस, वाशिंग मशीन और अन्य लोड सुबह पांच से 11 बजे तक ही चला लें। शाम में छह से 11 बजे रात्रि तक फ्रिज को बंद रखें। शाम में छह बजे से 11 बजे रात्रि तक एसी को लगातार नहीं चलाएं। उन्होंने इसके लिए आधे आधे घंटे के अंतराल पर एक चलाने की अपील की है। इसके साथ ही विद्युत विभाग का यह मानना है कि भीषण गर्मी के कारण सिस्टम ओवरलोड के कारण विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है। लोगों को विद्युत विभाग की अपील को ध्यानपूर्वक उपयोग करना चाहिए।

मौसम विभाग ने दक्षिण पश्चिम के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल में गुरुवार को अधिकतम तापमान 46 डिग्री से 48 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। वहीं दक्षिण मध्य के पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद में अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच रहने के आसार हैं। 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहा। दक्षिण बिहार के अधिकांश क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा है। मौसम वेधशाला से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटो के दौरान पटना 42.8 डिग्री सेल्सियस, गया 46.8 डिग्री सेल्सियस, भागलपुर 39 डिग्री सेल्सियस एवं पूर्णिया 37 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के दक्षिण भाग शुष्क पश्चिमी हवा आ रही है। जितनी शुष्क हवा होगी उतना ही आसमान साफ रहेगा। आसमान साफ रहने का मतलब है कि धूप का प्रभाव ज्यादा होगा। उत्तर पश्चिम भाग से लेकर दक्षिण बिहार अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान अपने सामान से अधिक हो रहेगा। दक्षिण पश्चिम तथा दक्षिण मध्य अगले दो दिनों तक भीषण उष्ण दक्षिण पूर्व एवं उत्तर पश्चिम भाग उष्ण लहर की स्थिति बनी रहेगी। उत्तर पूर्व भाग खासकर अररिया एवं किशनगंज के एक दो जगह पर गरज, चमक के साथ बारिश के आसार हैं। जहां-जहां भीषण उष्ण लहर या उष्ण लहर बना हुआ है। बिल्कुल सतर्क रहने की जरूरत है। बचाना होगा संभल कर रहना होगा। गर्मी से जितना बचाव है, जरूर करना चाहिए। सुबह 10 बजे के बाद घर से ना निकले। जो लोग निकल रहे हैं, वह अपने तन को पूरी तरह ढंके कर रखें, पानी हमेशा साथ में रखें।

विजयेंद्र ने दी चंद्रशेखर परिवार को हिम्मत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने गुरुवार को 187 करोड़ रुपये के गबन के मामले को लेकर आत्महत्या करने वाले वाल्मिकी विकास निगम के अधिकारी चंद्रशेखर के घर पहुंचे और पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने परिजनों को सांत्वना देते हुए बच्चों के भविष्य को देखते हुए हिम्मत रखने को कहा। परिजनों ने बताया कि लैपटॉप व अन्य सामान छीन लिया गया है। विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि अधिकारियों ने घर से सबूत लेने में इतनी जल्दबाजी क्यो दिखाई।

छात्रा को गर्भवती करने के आरोप में हेडमास्टर निलंबित

14 दिनों की न्यायिक हिरासत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तालुक के सरकारी स्कूल के हेडमास्टर, जिसने कथित तौर पर कक्षा 7 की छात्रा को गर्भवती किया था, को सेवा से निलंबित कर दिया गया है। आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

लड़की को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बालिका गृह में भेज दिया गया है। डीडीपीआई बैलंजनेया, बीईओ नरेंद्र और अन्य अधिकारियों ने बुधवार को स्कूल का दौरा किया। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से जानकारी हासिल की। छुट्टी के बाद स्कूल खुलने का पहला दिन होने के कारण केवल 10 छात्र ही कक्षाओं में उपस्थित हुए। स्कूल में 85 छात्र पढ़ रहे हैं।

केके पाठक का फरमान पड़ा भारी

भीषण गर्मी को झेल नहीं सकी शिक्षिका स्कूल में एक घंटे के बाद हुई बेहोश

मुंगेर (एजेंसियां)।

मामला जमुई जिले के झाझा प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय सिमुलतला की है। बता दें कि बुधवार को भीषण गर्मी के कारण जमुई जिले के विभिन्न प्रखंड में करीब एक दर्जन स्कूलों में दो दर्जन से अधिक बच्चे व शिक्षक एवं शिक्षिकाएं बेहोश हो गए थे।

हालांकि यह मामला जमुई जिले के अलावा राज्य के अन्य जिलों में देखा गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर 30 मई से 8 जून तक विद्यालय बंद करने का निर्देश जारी किया गया था, लेकिन इस बीच गुरुजी को स्कूल में रहना अनिवार्य होगा और सभी विद्यालयों में प्रभारी, एचएम व शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सुबह 08 बजे से 11 बजे तक विद्यालय आयेंगे तथा गैर शैक्षणिक कार्य में बच्चों का एडमिशन, ई-शिक्षाकोष पर बच्चों की एंट्री, विद्यालय में असैनिक कार्य, जिन बच्चों का आधार नहीं बना है, उनका आधार बनवाने का कार्य समेत विभिन्न कार्य करने का निर्देश जारी किया गया था।

इसी फरमान को लेकर जिले भर के शिक्षक व शिक्षिकाएं गुरुवार को निर्धारित समय के अनुसार अपने-अपने स्कूल पहुंचे, लेकिन भीषण गर्मी के कारण झाझा प्रखंड अंतर्गत सिमुलतला मध्य विद्यालय में संस्कृत विषय की शिक्षिका ज्योतिमा कुमारी विद्यालय पहुंचने के 1 घंटे बाद बेहोश होकर गिर गई, जिससे शिक्षकों में हड़कंप मच गया। वहीं आनन फानन में शिक्षिका की विद्यालय में प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए देवघर भेजा गया।

संपत्ति के लिए बड़ा बेटा बना दुश्मन

माता-पिता और छोटे भाई के खाने में मिलाया जहर, गिरफ्तार

गया (एजेंसियां)।

गया में बड़े बेटे ने संपत्ति के लिए मां-बाप और छोटे भाई के खाने में जहर मिला दिया। जिसके बाद उन सभी की तबियत बिगड़ने लगी, जहां सभी का इलाज किया जा रहा है।

घटना की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। यह पूरा मामला गया शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गांधी नगर मोहल्ले का है।

बता दें कि पीड़ित दंपति ने अपने शिकायत पत्र में बताया कि उनके तीन पुत्र है। जिसमें बड़ा बेटा जितेंद्र दास काफी दिनों से संपत्ति के बंटवारे को लेकर झगड़ा करता था। इस दौरान आस-पास के लोग और परिवारों को समझा बुझाकर साथ रहने की नसीहत देते थे और वह मान जाता था, सोमवार की शाम घर में मछली चावल बना था। जिसके बाद चुपके से बड़े बेटे जितेंद्र ने मछली में जहर मिला दिया।

रात्रि में उसको छोड़ कर घर के सभी सदस्य मछली चावल खाने के बाद सोने चले गए। कुछ देर के बाद माता शिव कुमारीदास, पिता बच्चन दास, भाई सत्येंद्र कुमार, आशीष कुमार और मुकेश कुमार की तबियत बिगड़ने लगी। तबियत बिगड़ने की सूचना पर आसपास के लोग इलाज के लिए मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सभी को भर्ती कराया, लेकिन सभी को बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां सभी लोगों का इलाज चल रहा है।

वहीं, इस संबंध में मुफस्सिल थानाध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद ने बताया कि जहरीला भोजन खाने से एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर बीमार है।

जहर देने वाले को हिरासत में लेकर पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भूमि विवाद में बुजुर्ग की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

घटना के संबंध में मृतक के पुत्र बच्चन बिन्द ने बताया कि वे लोग पट्टा पर लेकर खेती करने का काम करते हैं। गांव के ही रज्जन से राजू ने पट्टा पर खेत लेकर उन लोगों को खेती करने के लिए दिया है। उक्त खेत पर गांव के अनिल महतो खेती करने का काम करते थे।

इसी बात को लेकर अनिल महतो ने पूर्व में उन लोगों को धमकी भी दिया था। इसी बात को लेकर अनिल महतो ने राजू से दुश्मनी ना लेकर उन लोगों से विवाद ले लिया। जब उसके पिता बुधवार की रात खेत की तरफ फसल पटवन को जा रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर पीछे से ताबड़तोड़ पीठ में तीन गोली मार दी। जिसके कारण घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

सीएम नीतीश कुमार पर भारी केके पाठक का आदेश

बिहार के स्कूलों में क्या चल रहा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार को नौतपा तपा रहा है और शिक्षकों को उनके विभाग के चर्चित अधिकारी का आदेश। 42 से 48 डिग्री तापमान के बीच जब राज्य के अलग-अलग जिलों के विद्यालयों में बच्चे-शिक्षक समेत 337 लोग बीमार हुए तो सीएम नीतीश कुमार ने एक आदेश जारी किया। इसमें स्पष्ट निर्देश दिया गया कि एक से आठवीं कक्षा तक सभी सरकारी और निजी स्कूल, आंगनबाड़ी और कोचिंग बंद रहेंगे।

आदेश जारी होने के बाद शिक्षा विभाग की ओर से नया आदेश जारी किया गया। इसमें कहा गया कि 30 मई से आठ जून तक सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य बंद रहेंगे। लेकिन, सभी प्रभारी, प्रधानाध्यापक, शिक्षक को स्कूल आना होगा। उन्हें सुबह छह बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक स्कूल में रहना होगा।

शिक्षकों को शिक्षा विभाग की ओर से गैर शैक्षणिक कार्य जैसे बच्चों का एडमिशन, ई-शिक्षाकोश पर बच्चों को एंट्री, विद्यालय में असैनिक कार्य, बच्चों का आधार बनाने का काम करना होगा। इस आदेश के बाद शिक्षकों में काफी आक्रोश है। भीषण गर्मी में कई शिक्षकों की भी तबीयत बिगड़ रही है। नालंदा के थरथरी के पुरंदर बिगहा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक सुरेंद्र प्रसाद की मौत हो गई। खगड़िया शहर स्थित उत्तरी हाजीपुर मध्य विद्यालय के एक शिक्षक ने बताया कि गर्मी के कारण उनके स्कूल के दो शिक्षक बीमार हो गए हैं। जिनका इलाज कराया जा रहा है।

दरभंगा में भीषण गर्मी के बीच शिक्षकों को स्कूल आना पड़ा। शिक्षकों ने बताया कि गैर शैक्षणिक कार्यो का निपटारा करना पड़ रहा है। नाम नहीं छापने की शर्त पर शिक्षकों ने साफ-साफ कहा कि अधिकारियों द्वारा दो तरह का रवैया अपनाया जा रहा है। इस छुट्टी के दौरान हमलोग स्कूल में चल रहे भवन निर्माण के कार्य बेंच डेस्क और बच्चों की कॉपी मूल्यांकन का काम कर रहे।

चुनावी ड्यूटी के लिए नालंदा आए होमगार्ड जवान की मौत

लू लगने से मौत की जताई जा रही आशंका

पटना (एजेंसियां)।

सिवान जिला के बेन निवासी सुरेंद्र प्रसाद के (54) वर्षीय पुत्र रमेश प्रसाद सातवें चरण के चुनाव को संपन्न करने के लिए 26 मई की शाम नालंदा आए थे। रमेश प्रसाद दीपनगर थाना क्षेत्र स्तिथ जेपी ग्रुप ऑफ एजुकेशन कॉलेज में ठहरे हुए थे। गुरुवार को उनके चुनावी ड्यूटी की कमान भी कट चुकी थी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रमेश प्रसाद कॉलेज कैंपस में ही घूम रहे थे। अचानक गश्त खाकर वह गिर पड़े, उन्हें इलाज के लिए अन्य सहकर्मियों के द्वारा बिहार शरीफ सदर अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिहार थाना अध्यक्ष रमाशंकर सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। बुधवार को भी हीटवेव के कारण चार पुलिस कर्मी की तबीयत बिगड़ गई थी। इनमें तीन पुलिस बल चुनावी ड्यूटी में नालंदा आए हुए हैं। इनमें जहानाबाद की प्रियंका कुमारी, रोहतास की अमीषा कुमारी आरा के जनार्दन प्रसाद एवं ट्रैफिक हवलदार बृजेश कृष्ण हैं।

तारीख पर बेटे से मिलने जा रहे बाइक सवार पर पलटा ट्रक

नीचे दबने से हुई मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

जमुई में भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और ट्रक के नीचे दबे बाइक सवार को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के संघरा निवासी महादेव यादव का 45 वर्षीय पुत्र मुरारी यादव के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि मुरारी यादव का बेटा एक मामले में पिछले एक साल से जमुई जेल में बंद है।

जिससे मिलने के लिए मुरारी यादव तारीख पर गुरुवार को जमुई कोर्ट जा रहे थे। तभी जमुई की ओर से एक ट्रक चकाई के तरफ जा रहा था। उसी दौरान चकाई थाना क्षेत्र अंतर्गत चकाई-जमुई मुख्य मार्ग स्थित पटना मोड़ के समीप पहुंचते ही ट्रक चालक वाहन पर से अपना संतुलन खो दिया, जिससे ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया।

इस दौरान ट्रक के साथ-साथ चल रहे बाइक सवार ट्रक के नीचे आ गया और दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं स्थानीय लोगों की सूचना पर चंद्रमंडीह थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक के नीचे दबे बाइक सवार को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com